He Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 41]

नई विल्ली, शनिवार, अक्तूबर 14, 1978 (आश्वन 22, 1900)

No. 41]

NEW DELHI, SATURDAY, OCTOBER 14, 1978 (ASVINA 22, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संस्था दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रत्ना जा सके।
(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III-- खण्ड 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा भायोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा मायोग

नई विल्ली-110011, दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० ए० 32013/1/77-प्रणा०-I—-संघ लोक सेवा भ्रायोग के कार्यालय के निम्नलिखित श्रधिकारियों को राष्ट्रपति द्वारा उनके सामने निर्दिष्ट भ्रवधि के लिए भ्रथवा श्रागामी भ्रादेश तक, जो भी पहले हो तदर्थ भ्राधार पर सेवा के ग्रेड I में स्थानापन्न भ्राधार पर श्रवर सचिव के पद पर सहर्ष नियुक्त किया जाता है:—

₹0

नाम

ग्रवधि

सं०

सर्वश्री

 बी० बी० मेहरा 17-7-78 से 31-8-78 तक (के० स० स्टे० से का ग्रेड क)

2. बी० एस० जगोपोता (अन्भाग ग्रिधिकारी) 24-7-78 से 16-9-78 तक

दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० ए० 32011/1/77-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा श्रायोग के संवर्ग में स्थायी वैयक्तिक सहायक (के० स० स्टै० से० 1—286G1/78

का ग्रेष्ठ ग) श्री के० सुन्दरम को, जिन्हें समसंख्यक आवेश दिनांक 8-6-1978 द्वारा 31-8-78 तक पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ झाधार पर वरिष्ठ वैयिक्तिक सहायक के पद पर स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया था, राष्ट्रपति द्वारा 1-9-1978 से 31-10-1978 तक दो माह की अतिरिक्त अवधि के लिए श्रथवा श्रागामी श्रादेशों तक, जो भी पहले हो, उसी हैसियत में पूर्णतः श्रस्थायी श्रीर तदर्थ श्राधार पर स्थानापन्न रूप से कार्य करते रहने की श्रनुमित प्रदान की आती है।

प्र० ना० मुखर्जी, श्रवर सचिव, संध लोक सेवा श्रायोग

प्रवर्तन निदेशालय

विदेशी मुद्रा विनियमन ग्रिधिनियम

नई दिल्ली-1, दिनांक 19 भगस्त 1978

फा॰ सं॰ ए॰-11/14/78--श्री एस॰ सजीउद्दीन, निरीक्षक, केन्द्रीय उत्पाद-शुरुक, बंगलीर की प्रवर्तन निदेशालय के हैदराबाद कार्यालय में विनांक 4-8-78 से ग्रगले ग्रावेशों तक के लिए

(5893)

प्रवर्तन प्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति पर स्थानापक्ष रूप से नियुक्त किया जाता है ।

> जें० एन**० ग्र**रो**डा** उप निदेशक (प्रशासन)

ंगृह मंत्रालय

(का० एवं प्र० सु० विभाग) केन्द्रीय क्रन्वेषण ब्यूरो नई दिल्ली, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० एस० 164/67-प्रशा०-5—निदेशक, केन्द्रीय प्रन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतब्ढ़ारा, श्री एस० एन० तिवारी, लोक ग्रभियोजक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, सामान्य अपराध स्कंध, बम्बई को प्रोप्तति पर दिनांक 28-8-78 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए तदर्थ श्राधार पर वरिष्ठ लोक ग्रभियोजक नियुक्त करते हैं।

सं० कें ०-16/74-प्रणासन-5--श्री कें ० जे० जोजफ, भारतीय पुलिस सेवा (केरल) ने दिनांक 31-8-78 के श्रपराह्म में पुलिस अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना, कोचीन के पद का कार्यभार त्याग दिया । उनकी सेवाएं राज्य सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

सं० ए० 19036/18/76-प्रशा०-5—गुजरात राज्य पुलिस से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो में प्रतिनियुक्त ग्रधिकारी श्री एम० बी० पण्ड्या, पुलिस उप-श्रधीक्षक, केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो की सेवाएं दिनांक 6-9-78 के श्रपराह्म से राज्य प्राधिकारियों को वापस सौंप वी गईं।

दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० ए०-19036/13/78-प्रणासन-5—निदेशक, केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एतद्वारा, राजस्थान राज्य पुलिस के ग्रिधिकारी श्री भ्रो० पी० भ्रम्रवाल जो केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो में निरीक्षक के रूप में प्रतिनियुक्ति पर हैं, को दिनांक 8-9-78 के पूर्वाह, से भ्रमले भ्रादेण तक के लिए केन्द्रीय भन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-श्रधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 22 सितम्बर 1978

सं० ए०-19036/17/77-प्रशा०-5—केन्द्रीय भ्रन्वेषण ब्यूरो के पुलिस उप-म्रधीक्षक एवं पश्चिम बंगाल पुलिस के ग्रिधिकारी श्री एन० सी० ऋषि की सेवाएं दिनांक 31-8-78 के भ्रपराह्म से पश्चिम बंगाल सरकार को वापस सौंप दी गई हैं।

> रिपुदमन सिंह, प्रशासन ग्रक्षिकारी (लेखा) केन्द्रीय श्रन्त्रेषण अ्यूो

नई दिल्ली, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० ए •-19020/3/78-प्रशासन-5—राष्ट्रपति अपने प्रसाद से श्री एस० के० सेट, भारतीय पुलिस सेवा (महाराष्ट्र 1960) को दिनांक 19-9-78 के पूर्वाह्म से श्रगले ब्रादेश तक के लिए प्रतिनियुक्ति पर पुलिस उप-महानिरीक्षक, केन्द्रीय श्रन्वेषण •यूरो/विशेष पुलिस स्थापना नियुक्त करते हैं।

> कें कें पूरी उप-निदेशक (प्रशासन) केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरी

नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978

सं० ए०-31013/3/75-प्रशासन-1—राष्ट्रपति ग्रपने प्रसाद से राजस्थान राज्य पुलिस से केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस ग्रधीक्षक के रूप में प्रति-नियुक्त श्री श्रो० पी० शर्मा को दिनांक 1-7-78 (पूर्वाह्म) से केन्द्रीय श्रन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थायी समाहृति हो जाने पर मूल रूप से पुलिस ग्रधीक्षक नियुक्त करते हैं।

जरनैल सिंह, प्रशासन ग्रधिकारी (स्था०) केन्द्रीय ग्रन्वेषण ब्यूरो

स०व०प० राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी हैवराबाद, विनांक 16 सितम्बर 1978

सं० 41/13/75-स्थापना—केन्द्रीय सरकार में प्रति-नियुक्ति-ग्रवधि की समाप्ति पर श्री महमूदबिन मृहम्मद भा० पु० से० (ग्रान्ध्र प्रदेश—1953) ने दिनांक 24-8-78 ग्रपराह्म से श्रकादमी के उपनिदेशक (प्रशिक्षण)के पद का कार्य-भार छोड़ दिया है।

(2)

भारतीय पुलिस सेवा, मेघालय संवर्ग से स्थानान्तरित होकर श्री एम० श्राई० एस० ग्रय्यर, भा० पु० से० (1956) ने सरवार वल्लभभाई पटेल राष्ट्रीय पुलिस श्रकादमी, हैवराबाद में दिनांक 24-8-78 श्रपराह्म से उप-निदेशक (प्रशिक्षण) का कार्यभार संभाला ।

> राजदेव सिंह, निवेशक

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई दिल्ली-110001, दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० ग्रो० दो० 184/69-स्थापना—श्री जे० एस० नेगी की सेवाएं, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल को भाई० टी० बी० पी० से प्रत्यावर्तन पर सौंपी जाने के फलस्वरूप, उसने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमांडैण्ट 53वीं वाहिनी का कार्यभार दिनांक 22-8-78 पूर्वाह्म से सम्भाला लिया ।

दिनांक 21 सितम्बर 1978

सं० ग्रो० दो० 1142/78-स्थापना—राष्ट्रपति श्री बी० एन० प्रसाद, बिहार संवर्ग के भारतीय पुलिस सेवा श्रधिकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री प्रसाद ने केन्द्रीय रिजोर्व पुलिस बल के उप महा-निरीक्षक श्रीनगर के पद का कार्यभार विनांक 31-8-78 के पूर्वाह्न से सम्भाल लिया ।

विनांक 25 सितम्बर 1978

सं० घ्रो० दो०-879/69-स्थापना--श्री टोंर मल ने उनके सरकारी सेवा से निवृत्त होने के फलस्वरूप संयुक्त सहायक निदेशक (लेखा), महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के पव का कार्यभार 31-8-78 (श्रपराह्म) को त्याग दिया।

सं० भ्रो० वो० 206/70-स्थापना—श्री बंसी ऊल्लाह खान ने सरकारी सेवा से निवृत होने के फलस्वरूप सहायक कर्माडेंट 21वीं बटालियन केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल के पद का कार्यभार दिनांक 31-8-78 (भ्रपराह्म) से त्याग दिया है।

सं० श्रो० दो-1032/75-स्थापना—महानिवेशक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल ने डाक्टर श्रीमित ज्योत्स्नामाई नायक को 26-8-78 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये, श्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो, उस तारीख तक केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

विनांक 26 सितम्बर 1978

सं० ग्रो० दो 1067/77-स्थापना—राष्ट्रपति ने कनिष्ठ चिकित्सा ग्रधिकारी डाक्टर जागादेश बाबू जम्पाला, बेस हास्पिटल, केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल, हैदराबाद का त्यागपत विनोक 31 जुलाई, 1978 ग्रपराह्न से स्वीकृत कर लिया।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय, सहायक निवेशक (प्रशा०)

महानिरीक्षक का कार्यालय केंद्रीय भौद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—राष्ट्रपति, श्री के० एल० लुके को के० श्री० सु० ब० यूनिट विशाखापटनम पोर्ट ट्रस्ट का स्थानापन्न रूप से सहायक कमांडेंट तदर्थ श्राधार पर नियुक्त करते हैं शौर उन्होंने 26 मई, 1978 के श्रपराह्न से उसी पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

यह हमारी 5-7-78 की समसंख्यक ग्रिधसूचना का ग्रिधिकमण करती है । सं० ६०-38013(3)/1/78-क्लामिक—श्री हारीकोटा से स्थानांतरण होने पर श्री पी० के० ग्राप्त नायर ने, श्री बी० एच० गोविंदास्वामी सहायक कमांडेंट के स्थान पर, 21 ग्रगस्त 1978 के पूर्वाह्म से कें० ग्री० सु० ब० यूनिट कोचीन शिपव यार्ड, कोचीन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ग्रीर श्री गोविंदा स्वामी ने, मद्रास में स्थानांतरण होने पर, उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—-दुर्गापुर से स्था-स्तरण होने पर श्री एन० सी० दास ने 16 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट बी० सी० सी० एल० झरिया के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013/3/1/78-क्रामिक—नई दिल्ली से स्थानांतरण होने पर श्री श्रार० कें० जौली ने, श्री कें० एस० मिनहास के स्थान पर, 24 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से कें० श्रौ० सु० ब० यूनिट एन० एफ० एल० भटिंडा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया श्रौर श्री कें० एस० मिनहास ने, सिन्दरी में स्थानांतरण होने पर उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/78-कार्मिक—दिल्ली से स्था-नांतरण होने पर श्री एस० सी० लाल ने 17 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट एन० एफ० एल० पानीपत के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—दिल्ली में स्थानां-तरण होने पर श्री एन० एन० डी० कौल ने 16 ग्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से के० श्रौ० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—-दुर्गापुर से स्था-नांतरण होने पर श्री एन० एन० डी० कौल ने 24 ग्रगस्त, 1978 के भ्रपराह्म से के० भ्रौ० सु० ब० यूनिट उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र नई दिस्सी के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)1/78-कार्मिक—बड़ौदा से स्थानां-तरण होने पर, श्री जी० एस० नूरपुरी ने 21 अगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० औ० सु० ब० यूनिट एच० ई० सी० रांची के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013/3/1/78-कार्मिक—कारिया से स्थानितरण होने पर श्री एस० के० चड्ढा ने 14 ग्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्री० सु० ब० यूनिट डी० एस० पी० दुर्गापुर के सहा-यक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

सं० ई०-38013(3)/1/78-फार्मिक—-राउरकेला से स्थानीतरण होने पर श्री एम० एस० बोस ने 24 भ्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० भ्रौ० सु० ब० यूनिट एन० पी० पी० सी० लिमिटेड, नागालैण्ड के सहायक कमांडेंट के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-32015(2)/9/76-कार्मिक—के० घौ० सुं० ब० में पुनर्नियुक्ति की समाप्ति पर लै० कर्नल मुकुट सिंह ने 10 मगस्त 1978 के भपराह्म से के० भौ० सु० ब० यूनिट बी० एस० एल० बोकारों के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६०-38013(2)/1/78-कार्मिक---दुर्गापुर से स्था-नांतरण होने पर श्री ए० टी० थिरूबेंगडुम ने 26 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से सहायक महानिरीक्षक (द०/क्षेत्र)/ के० श्री० सु० ब० मद्रास के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ६०-16014(2)/1/78-क्रामिक— प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री एस० एस० किरपेकर, उप क्रमांडेंट सीमा सुरक्षा बल, ने 23 ग्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट श्रार० सी० एफ० लिमिटेड बम्बई के क्रमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78-कार्मिक—-राउरकेला में स्थानांतरण होने पर श्री एस० ग्रार० नाथ ने 5 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट एम० ए० पी० पी० कल पक्कम के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ६० 38013(3)/1/78-कार्मिक--बड़ौदा से स्थानां-तरण होने पर श्री एच० सी० पंवार ने 21 श्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से के० श्रौ० सु० व० यूनिट बी० एस० एल० बोकारों के सहायक कमांडेंट पद का कार्यमार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(2)/1/78-कार्मिक—मद्रास में स्था-नांतरण होने पर श्री ए० टी० थिरूवेंगडम ने 23 ग्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० व० यूनिट ए० एस० पी० बुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

प्रतिनियुक्ति पर स्थानांतरण होने पर श्री एम० बी० सैन, उप कमांडेंट, सीमा सुरक्षा बल ने 23 ग्रगस्त, 1978 के ग्रपराह्म से के० ग्री० सु० ब० यूनिट ए० एस० पी० दुर्गापुर के कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

सं० ई०-38013(3)/1/78 कार्मिक-- बोकारो से स्था नांतरण होने पर श्री कें० कें० कील ने 11 ग्रगस्त, 1978 के ग्रपराह्म से कें० श्री० सु० ब० यूनिट ग्राई० पी० सी० एलं० बड़ीदा के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार सम्भाल लिया ।

रांची में स्थानांतरण होने पर श्री जी० एस० नूरपुरी ने 11 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से के० श्री० सु० ब० यूनिट श्राई० पी० सी० एल० बड़ौदा के सहायक कमांग्रेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई-38013(3)/1/78-कार्मिक—स्थानान्तरण होने पर श्री चेतराम सिंह ने, श्री जगदत्त शर्मा सहायक कमांडेंट के स्थान पर, 22 श्रगस्त, 1978 के श्रपराह्म से सहायक कमांडेंट उत्तरी व पश्चिमी क्षेत्र कें ० श्री० सु० ब० नई दिल्ली के पव का कार्यभार सम्भाल लिया और श्री शर्मा ने, भिलाई में स्थानांतरण होनें पर, उक्त पद का कार्यभार उसी तारीख से छोड़ दिया।

दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० ई०-16014(2)/1/78-कार्मिक—-प्रतिनियुक्ति पर स्थानानान्तरित होने पर श्री ए० एन० भल्ला, उप कमांडेंट, सीमा सुरक्षा बल, ने दिनांक 1 सितम्बर, 1978 के पूर्वीहाँ से के० श्री० सु० ब० मुख्यालय, नई दिल्ली के सहायक महा-निरीक्षक (प्रशा०) के पद का कार्यभार सम्भाल लिया।

नरेन्द्र प्रसाद सहायक महानिरीक्षक (कार्मिक) की० भ्रौ० सु० ब० मृख्यालय

श्रम मंत्रालय (श्रम भ्यूरो)

शिमला-171004, विनांक 7 अक्तूबर 1978

सं 23/3/78-सी पी अाई० — अगस्त, 1978 में ओद्योगिक श्रमिकों का अखिब भारतीय उपभोक्ता मूक्य सूबकांक (आधार वर्ष 1960-100) जुलाई, 1978 के स्तर से एक अंक बढ़ कर 331 (तीन सी इक्कतीस) रहा। अगस्त, 1978 महि का सूबकांक आधार वर्ष 1949 = 100 पर परि-वर्तित किए जाने पर 402 (वार सो दो) आता है।

> आनन्द स्वरूप भारदवाज संयुक्त निदेशक श्रम ब्यूरो

वित्त मंत्रालय (द्यार्थिक कार्य विभाग) बैंक नोट मुद्रणालय देवास, दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० बी० एन० पी०/सी०/5/78---इस कार्यालय की सम-संख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 10-8-78 के ग्रनुक्रम में श्री एच० आर० गर्मा, उप-नियंत्रण अधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर की गई नियुक्ति दिनांक 17-9-78 तक बढ़ायी जाती है।

दिनांक 24 सितम्बर 1978

सं० बी०एन०पी०/सी०/5/78—इस कार्यालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 1-6-78 के अप में निम्नलिखित तदर्थ नियुक्तियों की अवधि दिनांक 1-9-78 से उन्हीं शर्ती पर आगामी तीन माह के लिये और बढ़ाई जाती है।

कम नाम सं०			पद जिस पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किये गये
1	2		3
सर्व			
(1) ए० एस० व्हटकर		तकनीकी ग्रधिकारी
			(मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
(2	 एम०पौनुथुराई 		यथा
(3	डी० आर० कोंडावर		यया

1	2	3
(4)	व्हाय जनार्दनराव	तकनीकी अधिकारी (मुद्रण एवं प्लेट निर्माण)
(5)	रामपाल सिंह .	. —यथा—⊸
(6)	एन० श्रार० जयरामन	,यथा
(7)	समरेन्द्र दास	यथा
(8)	एम० दत्ता .	. तकनीकी ग्रधिकारी (अभिकल्पन एवं उत्कीर्णन)
(9)	ग्ररूण कुमार इंगले	. तकनीकी श्रधिकारी (स्याही कारखाना श्रनुसंधान एवं प्रयोग- शाला)
(10)	जे० एन० गुप्ता	. तकनीकी ग्रधिकारी (स्याही कारखाना उत्पादन)

पी० एस० शिवराम महाप्रबंधक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग महालेखाकार महाराष्ट्र-1 का कार्यालय बम्बई-400020, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० प्रशासन-1/सामान्य/श्रायेडी/3/खण्ड 3/सी 1(1)/8— महालेखाकार महाराष्ट्र-1 बम्बई, ग्रधिनस्थ लेखा सेवा के निम्न-लिखित सदस्यों की उनके नाम से सम्मुख निर्दिष्ट किये गये दिनांक से श्रागामी श्रादेश तक स्थान।पन्न रूप से लेखा अधिकारी निमुक्त करते हैं।

清 0	नाम		
सं०			
$\overline{(1)}$	श्री बी० रषुपथी राव		31-8-78 पूर्वाह्न
(2)	श्री डी० एस० पाण्डे		8-9-78 पूर्वाह्न
(3)	श्री एस० एम० प्रभुदेसाई	•	7-9-78 पूर्वाह्न
			ह० ग्रपठनीय
		वरिष्ठ उपमहालेखाकार/प्रशासन	

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनैंस फैक्ट्रियां सेवा महानिदेशालय, श्रार्डनैंस फैक्ट्रियां कलकत्ता, दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं० 44 जी/78—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित श्रधि-कारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक, ग्रेड-1/ए० डी० जी० श्रो० एफ०, ग्रेड-1, के पव पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते हैं:—

1. श्री बी॰ एम॰ भण्डारकर, 6 जुलाई, 1978 स्थायी उप-महाप्रबंधक,

2.	श्री एन० बालाकृष्णन्, स्थायी महाप्रबंधक, ग्रे ड- II		6 जुलाई, 1978
3.	श्री वी० एन० भिडे स्थायी महाप्रबंधक, ग्रेड-II		6 जुलाई, 1978
4.	श्री एन० एम० पटेल स्थायी ए० डी० जी० ग्रो० एफ०, ग्रेड-II		6 जुलाई, 1978
5.	श्री बी० बी० घोष स्थायी महा-प्रबंधक ग्रेड-II	•	6 जुलाई, 1978
6.	श्री पी० के० बनर्जी प्थायी महाप्रबंधक, ग्रेड-II		6 जुलाई, 1978
7.	श्री ग्रार० एस० जयसवाल स्थायी महाप्रबंधक, ग्रेड-II	•	6 जुलाई, 1978

सं० 45/जी/78—राष्ट्रपति जी निम्नलिखित श्रिध-कारियों को स्थानापन्न प्रबंधक सीनियर डी० ए० डी० जी० त्री० एफ० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से, श्रागामी श्रादेश न होने तक नियुक्त करते ह:—

 श्री एम० भार० दास . स्थायी उप-प्रबंधक 	,	16 जून, 1978
 श्री बी० एस० परमार . स्थायी उप-प्रबंधक 		16 जून, 1978
 श्री जे० के० जैन स्थायी बी० ए० डी० जी० 	•	1 जुलाई, 1978
4. श्री जी० म्नार० सुन्दरम् स्थायी डी० ए० डी० जी०		1 जुलाई, 1978
 श्री आई० एस० अहसुवालिया 		1 जुलाई, 1978

सं० 46/जी०/78---राष्ट्रपति जी निम्नलिखित ग्रधिकारियों को स्थानापन्न प्रबन्धक/डी० ए० डी० जी० के पद पर, उनके सामने दर्शायी गई तारीख से ग्रागामी ग्रादेश न होने तक, नियुक्त करते हैं:---

स्थायी उप-प्रबंधका

- 1. श्री बी० एन० मुखर्जी, स्थायी सहायक प्रबन्धक 22 धप्रैल, 1978
- 2. श्री आर० के० ढींगरा, स्थायी सहायक प्रबन्धक 22 श्रप्रैल, 1978
- 3. श्री ए० सुन्नमन्यम, स्थायी सहायक प्रबन्धक 22 ग्रप्रैल, 1978
- 4. श्री ए० एम० पुन्दले, सहायक प्रबन्धक 16 जून, 1978 (परखावधि पर)।
- 5. श्रो बी०क०सरकार, प्रबन्धक (परखावधीपर) 16 जून, 1978

बी० के० मेहता सहायक महानिदेशक, भाईनेन्स फैक्टरियां

वाणिज्य, नागरिक धापूर्ति एवं सहकारिता मंत्रालय (वाणिज्य विभाग)

मुख्य नियंद्मक भ्रायात-निर्यात का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 25 सितम्बर 1978 भ्रायात तथा निर्यात व्यापार नियंत्रण (स्थापना)

सं० 6/556/59-प्रशासन (राज)/6820---सेवा निवृत्ति की स्रायु होने पर, केन्द्रीय सिववालय सेवा के वर्ग 1 के स्थाना-पन्न अधिकारी, श्री चन्द्र गुप्त ने 31 श्रगस्त, 1978 के भ्रपराह्म से इस कार्यालय में उप-मुख्य नियंश्लक, भ्रायात-नियंत्र के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

का० वें० शेषादि, मुख्य नियंत्रक, श्रायात-निर्यात

उद्योग मनालय

बम्बई-20, दिनांक 21 सितम्बर 1978

सं० ६० एस० टी० 1-2(512)/3268--वस्त्र धायुक्त कार्यालय बम्बई के सहायक निदेशक प्रथम श्रेणी (नान-टेक्नीकल) श्री सुकुमार दासगुप्ता सेवानिवृत्ति की श्रायु प्राप्त कर लेने पर 31 श्रगस्त 1978 के श्रपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये।

> एम० सी० सुवर्णा, वस्त्र ग्रायुक्त

(ग्रौद्योगिक विकास विभाग)
विकास श्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय
नई दिल्ली-110011, दिनांक 6 सितम्बर 1978

सं० 12/242/68-प्रशासन (राजपित्रत)—-राष्ट्रपति, लघु उद्योग सेवा संस्थान, बम्बई के उपनिदेशक (श्रौद्योगिक प्रबन्ध एवं प्रशिक्षण)—-श्री टी० एस० बालसुक्रमनियम के दिनांक 2 अगस्त, 1978 को हुए निधन की सखेद घोषणा करते हैं।

सं० ए० 19018/344/78-प्रशासन (राजपवित) —-राष्ट्रपति, श्री सुभाष कनकन को दिनांक 31 जुलाई 1978 (श्रपराह्म) से, श्रगले श्रादेश होने तक, लघु उद्योग विकास संगठन में उप निर्देशक (खाद्य) के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सुभाष कनकन की नियुक्ति होने पर उन्होने दिनांक 31 जुलाई , 1978 (ग्रपराह्म) से लघु उद्योग से सेवा संस्थान, कलकत्ता में उपनिदेशक (खाद्य) पद का कार्यभार संभाल लिया।

मेहेन्द्र गुप्त, उपनिदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

(प्रशासन प्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 11 सितम्बर 1978

सं० ए-17011/5/71-प्र०-6—स्याई भंडार परीक्षक तथा इस महानिदेशालय के मुख्यालय में स्थानापन्न सहायक निरीक्षण अधिकारी (इंजीनियरी) श्री एन० जी० एस० श्रय्यर का 24-7-1978 को देहान्त हो गया।

दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० प्र०-6/247(399)/62-III---राष्ट्रपित, सहायक निरीक्षण अधिकारी (धातु) श्री एस० सी० दत्त को दिनांक 8-8-1978 के पूर्वाह्न से भारतीय निरीक्षण सेवा (श्रेणी-1) के ग्रेड-III की धातुकर्म गाखा में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातुकर्म) के रूप में पूर्णतः ग्रस्थाई तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

श्री दत्त ने दिनांक 31-7-78 (श्रपराह्म) को बर्नेपुर निरीक्षणालय में सहायक निरीक्षण श्रीधकारी (धातु) का कार्य भार छोड़ दिया और दिनांक 8-8-1978 के पूर्वाह्म से निरीक्षण निदेशक (धातु) जमशेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) का पदभार सम्भाल लिया।

विनांक 22 सितम्बर 1978

सं० प्र० 11/(448)——राष्ट्रपति पूर्ति तथा निपटान महा-निवेशालय के अधीन पूर्ति तखा निपटन निवेशक कलकता के कार्यालय में सहायक निवेशक (ग्रेंड-1) श्री डी० ग्रार० बगची को दिनांक 30 ग्रगस्त, 1978 के पूर्वाह्न से तथा आगामी ग्रादेशों के जारी होने तक उसी कार्यालय में उप निदेशक पूर्ति के पद पर तदर्थ ग्राधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र०-1/1(835)—राष्ट्रपति, पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय नई दिल्ली में भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-III ग्रधिकारी श्री ए० के० सैक्सेना को दिनांक 31 ग्रगस्त 1978 के पूर्वाह्न से और ग्रागामी ग्रादेशों के जारी होने तक इसी महानिदेशालय, नई दिल्ली में उप निदेशक पूर्ति (भारतीय पूर्ति सेवा, ग्रुप ए० के ग्रेड-II) के रूप में तदर्थं श्राक्षार पर नियुक्त करते हैं।

सं० प्र-1/1(859)—िनिदेशक पूर्ति तथा निपटान कलकत्ता के कार्यालय में गोदी निरीक्षक तथा स्थानापन्न सहायक निदेशक (ग्रेंड-11) श्री टी० सी० दास राय निवृत्तमान श्रायु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-8-1978 के श्रपराह्म से सरकारी सेवा से निवृत हो गए।

सूर्य प्रकाश, उप निदेशक (प्रशासन) कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान इस्पात ग्रीर खान मंत्रालय

(खान विभाग) भारतीय स्त्रान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० ए०-19011(28) 70-स्था० ए०--राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के स्थायी प्रधीक्षक प्रधिकारी (ग्रयस्क प्रसाधन) श्री एन० एन० सुन्नामनीयन को दिनांक 9 ग्रगस्त 1978 के पूर्वाह्न से श्रगले श्रादेश होने तक उसी विभाग में तदर्थ ग्राधार पर मुख्य ग्रयस्क प्रसाधन श्रिक्षकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19011(204)/78-स्था० ए०---राष्ट्रपति, श्री ए० डी० बर्मन, स्थानापन्न उप खान नियंत्रक, भारतीय खान ब्यूरो का दिनांक 31-5-78 के ग्रपराह्न से त्यागपन्न स्वीकृत किया जाता है।

एस० क्वालगोपाल, कार्यालय श्रध्यक्ष भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण भारतीय संग्रहालय

कलकसा-16, दिनांक 26 जुलाई 1978

सं० 4-152/78-स्थापना—िनिदेशक , भारतीय मानव विज्ञान सर्वेक्षण, श्री राधेश्याम को 3 जुलाई, 1978 के पूर्वाह्म से ग्रगले ग्रादेशों तक ग्रस्थाई रूप में इस सर्वेक्षण के दक्षिणी क्षेत्र, मैसूर में सांख्यिकीविद् के पद पर, सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सी० टी० थोमस वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रधिकारी

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

देहरादून, दिनांक 18 सितम्बर 1978

सं० स्था० 1-5418/594-प्रबन्धक—श्री एस० पी० ढौंडियाल, मर्वेक्षक, ग्रुप 'सी' (श्रेणी III डिवीजन 1 सेवा) को प्राक मान-चित्र उत्पादन संयंत्र, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरूत्पादन (सा० के० से० ग्रुप 'बीरु) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०- 40-1200 रु० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 1 ग्रगस्त 1978 पूर्वाह्म से स्थानापम रूप से नियुक्त किया गया है।

सं० स्था० 1-541 9/59 4-प्रबन्धक — श्री पीटर जेम्स कुल्लू, तकनीकी सहायक (सिलेक्शन ग्रेड) ग्रुप 'सी' (श्रेणी 🎹

डिवीजन 1 सेवा) को प्राक्त मानचित्र उत्पादन संयंत्न, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक, मानचित्र पुनरुत्पादन (सा० के० से० पुप 'बी') के पद पर 650-30 740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुप के संशोधित वैतनमान में दिनांक 28 जुलाई, 1978 पूर्वाह्न से स्थानापम्न रूप से नियुक्त किया गया है।

विनांक 19 सितम्बर, 1978

सं० 5420/707-—िनम्निलिखित ग्रिधिकारियों को भारतीय सर्वेक्षण विभाग में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 ६० के वेतनमान में ग्रिधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर प्रत्येक के सामने दी गई तारीख से पूर्णतः तदर्थं श्रनन्तिम ग्राधार पर स्थाना-पन्न रूप से नियुक्त किया जाता जाता है:—

क्रम सं० नाम तथा पदनाम यूनिट/कार्यालय नियुक्ति की तारीख

- 1. श्री मोहनजीत सिंह सं० 79 (फोटो) 2 मार्च, 1978 सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड पार्टी (पश्चिमी० (पूर्वाह्न) सं०) देहरादून।
- श्री एच० ग्रार्व दक्षित पूर्वी सर्किल 8 ग्रगस्त, 1978 सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड कार्यालय, भुवनेश्वर (पूर्वाह्न)
- श्री सचिदानन्द जुगरान मध्य सर्किल कार्या- 24 जुलाई, 1978 सर्वेक्षक सलेक्शन ग्रेड लय जबलपुर। (पूर्वाह्म)

के० एल० खोसला मेजर जनरल भारत के महासर्वेक्षक (नियुक्ति प्राधिकारी)

भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

कलकत्ता-12, दिनांक 23 सितम्बर 1978

सं० एफ० 92-138/78-स्थापना/16768—-डा० ई० बी० मुले, बरिष्ठ प्राणि-विज्ञान सहायक, भारतीय प्राणि सर्वेक्षण, पश्चिमी क्षेत्रीय केन्द्र, पूना को इसी विभाग के रेगिस्तान क्षेत्रीय केन्द्र, जोधपुर में सहायक प्राणिवैज्ञानिक (ग्रुप बी) के पद पर, 650-1200-रुपये के वेतनमान में 31 प्रगत, 1978 (पूर्वाह्र) से प्रागामी ग्रादेशों तक ग्रस्थाई भ्राधार पर नियुक्त किया जा रहा है।

डा॰ टी॰ एन॰ ग्रनन्तकुष्णन निदेशक भारतीय प्राणि सर्वेक्षण

श्राकाश वाणी महानिदेशालय (श्रोतागण श्रनुसंधान एकक) नई दिल्ली, विनांक सिंत्स्वर 1978

सं॰ ए॰-1026/2/76-स्टाफ -पांच—इस निवेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 2 सितम्बर, 1976 के अनुवर्तन में, महानिदेशक, श्राकाणवाणी, श्री पी० एल० णर्मा, वरिष्ठ श्रन्वेषक, केन्द्रीय सांख्यिकीय संगठन, नई दिल्ली को, श्राकाणवाणी महानिदेणालय, नई दिल्ली में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 -द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में, दिनांक 1-1-1977 से 31-12-1978 तक की ग्रागामी श्रवधि के लिए, श्री एन० पी० वारिया, सांख्यिकीय ग्रधिकारी के स्थान पर, जो कोयला विभाग, ऊर्जा मंत्रालय, नई दिल्ली में प्रतिनियुक्ति के श्राधार पर भेजे गए हैं, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 सितम्बर, 1978

सं० 29/6/77-एस-वो: कार्डीमम् बोर्ड, वाणिज्य मंद्रालय, कोचीन में पब्लिसिटी श्राफीसर के पद पर नियुक्त होने पर श्री के० श्रार० कुरूप, कृषि रेडियो श्रधिकारी, श्राकाशवाणी, विचूर ने 31-7-78 (श्रपराह्म) को श्रपने पद का कार्यभार छोड़ दिया।

> एस० वी० सेषाब्री प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

कृषि भ्रीर सिंचाई मंद्रालय (कृषि विभाग) विस्तार निदेशालय

नई विल्ली, विनोध 15 सितम्बर 1978

सं० 2-10/78-स्थापना (I) — प्रधीक्षक (कोटि प्रथम) के पद पर सर्बंश्री सोहन लाल धीर व गुरुदयाल गुलाटी की तदर्थ नियुक्ति दिनांक 31 श्रगस्त, 1978 से श्रागे 16 दिसम्बर, 1978 तक बनी रहेगी।

दर्शन सिंह निदेशक प्रशासन

(ग्रामीण विकास विभाग) विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनोक 21 सितम्बर, 1978

सं० ए० 19023/11/78-प्र० III — इस निदेशालय में सहायक निदेशक (पशुधन उत्पाद) के पद पर नियुक्त होने के उपरान्त श्री एस० वंचिनाथन, ने इसी निदेशालय में नई दिल्ली में विनांक 18-8-78 को पूर्वाह्म में विपणन प्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

सं० ए० 19025/75/78-प्रं०III—इस निदेशालय की प्रधिसूचना संख्या सम दिनांक 4-7-78 द्वारा दिनांक 12 जून 78 (पूर्वाह्म) से तीनमाह के लिए स्वीकृत ग्रल्पकालीन श्राधार पर सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग I) के पद पर श्री एस० टी० रजा की नियुक्ति को 31-10-78 तक या जब तक नियमित प्रबंध किए जाते हैं, जो भी पहले हो, बढ़ाया गया हैं।

विनांक 22 सितम्बर 1978

सं० ए० 19023/72/78-प्रणार्गाII—संघ लोक सेवा प्रायोग की संस्तुतियों के प्रनुसार श्री ग्रार० एम० कारपटे, सहाबक विषणन ग्रिधकारी के इस निदेशालय में गुन्टूर में दिनांक 31-8-78 (पूर्वाह्न) रो ग्रगले ग्रादेश होने तक स्थानापन्न रूप में विषणन ग्रिधकारी (वर्ग I), नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन ग्रधिकारी के रूप में नियुक्त होने पर श्री कारपटे ने गुन्टूर में दिनांक 31-8-78 (पूर्वाह्न) में सहायक विपणन ग्रधिकारी (वर्ग I) के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

बी० एल० मनिहार निदेशक, प्रशासन कृते कृषि विपणन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग कय भौर भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, विनांक 16 सितम्बर 1978

सं० सन्दर्भ क० भ० नि०/ग्र०/32011/3/76/संस्थापन/22842—इस निदेशालय की समसंख्यक श्रिधसूचना दिनांक 4/5 जुलाई 1978 के तारतम्य में निदेशक, क्रय श्रौर भंडार परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री के० पी० जोसफ सहायक कार्मिक श्रिधकारी के प्रशासन ग्रिधकारी नियुक्त होने पर, इस निदेशालय के ग्रस्थायी सहायक श्री करुवत्थिल रवीन्द्रन् को श्रीग्रम ग्रविध 24 ग्रगस्त 1978 तक सहायक कार्मिक ग्रिधकारी पद पर तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 सिसम्बर, 1978

सं० ऋ० भ० नि० /41(1)/77-प्रशासन/22942—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 16 जून, 1978 के तारम्थ में निदेशक ऋय और भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, इस निदेशालय के अस्थाई सहायक, श्री जी० वी० वर्तक को, सहायक ऋय अधिकारी के पद पर अग्रिम अवधि 30 सितम्बर 1978, तक तक्ष्यं रूप से नियुक्त करते हैं।

> बी० जी० कुलकर्णी सहायक कार्मिक श्रधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग) हैदराबाद-500016,दिनांक 18 सितम्बर, 1978

सं० प० ख० प्र०-I/II/76-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खेनिज प्रभाग के निदेशक एतद्द्वारा श्री श्राई० एस० मोखा, स्थाई भंडारी एवं स्थानापन्न लेखापाल को परमाणु खिनज प्रभाग में दिनांक 17-8-78 को श्रपराष्ट्र से श्रगले श्रादेश तक तदर्थ श्राधार पर सहायक लेखा श्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

एस० रंगनाथन वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा ग्रधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 20 सितम्बर 1978

सं० भाषाप/स्था/I/सी-III/4174—भारी पानी परि-योजना के, विषोष-कार्य-प्रधिकारी श्री केशव जनार्दन सोहोनी, भाभा परमाणु श्रनुसंधान केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा भारी पानी परियोजना (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरण श्रेणी लिपिक को, उसी परियोजना में 16 मई, 1978 (पूर्वाह्न) से 29 जून, 1978 (ग्रपराह्न) तक श्री यशवन्त पुरुषोत्तम धारपुरे, सहायक कार्मिक ग्रधिकारी, जो छुटी पर हैं, के स्थान पर स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 26 सितम्बर, 1978

सं० भाषाप/स्था/1/मु-/4276—भारी पानी परियोजना के, विशेष-कार्य श्रीधकारी श्री श्रंगाराय नटेसा श्रय्यर मुक्तुस्वामी, स्थायी लेखाकार, राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना तथा भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को, उसी परियोजना में 15 श्रप्रैल, 1978 (पूर्वाह्म) से 20 मई, 1978 भपराह्म तक, श्री के० के० गोपालकृष्ण, लेखा श्रिधकारी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) जो छुट्टी पर है, के स्थान पर तदर्थ श्राधार पर श्रस्थाई स्थानापन्न लेखा श्रिधकारी नियुक्त करते हैं।

सं० 050000/प-164/4277—भारी पानी परियोजना के विशेष कार्य-ब्रिधकारी, श्री गोपालकृष्ण पद्मनाभन, स्थायी वरण श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न सहायक कार्मिक ग्रिधकारी, भारी पानी परियोजना (तूतीकोरिन) को उसी परियोजना में 10 ग्रप्रैल, 1978 (पूर्वाह्न) से 20 मई, 1978 (ग्रपराह्न) तक श्री एस० पद्मनाभन, प्रशासन भ्रधिकारी, भाषाप (तूतीकोरिन) जो छुट्टी पर है, के स्थान पर तदर्थ ग्राधार पर ग्रस्थायी रूप से स्थानापन्न प्रशासन श्रिष्ठकारी नियक्त करते हैं।

के० शंकरनारायणन वरिष्ठ प्रशासन मधिकारी

श्रन्तरिक्ष विभाग भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन

श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र

भ्रष्टमदाबाद-380053, दिनांक 14 सितम्बर, 1978

सं० श्रं० उ० के०/स्था०/टेस्क/57—श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र के निदेशक ने श्री प्रकाश जमनाशंकर मेहता को इंजीनियर एस० बी० के पद पर श्रस्थायी रूप में श्रन्तरिक्ष विभाग, भारतीय श्रन्तरिक्ष श्रनुसंधान संगठन के श्रन्तरिक्ष उपयोग केन्द्र में 4 श्रगस्त, 1978 पूर्वाह्म से 31 श्रगस्त 1979 तक नियुक्त किया है।

> एस० जी० नायर प्रधान, कार्मिक भीर सामान्य प्रशासन

विक्रम साराभाई मंतरिक्ष केन्द्र

तिरूवनंतपुरम-695022, दिनांक 15 सितम्बर 1978

सं० वी० एस० एस० सी०/स्थापना/एन० टी० एफ०/78/—
निदेशक, वी० एस० एस० सी०, ग्रंतरिक्ष विभाग के विकम
साराभाई ग्रंतरिक्ष केन्द्र, तिरूबनंतपुरम में निम्नलिखित ग्रधिकारियों को, वैज्ञानिक/इंजीनियर एस० बी० के पद पर
र० 650-30-740-35-880-द० रो०-40-960 के ग्रेड में,
उनके नामों के सामने दिये गये तारीखों के पूर्वाह्म से स्थानापन्न
रूप में ग्रागामी ग्रादेश तक नियुक्त करते हैं:---

ऋ सं०	नाम	पदनाम	प्रभाग/ परियोजना	नियुक्ति की
1	2	3	4	5
	वंश्री एम० तायप्पत वज्ञा नियर	निक इंजी एस० ब		6-1-1977
2.	के० सूर्यनारायणन	"	पी ० ई० डी०	1-7-77
3.	एल० रामस्वामी	"	म्रार० एफ० एफ०	9-8-77
	कुमा० पी० विलासिनी ।	,,	ए०ग्रार०डी०	16-8-77
	पी०मार० वालव कृष्ण पिल्ले ।	"	ई०एम०डी०	1-10-77
6.	के० नटराजन	17	एस०एल० वी०	1-10-77
7.	वी० देवराज	,,,	ग्रार०एस०मार०	1-10-77
8.	ए० विलसन	· "	पी०एस० एन०	1-11-77
	के० प्रसन्न कुमार।	1)	ग्रार० एस०भार०	3-3-78
	एम ०वी ० गोपाला कृष्ण ।	n,	पी • एस • एन •	13-3-78
	श्रीमतीके० श्रार० सतीदेवी	n	ई० एफ०एफ०	1-4-78
	श्री के० कृष्णन नायर ।	"	ई०एफ०एफ०	1-4-78
	श्रीमती एस० वेलम्माल ।	. n	ई० एफ०एफ०	1-4-78
	पी भ्रार० वासु- देवन पिल्ले ।	· n	सी०एम०जी०	1-4-78
	म्रार० थन्द्र- सेनन पिल्ले । ¹	'n	ए०एन०एल०	1- 4 -78
16.	बी० दिवाकर	11	एम०ए० सी०	10-4-78
17.	जार्ज जोसफ	11	पी० एस० एन०	1-4-78
	4 4		A	

पी०एस०एन०

1-4-78

18. पी०पी० जार्ज

3 4	5				
वैज्ञानिक/इंजीनियर					
एस० बी०					
, पी०सी०एस०	1-4-78				
, षी०सी०एस०	1-4-78				
, एफ०म्रार०पी०	1-4-78				
स ,, श्रार० पी०पी०	1-4-78				
., ई०एम०डी०	1-4-78				
, ई०एम०डी०	1-4-78				
, ग्रा र०एफ०एफ०	1-4-78				
,, म्यू०ए०डी०	1-4-78				
, ग्रार०एस०ग्रार०	1-4-78				
•					
,, प्रार०ई०एस०	1-4-78				
,, पी०एस०एन०	1-6-78				
, .					
	० बी० , पी० सी०एस० , पी०सी०एस० , एफ०आर०पी० स ,, आर०पी०पी० ,, ई०एम०डी० ,, ई०एम०डी० ,, आर०एफ०एफ० ,, मयू०ए०डी०				

राजन वी० जाजं प्रशासन अधिकारी स्थापना इते निवेशक, वी०एस०एस०सी०

महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय नई दिल्ली, दिनांक 22 सितम्बर, 1978

सं० ए० 19014/99/72-ई-I—श्री के० भ्रार० के० एस० भ्रार० ग्रन्जेनेयुलु, निदेशक, रेडियो निर्माण एवं विकास एकक, नागर विमानन विभाग, नई दिल्ली का 11 सितम्बर, 1978 को स्वर्गवास हो गया है।

प्रेम बन्द जैन सहायक निवेशक प्रशासन

वन श्रनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय

देहराषून, विनांक 16 सितम्बर, 1978

संव 16/264/77-स्थापना-I—प्रध्यक्ष, वन अनुसंधान एवं महाविद्यालय, देहरादून ने श्री एजव आरव धर, अनुसंधान अधिकारी, बीज कोष और बीज सुधार तथा वृक्ष प्रजनन केन्द्र स्थापना स्कीम, बिनहाट, आसाम की सेवायें उनकी भारत सरकार के अधीन प्रतिनियुक्ति की अवधि पूरी होने पर सहर्ष 10-7-78 के अपराह्म से बिपूरा सरकार, वन विभाग की सौंप दी हैं।

गुरवयाल मोहन कुल सर्चिव, निरीक्षण एवं खा परीक्षा निदेशालय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1978

सं० 15/78—श्री घार० एन० जोहरी ने, जो कि पहले केन्द्रीय उत्पाद गुल्क समाहतिलय, कानपुर में सहायक समाहर्ता के पद पर कार्य कर रहे थे, भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) के दिनांक 4-8-78 ग्रादेश सं० 148/78 (फा० सं० ए०-22012/13/78) के ग्रनुसार दिनांक 12-9-78 (पूर्वाह्म) से नयी दिल्ली स्थित निरीक्षण एवं लेखा परीक्षा निवेशालय (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) के मुख्यालय में निरीक्षण ग्रधिकारी (सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) ग्रेप 'क' का कार्यभार संभाल लिया है।

एम० बी० एन० रा**व** निरीक्षण निवेशक

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक सितम्बर, 1978

सं० ए-19012/738/78-प्रशा० पांच०—-प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल ग्रायोग, श्री बी० के० घोष, श्रनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल ग्रायोग, नई बिल्ली में सहायक श्रनुसंधान ग्रधिकारी (रसायम) की श्रेणी में ६० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में पूर्णतः श्रस्थायी एवं तदर्ष ग्राधार पर दिनांक 26-8-1978 के पूर्वाह से 28-2-1979 तक ग्रथवा पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 सितम्बर, 1978

सं० ए-19012/739/78-प्रणा० पांच०—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल झायोग, श्री एम० एल० नाथ, अनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल और विद्युत अनुसंधान शाला, पूणे में सहायक अनुसंधान प्रधिकारी (रसायन) की श्रेणी में र० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200/- के वेतनमान में पूर्णतः ग्रस्थायी एवं तदर्थ ग्राधार पर दिनाक 31-8-1978 के पूर्वीह्न से 28-2-1979 तक ग्रथवा पद नियमित ग्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

सं० ए-19012/741/78-प्रमा०-पांच—प्रध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, श्री एन० एम० श्ररोड़ा, अनुसंधान सहायक को पदोन्नति पर केन्द्रीय जल श्रायोग, नई दिल्ली में सहायक अनुसंधान श्रधिकारी (भौतिकी) की श्रेणी में २० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में पूर्णतः श्रस्थाई एवं तद्दर्थ श्राधार पर दिलांक 7-9-1978 के पूर्याह्म से 6-12-1978 तक श्रथवा पद नियमित श्राधार पर भरे जाने तक, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

दिगांक 21 सितम्बर, 1978

सं० ए-19012/742/78-एडमिन० प्रशा० पांच—अध्यक्ष केन्द्रीय जल श्रायोग, श्री बी० एस० राग्रो पर्यवेश्वक को श्रितिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक श्रीभयंता के रूप में पूर्णतया तदर्थ श्राधार रू० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-840-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में 1-6-78 (पूर्वाह्र) से 6 महीने की श्रवधि के लिए श्रयवा जब तक यह पद नियमित श्राधार पर नहीं भरा जाता, जो भी पहले हो, नियुक्त करते हैं।

2. श्री वी० एस० राश्रो, की नियुक्ति पूर्णतया तदर्थ एबं श्रस्थाई श्राधार पर है तथा इस प्रकार की गई सेवा के श्राधार पर वे पदोन्नति श्रयवा वरिष्ठता के दावेदार नहीं होंगे।

> जे० के० साहा, श्रवर सचिव केन्द्रीय जल श्रायोग

निर्माण महानिदेशालय कें० लो० नि० विभाग

नई दिल्ली, दिनांक 20 सितम्बर, 1978

सं० 27/3/75-ई० वी० 9—राष्ट्रपति श्री ग्रामिजीत राय द्वारा उप वास्तुक केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली के पद से प्रदत्त त्यागपत्र 20-9-1978 (पूर्वाह्म) से स्वीकार करते हैं।

> कृष्ण कान्त, प्रशासन उपनिवेशक

उत्तर रेलवे

नई दिल्ली, दिनांक सितम्बर 1978

सं० 30--इस रेलवे के डाक्टर जगमोहन सिंह, स्था-नापन्न, निजी सहायक/मुख्य चिकित्सा ग्रिधकारी का 31-8-78 को देहान्त हो गया है।

> ग्रार० श्रीनियासन, महाप्रबंधक

विधि, न्याय तथा कम्पनी कार्य मंत्रालय (कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी लॉ बोर्ड

कम्पनी रजिस्ट्रार का कार्यालय

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के श्रधीन सूचना कम्पनी श्रधिनियम, 1956 के मामले में श्रौर श्रपोलो मेटल वेर प्राइवेट लिमिटेड के मामले में।

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं० 1491/लिक्किडेणन/78—सिविल ग्रर्जी सं० 8 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-77 के आदेश द्वारा ग्रंभोलों मेटल वेयर प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का ग्रादेश दिया गया है। कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 445(2) के ग्रधीन सूचना कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 के मामले में भौर

ग्रपोलो वयर प्रोडक्ट्स प्राइवेट लिमिटेड के मामले में 🦈

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

सं ० 1492/लिक्विडेशन/78—सिविल श्रर्जी सं ० 6 में 1976 में स्थित उच्च न्यायालय के तारीख 28-1-1977 के झादेश द्वारा श्रपोलो वयर प्रोडक्टस प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन करने का श्रादेश विया गया है ।

> वी० एस० राजू कम्पनियों का रजिस्ट्रार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर के इण्डियन केमिकल एंड पेपर इंडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड के विषय में

कटक, दिनांक 16 सितम्बर, 1978

सं० एस० ग्रो० 633/2244(2)—कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) को ग्रनुसरण में एतवृद्धारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर इण्डियन केमिकल एंड पेपर इडस्ट्रीज प्राईवेट लिमिटेड का नाम इस के प्रतिकृत कारण दिश्ति न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जाएगा ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जाएगी।

> विलीप कुमार पाल, कम्पनियों का रजिस्ट्रार, उड़ीसा

कम्पनी घिषितियम, 1956 की घारा 445(2) के घारी सूचना: मैसर्स गुजरात हेराल्ड प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

श्रहमदाबाद-380009, दिनांक 19 सितम्बर 1978

सं० 1481/लिक्वीडेशन—कस्पनी धर्जी नं० 31/1977 में ग्रहमदाबाद स्थित उच्च न्यायालय केतारीख 13-10-1977 के ग्रादेश द्वारा मैंसर्स गुजरात हेराल्ड प्राइवेट लिमिटेड का परिसमापन का ग्रादेश दिया गया है।

> जे० गो० गा**मा** प्रमंडल पंजीयक, गुजरात अहमदाबाद

कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 श्रीर उत्तराखण्ड टूरिस्ट रोडवेज लि॰ के विषय में।

कानपुर, दिनांक 16 सितम्बर 1978

सं० 648/2877 एल० सी०--कम्पनी भ्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के भ्रनुसरण में एसद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन माह के प्रव-सान पर उत्तराखण्ड टूरिस्ट रोडवेज लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उन्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

> एस० आर० राजन रजिस्ट्रार भाफ कम्पनीज यू०पी०, कानपूर

कम्पनी मधिनियम 1956 श्रीर देवबानी प्रोडकशन प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कलकता, दिनाक 20 सितम्बर 1978

स० 26045/560(3)—कम्पनी म्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के म्रनुसरण में एतद्हारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से सीन मास के भ्रवसान पर देववानी प्रोगाकशन प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायगा भीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायगी।

एस० सी० नाथ कम्पनियो का सहायक रंजिस्ट्रार पश्चिम बंगाल

कम्पनी श्रधिनियम, 1956 श्रौर मैं० मुनवर बेनीफिट (चिटफण्ड) फायनेस प्राइवेट लिमिटेड विषय में। ग्वालियर, दिनांक 22 सितम्बर 1978

स० 1182/4/560 (3)5087—कम्पनी म्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के धनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के मबसान पर म० मुनवर बेनीफिट (चिटफड) फायनेस प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशत न

किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा श्रौर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी ।

> सुरेड कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार मध्य प्रदेश, गवालियर

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 ग्रौर सी० एम० डब्ल्यू० प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलौर, विनांक 23 सितम्बर 1978

सं० 2170/560/77—कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के ग्रवसान पर सी० एम० डब्ल्यू० प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

कम्पनी ग्रधिनियम, 1956 श्रौर गायत्नी रोलर पलोर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड के विषय में।

बंगलीर, दिनाक 23 सितम्बर 1978

स० 3048/560/78—कम्पनी श्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर गायत्री रोलर फ्लोर मिल्स प्राईवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकृत कारण दिशात न किया गया तो रिजस्ट्रार से काट दिया जाएगा श्रीर उक्त कम्पनी विघटित कर दी जाएगी।

एस० एन गुहा, कम्पनियोका रजिस्ट्रार, कर्नाटक प्ररूप म्राई० टी० एन० एस०—— मायकर म्राधिनियम, 1961 (1961 का

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) प्रजन रेंज III दिल्ली-1

4/14 क , ग्रासफग्रली मार्ग नई दिल्ली ।

नई दिली, दिनांक 28 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० ग्राई० ए० सी०/एक्यु०/III/एस० ग्रार-III/ 1-78/839—ग्रतः मुझे, डी० पी० गोयल आयकर अधिनियत, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सुभाग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से ग्रिधिक है

भीर जिसकी संख्या खसरा नं० 820 तथा 821 है तथा जो छत्तरपुर गांव, नई दिल्ली में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्व रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1978।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाज।र मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनथम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनयर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुबिधा के लिए:

भ्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्निखिल व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- श्रीमती विशेष्वरी देवी, पत्नी (विध्वा)श्री दीना सुपुत्र श्री नन्द राम, बी-5/5, फरीदाबाद (हरियाणा) ।
 (ग्रन्तरक)
- 2. श्री वमोवर प्रसाद सिंघल, सुपुत श्री बिशन गोपाल सिंघल तथा श्रीमती देवरहूती, पत्नी श्री वामोदर प्रशाद सिंघल, द्वारा जी-5/एन० डी० एस० ई०-II, नई दिल्ली (श्रन्तरिती)

को यह सूचन। जारी करके पूर्वीक्स सम्पत्ति के म्पर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की श्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूजना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्मध्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

क्रिविभूमि जिसका क्षत्रफल 7 कीगा तथा 8 विसवा है भौर खसरा नं० 820 (3-2-1/2) तथा 821 (4-5-1/2) है, छत्तरपुर गांव, दिल्ली राज्य, दिल्ली में है।

डी० पी० गोयल, सक्षम मधिकारी सहायक म्रायकर म्रायुकुत (निरीक्षम) मर्जन रेंज ^{III}, दिली, नई नई दिल्ली

तारीख: 28-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रक्षितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज III दिल्ली-1

4/14 क, श्रासफश्रली मार्ग, नई दिल्ली। नई दिल्ली, दिनांक 28 मितम्बर, 1978

निर्देश सं श्राई० ए० सीं०/एक्यू०/III/एस० ग्रार०-II/2-78/ 1642---श्रतः मुझे डी० पी० गोमल, आयकर आधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख

के मधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थादर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-२० से अधिक है

के स अधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० प्लाट न० बी-39 है तथा जो शंकर गार्डन, नई दिल्ली
में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्व रूप से विणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रिजस्ट्रीकरण
अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन तारीख 8-2-1978
को पूर्वो क्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
श्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह श्रिश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वो क्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में बास्तिक इप से किंगत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबन, उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाब या किमो धन या अन्य ब्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय बाय-कर बिधितियम, 1922 (1922 का 14) या उक्त प्रधितियम, या घन-कर अधितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तिरिती खारा प्रकट नहीं किया मया या या किया जाना बाहिए वा, छिनाने में सुविधा के लिए;

अतः। अज, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रशीत्:---

- 1. श्री बन्शी धान राज, सुपुत बक्ष्मी बृज लाल, निवासी एफ० ए० 131, इन्ब्रपुरी, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती संतोष चोपड़ा, पत्नी श्री वी० ग्रार० चोपडा, निवासी सी-4 बी/13/77, जनकपुरी, नई दिल्ली-58 । (ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उक्त सभ्य कि के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तन्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस भूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख़ से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा घषोड्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के भड़्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका नं० 39, ब्लाक नं० 'बी' है श्रीर क्षेत्रफल 333. 1/3 है, श्रीर जोकि रैक्टनंगल नं० 9, किला नं० 7 का हिस्सा है, शंकर गार्डन, पोसांगिपुर, गांव, विल्ली राज्य, दिस्ली नजफगढ़ रोड़ पर, दिल्ली नगर निगम की सीमा के श्रन्तर्गत निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : 20' रास्ता । पश्चिम : 45' सड़क उत्तर : 36' चौड़ी सड़क दक्षिण : प्लाट नं० 38

> डी० पी० गोयल, सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र), श्रजंन रेंज III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 28-9-1978

प्रस्प आई० टी० एन०एस०-

भायकर भ्रष्टिनियम 1961 (1961 का 43) की क्षारा 269थ (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज III दिल्ली-1
4/14 क, भ्रासफश्रली मार्ग,
नई दिल्ली, दिनांक 27 सितम्बर 1978

निर्देश सं० म्राई० ए० सी०/एक्यू०/III/एस० म्रार० II/1-78/ 1628---म्रतः मुझे, डी० पी० गोयल,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचाल 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपये से अधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्लाट नं० डी-54 है तथा जो न्यू मुलतान नगर, नई दिल्ली में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में पूर्व रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 17-1-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित्त बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उन्त अधि-नियम के सधीन कर देने के सन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; सौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या भन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम, या घनकर प्रधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः मद, उनतं श्रिधिनियमं की धारा 269ग के धनृसरण में, में, उन्त श्रिधिनियमं की धारा 269श की उपधारा (1)के सधीन, निम्नलिखित व्यन्तियों धर्मात्:——

- श्रीमती कमला सूद, विध्वा पत्नी श्री पी० एल० सूद, निवासी मकान नं०29, पोस्ट ग्राफिस स्ट्रीट दोराहा मण्डी, जिल्ला लुधियाना, (पंजाब) (ग्रन्तरक)
- श्री प्रेम सिंह, सुपुत्त श्री फूल सिंह, निवासी चूना भट्टी, जवाला हेरी, पश्चिमपुरी, नई दिल्ली । (भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामीन से 30 दिन की ग्रवधि, जो भी ग्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध कि ी धन्य व्यक्ति द्वारा घड़ोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम के प्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही धर्य होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फीहोल्ड प्लाट नं० 54, ब्लाक नं० 'डी' ग्रीर क्षेत्रफल 200 वर्ग गज है, तथा खसरा नं० 4/18, (मान्यता प्राप्त कालौनी) न्यू मुलतान नगर, गांव जवाला हेरी, मैन रोहतक रोड़ के उत्तर की तरफ 6-7 से 7-2 तक माइल स्टोन है, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व : लेन पश्चिम : रोक्ष

उत्तर: प्लाट नं० डी-55 वक्षिण: प्लाट नं० डी-53

> डी० पी० गोयल, सक्षम प्राधिकारी सहायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) घर्जन रेंज III, दिल्ली नई दिल्ली-1

तारीख: 27-9-1978

मोहरः

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

आयक्तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-वा(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर मायुक्त (निरीक्षण) मर्जन रेंज, एरणाकुलम कोव्यिन-16 कोव्यिन-16, दिनांक 12 जुलाई 1978

निदेश सं० एल० सी० 203/78-79--यतः मुझे, पी० भ्रो० जोर्ज *माय*कर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रवाल् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- २० से प्रधिक है ग्रौर जिसकी सं० ग्रनुसूची के ग्रनुसार है, जो ग्रालप्पी विलेज में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, भालप्पी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 16-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास⁻ करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति काउचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है चौर मन्तरक (मन्तरकों) मौर भन्तरिती (प्रस्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कल निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तियक म्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रष्टीन कर वेंने के भ्रम्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अवने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी जिसी आय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त भ्रधिनियम' या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा भ्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

द्यतः प्रय, उक्त अधिनियम की खारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रचीत्:— 1. श्री के० राधाकृष्ण रेट्टियार

(ग्रन्तरक)

2. श्री वी० रामचन्द्रा रेट्टियार

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के जिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तस्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीस से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दितबद
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास
 लिखित में किये जा सकेंगे।

स्थव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त घित्यम के शक्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस शक्याय में दिया गया है।

अनुसूची

14.696 Cents of land with building in Sy. Nos. 573/34-C/3, 573/34-F/3, 573/34-F/2, 573/34-D/1, 573/34-C/3, and 573/36/3 of Alleppey Municipality.

पी० ग्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायक^र आयु**क्**त (निरी**क्षण**) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 12-7-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269व (1) के ग्रंघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुकुत (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16 सारीख 27-7-1978

निदेश सं० 211/78-79—यतः मुझे, पी०ग्रो० जोर्ज भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्यत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो एरणाकुलम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 20-1-78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तर्कों) भीर प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भविक नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या ग्रम्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनियम, या घन-कर ग्रिविनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरक में, पें, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निस्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— 3—286 GI/78

- मैसर्स माथुर एंड को० (पी०) लिमिटेड (अन्तरक)
- डा० के० के० पथोरा, झा० मिसेज भेरी पथोरे (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अबोह्स्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उन्त सिध-नियम, के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित हैं, वही श्रथ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

6 cents of land is Ernakulam Village Survey No. 2589/1 vide Schedule to Ooc No. 132/78.

पी०भ्रो० जोरज

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक ब्रायकर ब्राय्क्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 27-7-1978

प्रक्षप ग्राई० टी० एन० एस०---नायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा
269 म(1) के ग्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग्र) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोण्चिन-16 कोच्चिन-16, दिनांक 3 ग्रगस्त, 1978

निदेश सं० 220/78-79-यतः मुझे, पी. ग्री० जीरज

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत प्रधिनियम' कहा गयत है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी सं० अनुसूत्री के अनुसार है, जो कोलम में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूत्री में पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय, कोलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कोलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, कोलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक 30-1-78 को पूर्वोंक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है पीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के प्रदेह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे

धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित

नहीं फिया गया है:---

- (क) भ्रम्सरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भांधिनियम, के भ्रष्टीन कर देने के भ्रम्तरक के बाबिस्थ में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; जोर/या
- (का) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्ते ग्रिधिनियम या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, ने, उक्त सिंबनियम की धारा 269-व की सपधार (1) के शधीन निम्नसिखित स्यक्तियों, अर्थात्।—

- 1. Nevil J. Fernarday
- (ग्रन्तरक)
- 2. K. Hemadhandran

(ग्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोंक्त ब्यक्तियों में से किसी व्यक्ति श्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख है

 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में

 हितबद्ध किसी भन्य ध्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताकरी
 के पास लिखित में किये जा सकों।

स्पच्छीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त शिक्षिनियम के शक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही श्रष्ट होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

25½ cents, of land is Qivlas Village Survey No. 9197 B.

पी० ग्रो० जोरज, सक्षम प्राधिकारी, (सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणा कुलम

सारीख : 3-8-1978

जोर्ज

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०-

प्रायकर प्रश्नितिवम, 1961 (1961का 43) की बारा 269व (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम कोम्बिन-16, दिनांक 1 श्चगस्त 1978 निदेश सं० एल० सी० 0221/78-79—यत: मुझे, पी० श्चो०

बायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्स ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रक्षिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के अनुसार है, जो पालगाट्ट में स्थित है (और इससे उपाबद अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 2-1-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्वमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का जारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्तर प्रतिक से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया

प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भन्तरण लिखित में

बास्तविक रूप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वाबत, उनत प्रिव्यमियम के प्रभीन कर देने के धन्तरक के दावित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/या
 - (का) ऐसी किसी घाय या किसी वन या भ्रन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्दरिशी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में स्विधा के लिए,

भतः भव, उन्त अधिनियम की धारा 269 म के भनुसरण में, में, इन्त मिनियम की धारा 269 न की उपवारा (1) के अवीन निम्नकिखित स्यन्तियों, अर्थातः—

- श्रीमती के० एम० जी० मेनोन तथा ग्रन्थ (श्रन्तरक)
- 2. श्री बेल्लकूट्टी गुप्तन तथा अन्य (अन्तरिती)

को यह सूचमा जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियों करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के गर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 विन की घविंघ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की घविंघ, जो भी घविंध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवस्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ.स. सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पर्दो का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रद्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस श्रद्याय में दिया गया है।

अनुसूची

41 cents of land with buildings as per Schedule attached to Doc. No. 5/78 of SRO. Palghat.

पी० ग्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीखाः 3-8-1978

प्र∉प आई० टी० एन० एस•∽

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 1 भ्रागस्त 1978

निदेण सं० एल० सी० 222/78-79—श्रतः मुझे पी०श्रो० जोरज

मायकर घिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसमें परचात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी मं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो पालगाट्ट में स्थित हैं (श्रीर इससे उपावड श्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकरीं श्रिधकारी के कार्यालय, पालगाट्ट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-1-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, एसे दृश्यमान प्रतिकल भा पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाषा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए तय पाषा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए तय पाषा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए तय पाषा गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण कि लिए

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधि-नियम, के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/बा
- (च) ऐसी किसी आय या किसी धन या घण्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवं, उक्त भिष्ठितियम को धारा 269-ग के भनु-सरण में में, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-थ की उपचारा (1) के भिष्ठीम निम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यांत्:— श्री पी० एन० कृष्णनकृट्टी श्रच्चन

(भ्रन्तरक)

2. श्री चात्तसन ग्रौर ग्रन्य

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किए जा सकेंगे।

स्पड्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त सिष्ट-तियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं वही पर्य होगा, जो उस भड़याय में दिया गया है।

अनसची

55 cents of land with buildings as per Schedule attached to doc. No. 150/78 of SRO. Palghat.

पी०ग्रो० ओर्ज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 31-8-1978

प्ररूप माई० टी• एन० एस**०**—

भाषकर मिश्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार कार्यासय, सहायक आयकर झायुक्त (निरीक्षण)

श्रजंन रेंज, एरणाकुलम कोच्चि-16 तारीख 1-8-1978

निदेश सं० एल० सी० 223/78-79—यत: मुझे, पी० ग्रो० जोर्ज प्रायकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की गारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- क॰ से ग्रधिक है

भीर जिसकी सं अनुसूची के अनुसार है, जो पालगाट्ट में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिन्यम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित नाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल को, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तब पाया गवा प्रतिफल, निम्नलिखित चहेश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी धाव की बाबत अचत विधि-नियम के घंधीन कर देने के धन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; धीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मिश्रिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिश्रिनियम या धन-कर मिश्रिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया धाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिके।

पतः धव, उक्त धिवनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में। में, उक्त धिवनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् ा—

1. श्री नरसिंह भ्राय्यर भौर भ्रन्य

(ग्रन्तरक)

2. श्री संतु उटयार श्रीर ग्रन्य

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 4.5 विन की झविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की झविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उकत धिनियम के भव्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस भ्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

16 cents of land with buildings as per Schedule attached to document No. 812/78 of SRO Palghat.

पी० ग्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज ,एरणाकुलम

तारीख: 3-8-1978

प्रहर भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 268-च (1) के ग्रधीम सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मानुक्त (निरीक्षण)

श्रजेन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16

कोच्चिन-16, दिनांक 5 सितम्बर 1978

निदेश सं० एल० सी० 236/78-79---यतः मुझे पी० ध्रो० जोर्ज

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1981 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

मून्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० अनुसूची के श्रनुसार है, जोचेत्नक्रम में स्थित है

(श्रीर इससे उपावत अनुसूची में श्रीर पूर्ण ६५ से विणत है),
रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय राष्ट्री में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 31-1-78
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान
श्रितफल के लिए अम्सरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
आजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान
प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्वत से श्रिष्ठक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित
वहीं किया गया है।—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त धिंतियम, के भ्रभीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घर्य धास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घाधिनियम, या धन-कर धाधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घारतिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत। प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की धरा (1) के प्रधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रवीत्:---

1. श्री ईषन

(भ्रन्तरक)

2. श्री जोसफ

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपंत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी घन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्नोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उसत ग्रिश्वित्यम के घड्याय 20-क में परिकाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसूची

5 acres 32 cents of land with buildings vide Schedule to Document No. 234/1978.

पी० श्रो० जोर्ज, सक्षम प्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 5-9-1978

मोह्यर:

प्रकप श्राई० टी० एन० एस०-

आयकर मधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ध्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोन्चिन-16, दिनांक 5 सितम्बर, 1978

निदेश सं० एस० सी० 235/78-79---यतः मुझे, पी० श्रो० जोर्ज श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे

म्नायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्स श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/रुपए से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं शनुसूची के श्रनुगार है, जो चेज्ञकल में स्थित हैं (भौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रिजस्ट्री-कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, रान्नी में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 31-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है ध्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से भिष्ठक है श्रीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथात:—]. श्री जोर्ज ईषन

(भ्रन्तरक)

2. श्री इडिकुला

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारीकरके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वब्दीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

3 acres 58 cents of land—vide Schedule to Document No. 233/78.

पी० भ्रो० जोर्जं, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

सारीख: 5-9-1978

मोहरः

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रॅज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 5 सितम्बर, 1978

निदेश सं० एल० सी० 234/78-79--यत: मुझे पी० स्रो० जाज घायकर घिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विख्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित से वाजार मुल्य 25,000/-क्पये ग्रीर जिसकी सं० ग्रनुसुची के ग्रनुसार है, जो चलक्कल में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्त है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय रान्नी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन 31-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है ग्रीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।---

- (क) मन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उनत प्रधि-नियम, के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या ग्रन्थ प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था छिपाने में स्विधा के लिए;

ध्रतः, ध्रवः, उनतं स्रधिनियमं की धारा 269-गं के सन्-सरण में, मैं, उक्तं स्रधिनियमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थिक्तयों, अर्थातः :~-

- 1. श्री ईंधन फिलिप्प
- (म्रन्तरक)

2. श्रीमती जिनाराणी

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वण्डीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त सिध-नियम के धव्याय 20-के में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उन प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

 $2~{\rm acres}~75~{\rm cents}$ of land—vide Schedule ~to~ Document No. 232/78.

पी० स्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी सहायक आयकर आयुक्त(निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 5-9-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-

भायकर ब्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ब्राधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16, दिनांक 5 सितम्बर, 1978

निदेश सं० एल० सी० 233/78-79---यतः मुझे पी० श्रो० जोर्ज,

म्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क्पए से स्थावर है

शौर जिसकी सं श्रनुसूची के श्रनुसार है, जो चेलक्कल में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय राश्री में भारतीय रिजिस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 31-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा। वॉक्त मम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (प्रत्तरकों) श्रीर अन्तरितों (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिखिन में त्रास्तिक रूप से क्विल नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त श्रधि-नियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिश्चित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त ग्रिश्चित्यम, या ग्रन-कर ग्रिश्चित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की भारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित ब्यक्तियों, ग्रथांत्:—— 4—286GJ/78 1. श्री ईहान

(ग्रन्तरक)

2. श्री तोमस

(श्रन्तरिती)

को यह सूवना प्राप्ते करक (वॉक्न सम्प्रति के अर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी पाक्षेत्र :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन को तारीख के 45 दिन की ध्रविध या तत्संबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इत सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी व से 45 दिन के भीतर उवत स्थावर सम्पत्ति में हिनवद्ध किसी अन्थ व्यक्ति द्वारा, अधोहम्ताक्षरी के गास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रावितियम के श्रष्टयाय 20क मे परिभावित है, यही अर्थ होगा जो उस अष्टपाय में दिया भवा है।

ग्रनुसुची

68 cents of land in chethackal—vide Schedule to Document No. 231/78.

पी० ग्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 5-9-1978

प्रकथ धार्श टो० एन० एस०-

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्षय, सहायक भायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, दिनांक 22 श्चगस्त 1978

निर्देश सं० एल० सी० 232/78-79--- ग्रतः मुझे, पी० ग्रो० जोर्ज

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- घपए से भ्रधिक है

श्रीर जिसकी सं ० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो मलप्पुरम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय मलप्पुरम में भारतीय रजिस्ट्री-करण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 25-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से घष्टिक है भौर प्रन्तरक (मन्तरकों) श्रौर मन्तरिती (मन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है :—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या मन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जकत ध्रिधिनियम, या धन-कर ध्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्र्योजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया आना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मन, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुस्रण् में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत्:— 1. श्री पुलपाडन श्रब्

(श्रन्तरक)

2. (1) श्री चेनाल मुहम्मद कूट्टी (2)सी०सी० कोयम्मू (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशः की तारीख से 45 दिन की मयिश्व या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की स्विध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख ये 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षर के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्हीकरणः -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रष्टयाय 20 के में परिभाषित है, बही अर्थ होगा, जो उस श्रष्ट्या में दिया गया है।

अनुसुची

6½ cents of land with buildings as per Schedule attached to Document No. 63/78 of SRO, Malappuram.

पी० ग्रो० जोर्ज, सक्षम प्राघिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) शर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 22-8-1978

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, एरणाकुलम कोच्चिन-16, विनांक 22 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 231/78-79---यतः मुझे पी० म्रो० जोर्ज,

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उकत अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रूपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० श्रामूची के अनुसार है, तथा जो एरणाकुलम में स्थित है (ग्रीर इसं) उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के कार्यालय एरणाकुलम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्राधिन रम, 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन, - 30-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जीवत बाजार मूल्य से कम के कृष्यमान प्रतिफल के लिए इन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार भूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्तह प्रतिगत से प्रवेक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियां) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिक्षितयम के भभीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: भ्रब, उपत प्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण म,मैं, उपत प्रधिनिय⊣, को धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखन प्यक्तियों, भर्मात् :-- डा० शिवप्रसाद कुरूप

(भ्रन्तरक)

2. (1) श्री बी॰ के॰ श्रीनियासन (2) विनयशोफिनी (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूबना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पधों का, जो उक्त श्रीम-नियम के श्राष्ट्रयाय 20क में परिभाषित हैं, वहीं श्रार्थ होगा जो उस श्राष्ट्रयाय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/3rd right over 35 cents of land and buildings No. 35/74 of Cochin Corporation.

पी० ग्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख:22-8-1978

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियमं, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोच्चिन-16 दिनांक 21 ग्रगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 229/78-79—यतः मुझे पी० श्रो० जोर्ज

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उस्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के धिमीन सक्षम प्राधिकारी का यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित गाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० श्रनुसूची के श्रनुसार है, तथा जो वडयमगलम में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय नावाईक लग में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिपियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19-1-1978

को पृत्रीका संपत्ति के उवित वाजार मूल्य से कम के दूष्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करत का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दूष्यमान प्रतिफल से, ऐस दृष्यमान प्रतिफल के पन्द्रहप्रतिशत से अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण निख्त में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से दूई किसी आय की बायत, उक्त श्रिष्टिन नियम, के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और ग
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त आधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया गाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

ग्रतः श्रब, उस्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, भें उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रथीत् :—

- 1. (1) श्री मालन (2) सी० एम० मलाई (3) सी० एम० जोर्ज (सी० एम० मलाई के द्वारा) (4) जोण बनियन (सी० एम० मलाई के द्वारा) (श्रन्तरक)
- 2. श्री एम॰ मुहम्मद कासिम (2) एन॰ मेहरूपणीसा (3) एद॰ बईजू (4) एम॰ पिजूमोक (5) षिजूमोल Ist No. 3,4,&5 by gnardian A Mahamed Kasim (श्रन्तरिती)

को यह मूबना नारो करक पूर्वीका संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिचाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

As per schedule to document No. 141/78.

पी० ग्रो० जोर्ज सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, एरणाक्रलम

सारीख: 21-8-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, एरणाकुलम

को ज्विन-16, दिनांक 9 भ्रगस्त 1978

निदेश सं० एल० सी० 224/78-79—यतः मुझे, पी० श्रो० जोर्ज.

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्वात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित भाजार भूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है भीर जिसकी सं० प्रनुसूची के प्रनुसार है, जो कालिकट में स्थित है (भीर इससे उपावढ अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारों के कार्यालथ चालपुरम में भारतीय रिजस्ट्री-करण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन दिनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उनित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्षत के लिए अन्तरिश की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उनित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरितियों) के तीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिख्ति उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उसत प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त प्रधिनियम को धारा 269-ग के मनुसरण मों, में, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रषीत्:—— 1. श्री के० बी० गोविन्दराव्

(अन्तरक)

2. श्री मुसा हाजी

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अमुसुधी

14.71 cents of land with buildings in R. Sy. No. 11-2-75/2 of Nagaram amsom desom—vide schedule to doc. No. 91/78 of SRO. Chalapuram.

पी० भ्रो० जोर्ज, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त, (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

तारीख: 9-8-1978

परूप माई० डो० एन० एस०----

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) भावकर भवन प्लाट क० 31 ग्रर्जन रेंज

गणेश खंड रोड पूना-5

पूना-5, दिनांक 30 ज्न 1978

निदेश सं०सी०ए० 5/जलगांव/भ्रप्नेल' 78/362—यतः मुझे श्रीमती पी० ललवानी,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- ६० से भधिक है

श्रौर जिसकी सं० सी० एस० ऋ० 2678-ए/14 है तथा जा जलगांव में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जलगांव में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908(1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-4-1978 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार भूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) शौर अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त श्रिधितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाप या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उस्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, खिपानें में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269ग के भनुसरण में, में, उक्त भिधिनियम की धारा 269व की उपछ्ररा (1) के भिधीन, निम्निलिखित स्पितिमों, अर्थातः ---

 (1) श्री प्रभाकर पुरुषोत्तम चौधरी, (2) श्री रमेश पुरुषोत्तम चौधरी, (3) श्री श्रशोक पुरुषोत्तम चौधरी, डोंनिवली जि० थाना, सबके तर्फे श्री पुरुषोत्तम तोताराम चौधरी, सिरोदा नाटरावेर, जलगांव

(भ्रन्तरक)

2. श्री रिवंद्र रिगंबर चौधरी, 212, नपी पेठ, जलगांव। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता जारीकरकेप्वॉक्तसम्पक्तिकेभर्जनकेलिए कार्यवाहियांकरता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी शाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशत की तारी का सें 45 दिन के मीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के यस जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के कब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं धर्य होगा, जो उन अध्याय में विया गया है।

अनसूची

प्लॉट सी० एस० क० 2678-श्रो/14, जलगांव क्षेत्रफल 47304 वर्ग मीटर्स ।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 839 विनांक 3-4-78 सब- रिजस्ट्रार जलगांव के दफ्तर में लिखा है)

श्रीमती पी० ललवानी, सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

तारीख: 30-6-78

प्ररूप आई • टी • एन • एस • —

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घार। 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, भावकर भवन प्लाट ऋ० 31 गणेश खंड रोड, पूना-5

पूना 411005 दिनांक 19 भ्रगस्त 1978

निर्देश सं० 5/मिर II/मे 78/364/78-79—म्रातः मुझे श्रीमित पी० ललवानी,

आपकर भिष्मित्रमा, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मूल्य 25,000/-- द॰ से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० भार० एस० ऋ० 233/1, 233/2 है, तथा जो क्ष्पवाड़ मिरज, तल० सांगली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय मिरज II में, रजिस्ट्रीकरण, श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक 16-5-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंत्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरिक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्यों से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त घिष्ठिनियम, के घिष्ठीन कर देने के घस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बजने में मुविधा के लिए; घीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी उन या भन्य आस्तियों की जिन्हें भारतीय भाष-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाग चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित अपिकत्यों प्रचीत् :---

- 1. श्री प्रभाकर मुरलीधर परांजपे शिवाजीनगर सांगली (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री प्रभाकर दामोदर वैद्य
- (2) श्रीमित सुहासिनी प्रभाकर वैद्य, (3) श्री रवींद्र प्रभाकर वैद्य, (4) राजेंद्र प्रभाकर वैद्य (5) श्री मिलिंद्र प्रभाकर वैद्य, राधाकुष्ण वासाइल सांगली (ग्रंतरिती)

को यह पूजना जरी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के श्रर्जन के निए कार्यवाहियां करना हं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेत्र:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी न से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य स्थक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो अक्त श्रीधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है बही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्र**म्**सूची

खेती का जमीन :— स्नार एम० नं० 233/1, 233/2, व्हीलेज डकुपवाड ता० मिरज सांगली।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख क० 723 दि॰ 16-5-78 को सब रजिस्ट्रार मिरज II के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमित पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), स्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 19 श्रगस्त 1978

प्ररूप भाई • टी • एन • एस • --

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ध(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरोक्षण)

म्राजैन रेंज 60/61 एरंडवना, कर्ने रोड, पूना-411004 पूना-411004 दिनांक 19 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/मिरज II/मे 78/365/78-79— ग्रतः मुझे श्रीमित पी० ललवानी, श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रश्वात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- र० से

अ**धिक** है।

ग्रौर जिसकी सं० गट क० 712/4 है तथा जो वखारभाग सांगली में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मिरज-II में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक 25-5-1978को

प्वोंकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्यह प्रतिशन से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से किया तहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या धन्य ध्रास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर धींधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धींधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपानें में मुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त ध्रिधिनियम, की भ्रारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त प्रश्निनियम की भ्रारा 269-थ की उपभ्रारा (1) के ग्रधीन, निस्त्रजिक्त व्यक्तियों, शर्वात् :---

- 1. श्री कुष्णा बी० येमुमाली मिरज वखारभाग सांगली (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री वसंतराय रामचंद्र कोकटन्र (2) श्रीमिति एन० व्ही० कोकटन्र, मिरज (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वी≉त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उन्त सम्पत्ति के प्रार्थन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि नो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति क्षारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्क किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताजरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्होत्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घोर पदों हा, जो उक्त घडि-निमय के कहनाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

मिरज ता० सांगली में जमीन का टुकड़ा-आर० एस० 712/4, मिरज क० ता० सांगली 1 हेक्टर, 16-50,

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख ऋ० 365 दिनांक 25-5-78 को सब रजिस्ट्रार मिरज II के दफ्तर में लिखा है) ।

> श्रीमति पी० लल<mark>वानी</mark> सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 19-8-78

प्रकप माई । टी । एम । एस । ----

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज,

60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004 पूना-411004, दिनांक 19 श्रगस्त 1978

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली Π /एप्रिल 78/363/78-79---यतः मुझे, श्रीमति पी० ललवानी,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ध्रमके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है ध्रौर जिसकी संख्या फायनल प्लाट क्र० 401/ए है तथा जो शिवाजीनकर पूना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विश्वत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हवेली II में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक 17-4-1978 को

(1908 का 16) के श्रधीन, दिनाक 17-4-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्नह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उपत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ब) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर शिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः, म्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- 5-286GI/78

- 1. श्री शिवकुमार पोतदार पार्टनर ऑफ मिट्टन सर्वीस कार्पोरेशन 30, ग्रशोकनगर पूना-7 (ग्रन्सरक)
- 2 न्यू ग्रज्य को-भ्रापरेटिव हौसिंग सोसायटी लि० $401/\mathrm{v}$, सेनापित ह्यापट रोड, पूना 16 (श्रन्तरिती)

को यह <mark>सूव</mark>ना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त संपत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप: ---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर वर्षों का, जो उक्त श्रिधिनयम के भव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसुषी

जमीन श्रौर ऊपर का मकान :---फायनल प्लॉट क० 401/ए शिवाजीनगर पूना-16 ।

(जैसे की रजिस्ट्रीकृत विलेख कि 658 दिनांक 17-4-78 को सब-रजिस्ट्रार हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है) ।

श्रीमती पी० ललवानी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, पूना

दिनांक: 19-8-78

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०----

आयकर प्रशितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दामक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलोर-560001, दिनांक 16 अगस्त 1978

निर्वेश सं० सी० ग्रार० नं० 62/15063/78-79/ए० सी० क्यू०/बी—श्रतः मुझे, जे० एस० राव, श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार

मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० खाली साइट सं० 131 तथा जो बिन्न-मंगला लेश्रोट बंगलोर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर बेंगलूर दस्तावैज सं० 2751/ 77-78 में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 11-1-178

का 16) के अधीन विनांक 11-1-178
को पूर्विक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूख्य से कम के
वृष्यमाम प्रतिफल के लिए प्रस्तरित की गई है प्रौर
मुझं यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और मन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
ते उक्त मन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के मन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिष्ठित्यम, या धन-कर प्रधिनिथम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

धतः श्रव, उस्न अधिनियम की घारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की सपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :--- 1. श्री बिरोग डी० वीणस पुत्र मिस्टर बी० वी० घीगास सं० 11/14, एम० सी० नीकोलस छटपेट, मद्रास-600031 (ग्रन्सरक)

2. श्री (1) मिस्टर उसकार वाज पुत्र मिस्टर डी० वाज, (2) मिसघ सइन थिया स्टेला वाज परिन जो बाहरेन में रहते हैं श्रीर उनके श्रट्टारनी होलडर मिस्टर जारज डाकोसटा 31/1, एम० जी० रोड, बेंगलूर (श्रंतरिती)

को यह सूचना <mark>जारी करके पू</mark>र्वोक्त सम्पत्ति **हैके अर्जन के** लिए कार्यवा**हियां करता** हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो श्री श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के श्रीतर पूर्वाकत स्वितयों में से किसी स्विक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्ही करण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो सक्त श्रिधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2751/77-78 दिनांक 11-1-1978] खाली घर की जगह (साइट) सं० 131, बिन्नमंगला लेखीट, बेंगलूर

बौनडारीसः—

पूरब : खुली जगह । प० : साइट सं० 132 उ० : साइट सं० 123 धीर

द० : 30 रोड

जे० एस० रा**य,** सक्षम **ग्रधिकारी,** सहायक ग्रायकर ग्रामुक्स (निरीक्षण), श्रजैन रेंज, बंगलूर

दिनोक :16 ग्रगस्त 1978

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन, रेंज बेंगलूर

बंगलोर, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ग्रार० सं० 62/15073/78-79/ ए० सी० क्यू०/बी०-यत: मुझे जे० एस० राव, आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 41-ए हैं, तथा जो मैन रोड, VIII ब्लाक जयनगर, बंगलोर, में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में भ्रीर पूर्ण रूप से विणत हैं), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जयनगर में रजिस्ट्राकरग्र ग्रधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन दिनांक 6-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उभित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्तरह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से स्वत्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाग की बानत जक्त भाषि-नियम, के भ्रष्टीन कर देने के मन्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (अ) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर शिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त शिविनयम, या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः प्रयं, उक्तं अधिनियम की भारा 269-ग के अनुसरण भें भें, उक्त अधिनियम की भारा 269 म की उपचारा (1) के भ्रतीन निन्नतिचित अपितयों, धर्मात् :---

- 1. (1) श्री सी० होश्ननया पुत्र कलसी गौडा (2) हेच० जगन्नाथ पुत्र सी० होश्नय्या, नं० 118, राजमहल विलास एक्स्टनशना बंगलुर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित देवेंद्र कौर बिन्द्रा, पित्न जी० एस० बिन्द्रा, नं० 617, VII ब्लाक जयनगर, बंगलोर, (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के बजैन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सन्पत्ति के घर्जन के सन्वन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पक्कोक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पर्दो का, जो उक्त श्रिक्षितयम, के शब्दाय 20-क में यथा परिचाक्ति हैं, वही धर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

प्रनुसूची

[दस्सावेज सं० 2438/77-78 दिनांक 6-1-1978] काली निवेशन का नं० 41-ए, II मैन रोड, VIII ब्लाक, जयनगर, बंगलोर

बांध :

उ० : निवेशन 41

द॰ : 54/ए, पू॰ : 42

प० : रोड

जे० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलुर

विनांक: 7-9-78

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, बंगलूर,

बंगलूर दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० सी० झार० नं० 62/15493/78-79/ए० सी० वयू०/डी० --- श्रतः मुझे, जे० एस० राव, झायकर झिंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के झिंधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पन्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से झिंधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 80, 81, 82, 83, 84 श्रीर 5,6 है, तथा जो बिश्निमिल रोड, काटनपेठ, बंगलूर, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, गांधीनगर, में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक 23-1-1978

विनाक 23-1-1978
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्थ से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्थ उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत श्रीधक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों)
श्रीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्थ श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रतः प्रव, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के म्रनुसरण में, मैं, उक्त म्रधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के म्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, म्रार्थात्—

- 1. श्री जी० लकक्षमय्या नायडू, पुत्र स्व० गुरप्पा नायडू, सं० 52, हकीम श्रवदुल रेहमान स्ट्रीट, राजासिंग पेट, बंग-लर-2 (श्रन्तरक)
- (1) श्री मवनलाल जैन, पुत्र पी० मंगीलाल गोट-वाट (2) पिस्ता बाथ, पिंन राम मदन लाल जैन, सं० 209, गवीसुरम, मुट्टहल्ली, मैन रोड, बंगलूर,-19, (श्रंतरिती)
- श्री (1) बेंकंटराम उड्डुपा, (2) ग्रार० पृकराज,
 (3) डी० थेपालाल, (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त समात्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप~-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना को तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

हां हो करण '--इसम प्रयुक्त सन्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, यही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दहतावेज सं० 3129/77-78 दिनांक 23-1-78]— पुराना, 21, 22, 23, 24 स्रौर 25, नवा, 80, 81, 82, 83 स्रौर 84 स्रौर 5 स्रौर 6 बिभीमिल रोड, काटनपेट बंगलूर-53।

बांध :

पू०: पिल्लप्पाका

प० : लेन

उ० : मंनजीलाल।

दः : रोड

जे० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्नामुक्त (निरीक्षण), धर्जन रेंज, बंगलूर,

दिनांक: 7-9-78

प्रका आई० टी० एन० एस०----

श्रायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, बंगलूर बंगलौर, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० सी० श्रार० सं० 62/15851/78---79/ ए० सी० क्यू०/वी०--श्रत: मुझे, जे० एस० राव,

ग्रायकर ग्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० 37, 37/79, (नवां) है, तथा जो 20th मैंन, II ब्लाक, राजाजीनगर, बंगलौर, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, राजाजीनगर, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक 6 फरवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्राय कर श्रिधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भत: ग्रम, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त भ्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रधीत:—

- 1. श्री कं कृष्ण श्रय्यंगर पुत्र रामस्त्रामी श्रय्यांगर वा० $1521/\nabla$, H मैंन, राजाजीनगर बंगलूर (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमित विजयलक्ष्मी पत्नि बी० वी० उमाकात राव सं० 43/4, (स्टेज राजाजीनगर) प्रकाश नगर, IV क्रास, मैन, बंगलूर । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी ग्रन्थ ज्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यब्दीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 4089/7278 दिनांक 6-2-78] सी० ग्राय० टी० सी० सैट नं० 37 ग्रीर म्युनिसिपल नं० 37/79 20 मैन, 2 व्लाक, राजाजीनगर, बंगलौर बांध :

पू: निवेशन 46

प : रोड

उ: निवेशन 38

द: 361

जे० एस राध, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंअ, बंगलौर

दिनाक: 7-9-78

प्ररूप आई० टी० एन० एस•-----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, बंगलोर,

बंगलोर, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० सी० ग्रार० सं० 62/16145/78-79 ए सी क्यू०/बी--ग्रात:, मुझे, जे० एस० राव, ग्रायंकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन संभग प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रुपये से ग्रधिक हैं

रुपये से प्रधिक हैं

श्रीर जिसकी सं० 45, नवा 162/120 है, तथा जो सुदामा
नगर, II स्टेज, बंगलीर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध
धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, बसवनमुडी, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम
1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक 29-2-78
को पूर्वीकत सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
श्रितफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान श्रितफल से ऐसे दृश्यमान श्रितफल का पम्द्रह
श्रितशत श्रिष्ठक है भौर ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रीर ग्रन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया
श्रितफल, निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है।

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या अन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए:

ग्रतः शव, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-थ की उपधारा (1) के श्रिष्ठीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रिष्ठीत्:—

- 1. श्री रा० वेनुगोपाल नायडू, पुत्र रा० शंगम नायडु नं० 27, सुदाम नगर, बंगलोर, (ग्रन्तरक)
- श्री के० ग्रार मुगम पुत्र सारांपुस्वामी नं० 162/20 सुदाम नगर, बंगलोर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के ग्रज़ेंन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़ किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ---इतमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का जो उक्त श्रीधनियम के शब्याय 20-क में परिभाषित है, बही श्रयं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

(दस्तावेज सं० 2980/77-78 दिनांक 24-2-1978 । नं० 45, नवा नं 162/20 सुदाम नगर, II स्टेज, बंगलोर

बांध :

पू: नं० ६६ ।

प : रोड़।

उ : निवेशन 46। द : प्राक्षिट प्रापरटी।

> जे० एस० राव सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, बंगलोर,

दिनांक: 7-9-78

प्रकप आई. टी० एन० एस. -----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलोर

बंगलौर, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश सं० सी० भार० सं० 62/15199/78-79/ ए० सी ० क्यू०/बी ०--- ग्रतः मुझे जे० एस० राव, थायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43)(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के भधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है श्रौर जिसकी कारपोरेशन सं० 52/1, है, तथा जो चर्च स्ट्रीट, बंगलोर, में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शिवाजीनगर, बंगलोर दस्तावेज सं० रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 77-78 में का 16) के भ्रधीन दिनांक 21-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तरक (पन्तरकों)भौर मन्तरिती (मन्तरितियों) के भीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त थन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधित्यम, या धनकर भिधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भ्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में। मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के सबीन निम्निकिखित स्यक्तियों स्वीत्ः श्री ए० के० घ्रनस्त नारायन, पुत्र श्री ए० ऋष्णा-मूरती सं० 31, कववन रोड, सीविल स्टेशन, बंगलोर-1

(भ्रन्तरक)

2. श्री एन० पी० रावर, पुत्न बी० पी० रावर, सं० 11, चगमाराजू लैग्रीट, 8th ब्लाक जयानगर, बंगलोर-11 (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यक्ति के धर्जन के लिये कार्मेवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी सम्य क्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किसे जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:---इसमें प्रयुक्त कस्दों भौर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के भ्रष्ट्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

(दस्सावेज सं० 2852/77-78 दिनांक 21-1-78) कारपोरेशन सं० 52/1, चर्च स्ट्रीट, डिवीजन सं० 60,

वंगलीर ।

वॉण्डरीज :

पूर्वं : बुलूमून धियेटर पश्चिम : पलाजा थियेटर

उत्तर : बिलडिन्ग सं० 70/1

वक्षिण : बिलिंडिन्ग, सं० 52/2, चर्च स्ट्रीट

जे० एस० **राव,** सक्षम प्राधिकारी

सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन **र्य**ज्_य बंगलोर

दिनांक: 15-9-1978

प्रारूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के घ्रधीन सुषना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978 निवेश सं० सीएचडी/90/77-78—-ग्रतः मुझे नत्यू

राम भ्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिन्नियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-द० से भिक्षक है,

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 659 सेक्टर 8वी उसारी किया प्लाट नं० 184 है सथा जो गली के सैक्टर 8वी चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपावक श्रनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, विनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त अन्तरण लिखित में वास्त-

- (स) अन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रंधनियम, या भनकर ग्रंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः अब उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं उन्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिकित व्यक्तियों प्रचीत :— 1. श्री प्रकाश चन्द्र धूनार, वकील 659/8बी, चन्डीगढ़ (ग्रन्सरक)

2. डा॰ राज कुमार गुप्ता व डा॰ मिनाक्षी गुप्ता, 659, सैक्टर 8वी चन्डीगढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त संपत्ति के घर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की शविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की शविध, जो भी शविध
 बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संस्पत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रिक्षितमा के ग्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो, उस ग्रध्याय में दिया गया है।

स्रनुसूची

मकान नं० 659 सैक्टर 8बी, उसारी किया 184, गली के, सैक्टर, 8बी चन्डीगढ़।

(जायदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1134, जनवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० सी० एच० डी० 95/77—78— ग्रतः मुझे, नत्थू राम ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परधात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/•

रुपए से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1000 08 वर्ग गण है श्रीर जो नं 6-पी, गली के सैक्टर 19-डी, है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्या-लय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्यत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्यक्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है श्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक हम से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त नियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात:---6--286GI 78

- 1. श्रीमिति हरबंस कौर वासी, 126, सँक्टर 16ए, चन्डीगढ़। (श्रन्तरक)
- श्री विष्नू कुमार गुप्ता वासी 3002, सैक्टर 28-डी, चन्डीगढ़। (श्रन्सरिती)

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 1000.08 वर्ग गज है प्रौर जो गली के, सैक्टर 19-डी चन्डीगढ़ ।

(आयेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1167, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सज्ञमप्राधिकारी, सहायक घायकर ग्रामुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज,लुधियाना ।

दिनांक: 15 सितम्बर, 1978

प्रकप धाई० टी० एन० एस०----

ग्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज लुधियाना,

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर, 1978

राम भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रूपये से मधिक है अप्रीर जिसकी सं० मकान नं० 348, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ म स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध प्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है घौर मन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल. निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धिक्षित्यम के ध्रधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सृविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविक्षा के लिए;

अतः अब, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उक्त भिधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के भिधीन; निम्नलिखित व्यक्तियों मधीतः :---

- 1. श्री सोहन सिंह, पुत्र स्व० गुरदियाल सिंह, मकान नं० 348, सैक्टर, 20 ए चन्डीगढ़। (अन्तरक)
- 2. श्री श्रशोक कुमार सेठी पुत्र श्री ठाकुर दास सेठी पंजाब फाईनेंस कारपोरेशन, चन्डीगढ़ (सैक्टर 17वी) (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजम के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविधि, जो भी शविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त धिंअ-नियम के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं वही धर्ष होगा जो उस बच्चाय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

सकान नं० 348, सैक्टर 20-ए, चन्डीगढ़ (जायेदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1096, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15 सितम्बर, 1978

प्ररूप प्राई० टी॰ एत० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० सीएचडी/93/77-78-ग्रतः मुझे, नत्यू राम,

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृल्य 25,000/- रु० से अधिक है

श्रौर जिसका मकान नं० 1101 संक्टर 21 बी० चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसुची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, दिनांक जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिकल के लिए मन्तरित ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाखार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक (भ्रम्तरकों) मन्तरक मोर धन्सरिती (झन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निसिद्धत उद्देश्य से उस्त प्रम्तरण लिखत में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) घन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के घंधीन कर देने के घन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; घौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या मनकर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या वा किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए।

द्यतः प्रव उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, ये उक्त द्यितियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के बद्योन निम्निस्थित व्यक्तियों, प्रयोत्।—

- 1. श्री बाबू सिंह पुत्र श्री चूहर सिंह वासी गांव पक्की रुरकी, त० खरर रोपड़ (इस समय वासी मकान नं० 1101/21-बी चन्डीगढ़ व बूथ नं० 37/22 डी चन्डीगढ़) (अन्तरक)
- 2. श्री द्वारका वास विशष्ठ पुत श्री हुशन चन्द विशष्ठ वासी गांव व डाकखाना नूरपुर बेदी, जिला रोपड़ व श्री मोहिन्दर लाल पूरी, पुत्र तारा चन्द पूरी वासी ऊना जिला ऊना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की घवधि, जो भी घवधिबाद में समाप्त होसी हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छोकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रयं होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 1101/21-बी चन्छीगढ़। (जायेदाद जो कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी चन्छीगढ़ के कार्याक्षय के विलेख संख्या 1149, जनवरी, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर अभिनेयम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० सीएचडी/122/77—78—म्प्रतः मुझ नत्थ् राम,

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं मकान नं 153, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, दिनांक जनवरी/फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उक्षित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्मलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भिध-नियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर धिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269म के प्रतु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के ब्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, धर्यातः—

- श्री लभू राम पुत्र श्री बेली राम, 153, सैक्टर
 16-ए, चन्डीगढ़। (भ्रन्तरक)
- 2 सर्वश्री ग्रजीत कुमार शर्मा व श्रश्वनी कुमार शर्मा, मकान नं 153, सैंक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ । (श्रन्तरिती)
- अी वेद प्रकाश ढल, मकान नं० 153, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़। (वह व्यक्ति जिसके श्रिधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उन्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तस्तंबधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: ----इसमें प्रयुक्त गब्दों और पदों का, जो जक्त अधिनियम के ग्रह्माय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रश्यें होगा, जो उस ग्रह्माय में दिया गया है।

अनुसुची

मकान नं० 153, सैक्टर 16-ए, चन्डीगढ़ (जायेवाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1170, जनवरी/फरवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

दिनोक : 15 सितम्बर, 1978 मोहर : प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

म्रायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० सीएचडी०/92/77-78----ग्रतः, मुझे, नत्थू राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रधात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० मकान नं० 548, सैक्टर 18-बी, जन्डीगढ़ (फ्लाट नं० 51, गली एफ, सैक्टर 18-बी, चन्डीगढ़) है तथा जो चन्डीगढ़ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक जनवरी, 1978

(1908 का 16) के अधीन दिनाक जनवरा, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यणापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से प्रधिक है और घन्तरक (घन्तरकों) और घन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त घन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी बाय या किसी बन या अन्य अस्तियों की जिन्हों भारतीय भाय-कर भिष्टिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टिनियम, या धन-कर श्रिष्टिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

क्षत्। ग्रन, उन्त अधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, मैं, उन्त अधिनियम की घारा 269व की उपघारा (1) के अधीन; निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्।---

- 1. श्री उजागर सिंह, पुत्न श्री हुकम सिंह, विनय मुश-रूम फार्म हाऊस, कसौली। (धन्तरक)
- 2. सर्वंश्री बाल करिशन, रूलद किशोर, मेघ राज पुत्र कली राम, 548/18-बी, चन्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की सामीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्धोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनयम के भ्रष्टयाय 20क में परिभा-वित हैं, बही भ्रष्ट होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 548, सैक्टर 18-बी, चन्डीगढ़ (प्लाट नं० 51, गली एफ, सैक्टर 18-बी, चन्डीगढ़)

(जायवाद जोकि रजिस्टीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 1142, जनवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रोंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

प्रकृप भाई• टी• एन• एस०-

षायकर ग्रवितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

प्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांकः 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० एलडीएच०/102/77—-78—-श्रतः मुझे नस्थू राम

आयकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से शिषक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 11 मरले है तथा जो गांव हीरा, तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकर्राण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, दिनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान अतिफल के लिए भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तिरती (भन्तिरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण सिखित में वास्त- बिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रक्षि-नियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कसी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भग्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः ग्रंब, उक्त भिष्ठितियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के श्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत् :--

- श्री मोहन सिंह पुत्र श्री बख्तावर सिंह, वासी गांव हीरां, त० व जिला लुधियाना । (भ्रन्तरक)
- श्री श्रीपाल श्रोखाल पुत श्री रतन चन्द श्रोश्वाल, वासी कालज रोड, बी-19-534, सिविल लाईन, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीन्स संपत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि
 बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में
 हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
 के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्हीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियन के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा, जो उक्त अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 11 मरले है और जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5818, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रोंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269घ(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० एलडीएच०/161/77-78---यतः, मुझे, नस्थू राम

ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269--ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इपए से ग्रिधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कताल 12 मरले है तथा जो गांव हीरां जिला व तहसील लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधि-याना, में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त श्रिधितयम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती झारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:——

- 1. श्री रणजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना । (श्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री अवतार सिंह, गुरमीत सिंह, कुलदीप सिंह पुत्र मोहन सिंह गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यस्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 कनाल 12 मरले है ग्रीर जो गांव हीरां, जिला व तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6701, मार्च, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितस्बर 1978

प्रकप ग्राई० टी॰ एन० एस०--

न्नायकर प्रधिनियम, 1961 (1981का 43) की धारा 269 घ (1) के प्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, लुधिययना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1987

निदेश सं० एल डीएच०/145/77-78—अत:, मुझे, नत्यू राम

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मधिक है

श्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 12 मरले हैं तथा जो गांव हीरां, जिला व तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से ग्रधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के भ्रन्तरक के वाधिस्त्र में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हों भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना नाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः धव उक्त घिष्टानयम, की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उक्त घिष्टिनयम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अयस्तियों अर्थात् :--- 1. श्री रणजीत सिंह पुत्र दलीप सिंह, गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना। (श्रन्तरक)

2. सर्वश्री भ्रवतार सिंह, गुरमीत सिंह, कुलदीप सिंह पुत्र मोहन सिंह, गांव हींरां, तहसील व जिला लुधियाना। (भ्रनिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्थ व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरणः → ज्इसमें संयुक्त शम्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिष्ठिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित है, वहीं गर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 23 कनाल 12 मरले है श्रौर जो गांव हीरां, जिला व तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जोकि रिजस्ट्रीकर्ता, ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 6582, मार्च, 1978 में दर्ज है।)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रोंज लुधियाना

विनांक: 15 सिलम्बर 1978

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 सिसम्बर, 1978

निदेश सं० एलडीएच०/101/77-78---प्रतः मुझे नत्यु ---

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उन्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनार 16 मरले है तथा जो गांव हीरां, सहसील व जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपावब प्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तम पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रग्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ख की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भ्रथीत:---7---286GI/78

- 1. श्री भ्रमर सिंह पुत्र श्री भजन सिंह, गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वश्री धवतार सिंह गुरमीत सिंह, कुलदीप सिंह पुत्र मोहन सिंह गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>प्रर्जन के लिए</mark> कार्यवा**हि**यां करसा हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पटीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 16 मरले है घौर जो गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसाफि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5817, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज लुधियाना

दिनांक 15 सितम्बर, 1978 मोहर: प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०----

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269-ध(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ध्रजैन रेंज लुधियाना, लुधियाना दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० एनअरिए/38/77-78-म्रतः मुझे नत्यू राम

म्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से ग्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 बीघा है जो पिड राम सिंह जी है तथा जो भादसों, नाभा रोड, भादसों में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) और श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर वेने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:—

- 1. सर्वश्री चनन सिंह, छज्जू सिंह, चरन सिंह, शेर सिंह, चन्द सिंह व तारा सिंह पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह वासी गांव भादसों, तहसील नाभा, जिला पटियाला (अन्तरक)
- 2. मैंसर्स दशमेश राईस मिलज भावसों, तहसील नाभा, पारटनरों के द्वारा सर्वश्री मेघ सिंह, जगमेल सिंह, पुत्र परीतम सिंह, श्रीमित सुरजीत कौर पितन करतार सिंह, तरसेम सिंह, जीत सिंह, श्रमरीक सिंह, पुत्र बच्चन सिंह, गांव सरखेरी कलां व दलीप सिंह, मोहिन्दर सिंह पुत्र छज्जू सिंह वासी गांव समवेली, तहसील नाभा। (श्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं

उक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीसर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी अन्य व्यक्ति ब्रारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 11 बीधा है श्रौर जो गांव राम सिंह नौ भादवों, तहसील नाभा में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1825, अनवरी, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्भू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भजन रेंज लुक्षियाना,

विनांक: 15 सिलम्बर 1978

प्ररूप माई० टी० एस० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश संख्या एन०बी०ए०/41/77-78--म्प्रतः मुझे नत्थू राम,

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्डात् 'उक्त भिद्यिनियम' कहा गया है), की धारा 269क्ख के भिद्यीन सक्षम प्राधिकारी को यह विण्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र∙ से मिधिक है

भीर जिसकी संख्या दो दुकानें कुल प्लाट 72. 2/3 वर्ग गज है तथा जो नाभा में स्थित है (भीर इससे उपाबद अनुसूची में भीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्याक्षय, नाभा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्छ प्रतिशत से प्रक्षिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक क्ष्म से कथित नहीं किया गया है:—-

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत 'उक्त प्रिमियम' के भ्रिमीन कर देने के भ्रत्सरक के वायित्व में कमी करने या उभ्रसे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ण) ऐसी किसी आय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जामा चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः भव, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-म के धन्तरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री जगराज सिंह पुत्र श्री जसमेर सिंह पुत्र राम सिंह, वासी मोइल्ला पुरानी नाशी, जिला पटियाला। (धन्तरक)
- 2. श्री रणसिंह पुत्र दरवारा सिंहां पुत्र मीहां सिंह, गांव डंडराला किंडसा, तहसील नाभा । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्राज़न के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पक्ति में हितबक्ष किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिन में किये जा सकोंगे।

स्पद्धीकरण :---इसमें प्रयुक्त गर्क्से पौरासें का, जो 'उक्त श्रक्षितियम' के श्रक्ष्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस श्रक्ष्याय में स्थि। गया है।

अनुसूची

दो दुकानें कुल प्लाट 72.2/3 वर्ग गज है घ्रौर जो नाभा में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1867, जनवरी, 1978 में दर्ज है।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रुजैन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 15 सितम्बर, 1978

प्ररूप भाई। टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निवेश संख्या एन०बी०ए०/40/77—78-श्रतः मुझे नत्थू राम,

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाआर मूल्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है,

और जिसकी संख्या तीन दुकानें 8' × 24.1/2 कुल 102.1/3 वर्ग गज है तथा जो नाभा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची है भीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नाभा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन दिनांक जनवरी, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यशपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रन्तरिक (भन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि विश्वत से यास्तिक स्प के किथा नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिक्ष-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रथ्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः प्रव, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त मधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्मिनियत व्यन्तियों, प्रयात् :—

- 1. भी जगराज सिंह पुत्र जसमेर सिंह पुत्र राम, सिंह वासी मोहला पुरानी नाभी, नाभा, जिला पटियाला । (धन्तरक)
- 2. श्री रणजीत सिंह पुत्र दरवारा सिंह पुत्र मिहां, सिंह, गांव डंडराला ढिंडला, तहसील नाभा। (म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उनत सम्पत्ति के प्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रश्रोहस्तान्तरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ठीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रर्थ होगा जो उस प्रध्याय में विया गमा है।

अनुसूची

तीन दुकानें $8' \times 24$. 1/2 कुल 102. 1/3 वर्ग गज है भौर जो नाभा में स्थित है ।

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी, नाभा के कार्यालय के विलेख संख्या 1866, जनवरी, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज लुधियाना।

दिनोक: 15 सितम्ब 1978

प्रारूप माई० टी० एम० एस०--

प्रायक्षर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालयं, सहायक भायकर भायक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० ग्रारकेटी०/14/77-78---ग्रतः, मुझे, नत्यू राम

आयंकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-का के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं॰ भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है तथा जो रायकोट में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, रायकोट में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन विनांक फरवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशक्त से प्रधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर (अन्तरिती) (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है ——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत, उनस भिर्मियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी बन या भ्रम्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः घष, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थीत्:--

- श्री गुरबक्श सिंह पुत्र श्री चनन सिंह, बासी रायकोट। (भ्रत्यरक)
- 2. मैसर्स ग्रगरवाल राईस व जनरल मिल्सज, रायकोट, जिला लुधियाना (भन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी घाओप :→→

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 विम की घवित्र या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवित्र, जो भी घवित्र बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारी खंसे 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिताबद्ध किसी भ्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्वेगे।

स्पव्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पर्वो का, जो उक्त ग्रिश्व नियम, के ग्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही ग्रथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है और जो रायकोट में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी, रायकोट के कार्यालय के विलेख संख्या 1616, फरवरी, 1978 में वर्ज है ।)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०---

भागकर ग्राधानयम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष(1) के ग्रधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर धायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 15 सितम्बर 1978

निवेश सं० आर०के० टी०/12/77—78—अतः मुझे नत्थू राम,

सहायक आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- रु० से अधिक है

भीर जिसकी सं ० भूमि जिसका क्षेत्रफल 18 कनाल है तथा जो रायेकोट में स्थित है (और इससे उपाबक अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रायेकोट में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक जनवरी,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दूश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दूश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घांधक है और घन्तरक (धन्तरकों) और धन्तरिती (घन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के जिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिकत उद्देश्य से उक्त धन्तरण जिखात में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त भिन्न-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झम्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः ग्रन, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के भनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री तेजा सिंह पुत्र श्री चनन सिंह, बासी रायेकोट। (भन्तरक)
- 2. मैंसर्स अगरवाल राईस व जनरल मिल्ज, रायेकोट, जिला लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनता संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी धन्य क्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वही मर्थ होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुषूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 16 कनाल है ग्रौर जो रायेकोट में स्थित है।

(जायेदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, रायेकोट के कार्यलय के विलेख संख्या 1564, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियानाः

दिनांक : 15 सितम्बर 1978

प्रस्प आई० टी० एन० एस०———— आयकर भिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के भ्रधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर आयुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निवेश सं० बीडब्ल्यू-एन०/19/77-78---श्रतः, मुझे, नत्थू राम प्रायकर **मधिनियम,** 1961 (1961 (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूरूय 25,000/- रुपये से धिषक है श्रीर जिसकी सं० कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 बिघा 18 विसवा है तथा जो गांव कपीयाल, तहसील भवानीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद भ्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, भवानीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन दिनांक जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विक्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमाम प्रतिफल का पन्क्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर ब्रस्तरक (ब्रस्तरकों) भौर ब्रस्तरिती (ब्रस्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त ग्रिश्चित्रम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर श्रिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्टित्यम या धन-कर श्रिष्टित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में भित्रधा के लिए;

ग्रतः भ्राव, उक्त श्रिधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग की उप-धारा (ा) के अधीन, निम्नलिखित ≉्यक्तियों, ग्र्यास् :—

- श्री सुभाष कुमार पुत्र फकीर चन्द, वासी भवानीगढ़,
 जिला संगरूर। (धन्तरक)
- 2. सर्वश्री सुरजीत सिंह, दलजीत सिंह व अजमेर सिंह पुत्र श्रमर सिंह, गांव कपीयाल, तहसील भवानीगढ़, जिला संगरूर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवित, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति कारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
 में हितवब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त आधि-नियम के भड़याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भड़याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 35 विषा 18 विश्वात है भीर जो गांव कपीयाल, त० भवानीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, भवानीगढ़ के कार्या-लय के विलेख संख्या 39, जनवरी, 1978 में दर्ज हैं)

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी [सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) ृभर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

राम

प्ररूप घाई० टी० एन० एस०

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना
भारत सरकार

n (n

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978 निवेश सं० एएमएल०/22/77-78---श्रतः, मुझे, नत्थू

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुप से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल है तथा जो गांव गलवदी, सहसील भ्रमलोह, में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध भ्रमुस्था में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, श्रमलोह में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 15) के ग्रधीन, दिनांक जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्मिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भधीन कर देने के श्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी घन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के ग्राधीम निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयोग् :---

- 1. श्रीमिति जोगिन्दर कौर पुत्री शेर श्रमीर सिंह, वासी गांव गलवदी, स० तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला, (नजदीक खन्ना)। (श्रन्तरक)
- 2. मैसर्स गुप्ता राईस मिल्ज, गलवदी द्वारा श्री रामचन्द्र पुत्र श्री वार राम, वासी खन्ना मारफत मैसर्ज शाम लाल, वारदाना मरचैन्टस, बस स्टैंड, जी० टी० रोड, खन्ना, जिला लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के फ्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

पण्टीकरण: - इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भ्रथं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 15 कनाल है श्रीर जो गांव गलबदी स॰ तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, श्रमलोह के कार्या-लय के विलेख संख्या 1272, जनवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थ् राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक : 15 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस० -

मायकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० एएमएल०/23/77-78—प्रतः, मुझे, नत्थु राम श्रायकर श्रिधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधक है

श्रीर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव गलबदी सं तहसील श्रमलोह, जिला पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से विणत है)रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमलोह में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, टारीख जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर√या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों श्रथित:---8--286GI/78

- श्रीमती जोगिन्दर कौर पुत्नी शेर ध्रमीर सिंह, वासी गांव गलवदी, नजदीक खन्ना, तहसील ध्रमलोह, जिला पटियाला। (ध्रन्तरक)
- मैसर्ज गुप्ता राईस मिल्ज, गलवदी, मारफत मैसर्ज शाम लाल, वारवाना मरचैन्टस, बस स्टेन्ड, जी०टी० रोड़, खन्ना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सप्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी ध्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत
 ध्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है:

अभुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 13 कनाल 18 मरले है भौर जो गांव गलवदी, स० तहसील श्रमलोह में स्थित है।

(जायवाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, श्रमलोह के कार्यालय के विलेख संख्या 1307, जनवरी 1978 में दर्ज है)

> नत्थु राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रोज, सुधियाना

तारीखः 15-9-78

मोहरः

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

श्रीर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कनाल 7 मरले हैं तथा जो मंगट एच व कि 64, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूह्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृष्ते यह विश्वास करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूह्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) श्रीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तरिक कप से किया नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त श्रीवित्यम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपामें में सुविधा के लिए;

ग्रतः भ्रव, उक्त भ्रष्टिनियम की घारा 269-ग के भ्रनुसरण में, में, उक्त श्रष्टिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, जर्यात्:--

- 1. श्रीमित हरनाम कौर विधवा श्री करतार सिंह, वासी मंगट, तहसील लुधियाना। (श्रन्तरक)
- 2. श्री ज्ञान सिंह पुत्र बन्ता सिंह वासी गांव मोरांवाली, तहसील गढ़शंकर, जिला होशियारपुर । मारफत ग्रमर सिंह होशियारपुरीया, मंगट, (लुधियाना) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत क्यक्तियों में से किसी ध्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम, के ध्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, जो उस ध्रष्टयाय में दिया ृगया है।

अभुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 47 कनाल 7 मरले है श्रौर जो कि गांव मंगट, एच० बी० 64, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3402, जनवरी, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थु राम सक्षम प्राधिकारी सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्ज रेंज, लुधियाना

दिनांक: 15 सितम्बर 1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०--

ग्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० एसएमएल/43/77-78—ग्रतः, मुझे, नत्थुराम ग्रायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रंधिनियम' कहा गया है) की घारा 269—ख के ग्रंधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रंधिक है।

श्रीर जिसकी सं० एम० बिला, सर्कुलर रोड़, नजबीक सैक्टरीएट, छोटा शिमला-2 है तथा जो छोटा शिमला-2 में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता ध्रिधकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण ध्रिधिनयम,

1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख मार्च, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूरयमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) प्रौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; श्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धनकर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

भ्रतः भ्रब, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त भ्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रथीतः—

- श्रीमती इन्दराजबित गुप्ता विधवा स्व० श्री राम स्वरूप वासी 235, सैन्टरल रोड़, मेरट कैंट। (श्रन्तरक)
- 2. श्री भ्रोम प्रकाश लखनपाल पुत्र जगत राम, श्री सुरिन्द कुमार लखनपाल पुत्र श्री भ्रोम प्रकाश, डा० सुदेश परः डा० सुरिन्दरकुमार लखनपाल व श्री नरेशकुमार लखनपाल पुत्र श्री ग्रोम प्रकाश, वासी 102, लोग्नर बाजार, शिमला । (भ्रन्तरिती)
- (1) सर्वश्री भगवन्त सिंह, (2) पी० सी० गुप्ता, (3) गौतम (4) मैनन, (5) सुभाष महाजन, (6) चौहान, (7) सन्त राम-I, (8) रमेश, (9) सन्त राम-II (10) सतोख सिंह, (11) श्रोम प्रकाश, (12) देन राज, (13) भगत सिंह, (14) राम लोक व (15) शर्मा, एम बिला, सर्कुलर रोड, नजदीक सैक्टरीएट, शिमला-2 (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिभिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सरीख से
 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी
 श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब इ
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पटिशासरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्स अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

के विलेख संख्या 119, मार्च 1978 में दर्ज है)

एम० बिला, सर्कुलर रोड नजबीक सैक्टरीएट, छोटा शिमला-2. (जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, शिमला के कार्यालय

> नत्थु राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज,. लुधियाना

तारीख: 15-9-78

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर ग्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269क (1) के ग्रजीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरोक्षण)

म्रर्जन रेंज लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० एसएमएल/44/77-78—अतः मुझे नत्यू राम भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के भीधीन सक्षम श्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-र के से भीधिक है

स्रोरं जिसकी संख्या स्वघ्या श्राश्रम का बेसमैंट है तथा जो कि टेवलट हाउस शिमला-1 में स्थित है (श्रोर इससे उपाबब धनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकत श्रधिकारी के कार्यालय, शिमला-1 में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख मार्च, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उधित याजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमाम प्रतिफल का पद्धह से प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरितों (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी ध्राय की बाबत उक्त अधि-नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (■) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गर्था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुक् सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रश्नीत्:——

- 1. स्वामी प्राव्याना नंद सरस्वती (भ्रन्तरक) स्वध्या धाश्रम निवासी टेलवट हाउस, शिमला एस्टेट-I
- श्रीमती नंदनी चन्दरा पत्नी (भ्रन्तरिती)
 श्री शील चन्दर
 निवासी डी-102, डिफैंस कालोनी, न्यू दिल्ली ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त संपत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 4.5 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की सामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्ति में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत अधिनियम के धाइयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस धाइयाय में दिया गया है।

अनुसूची

स्वाध्या श्राश्रम का बेसमैंट जो कि टेलवट हाउस शिमला में स्थित है।

(जायवाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी शिमला के कार्यालय के विलेख नं० 123 मार्च 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधिया?,

तारीख: 15 सितम्बर 1978

प्ररूप भाई०टी० एन० एस०⊶→ भ्रायकर भश्चिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भश्चीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निदेश सं० एलडीएच/ब्रार/176/77-78---ब्रतः मुझे नत्थु राम,

सहायक ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खंके अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/-रु० से अधिक है

श्रीर जिसकी सं भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 कनाल 13 मरले है तथा जो गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन दिनांक जनवरी 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान पितफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत घष्टिक है भीर मन्तरित (ग्रन्तरकों) भीर मन्तरित (ग्रन्तरितयों) के बीच ऐसे मन्तरिण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वक्ते में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरितो द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रम, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनु-मरण में, में, उन्त मिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रधीन निम्निलिखित व्यक्तियों, ग्रमीत्:--

- 1. श्री मोहन सिंह पुत्र श्री बखतावर सिंह वासी गांव हीरां तहसील लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री श्रीपाल पुत्र श्री रत्नचन्द, 534, बी-19 कालज रोड़, सीविल लाइन, लुधियाना । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रर्थन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के बर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त शिर्ध-नियम के श्रध्याय 20क में परिभाषित हैं, वहीं शर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 19 कनाल 13 मरले हैं श्रीर जोिक गांव हीरां, तहसील लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5686, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

नत्थु राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्रर्जन रेंज, लुधियाना ।

तारीख: 19 सितम्बर 1978

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर <mark>ग्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 19 सितम्बर 1978

निर्देश सं० श्रार एल० डी० एच० /177/77-78—श्रतः मुझे नत्यू राम, सह।यक प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- उपए से श्रिधिक है श्रीर जिसकी सं० भीम जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले

25,000/- प्रिप् स आधक ह

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले
है तथा जो गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है
(ग्रीर इससे उपावद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है),
रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण
ग्रिधिनयम1908(1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी, 1978
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से ग्रिधिक है ग्रीर यह कि ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों)
ग्रीर अन्तरितो (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्य श्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

श्रतः भ्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-श की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रथीत :---

 श्री मोहन सिंह पुत्र श्री बखतावर सिंह वासी गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना।

(श्रन्तरक)

2. श्री श्रीमाल पुत्र श्री रत्न चन्द, 534, बी०-19, कालज रोड, सीविल लाइन, लुधियाना।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा।
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण :—-इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूचो

भूमि जिसका क्षेत्रफल 28 कनाल 10 मरले है श्रीर जो गांव हीरां, तहसील व जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायदाद जोकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 5748, जनवरी, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीखा: 19 सितम्बर 1978

प्रकर माई० टी० एन० एस०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा [269 घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंग, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश सं० एसएनएम/47/77-78---श्रतः मुझे, नत्थु राम श्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ज के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्० से अधिक **है** ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 74 कनाल 18 मरले है तथा जो गांव गोविन्दगढ़ जजीयां, तहसील सुनाम में स्थित है (भ्रौर इससे उपाधद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सुनाम में, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन, तारीख जनवरी, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उविज्ञ बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकत के पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में

(क) सन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भिक्षित्यम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या

बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य धास्तियों को जिम्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त धिधिनयम की धारा 269-ग के प्रमुसरण मे, मैं, उक्त धिधिनयम की धारा 269-भ की उपद्वारा (1) के अधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, अर्थात:—— श्री हजुरा सिंह पुल मेगल सिंह वासी गांव गोविन्दगढ़ जजीयां, तहसील सुनाम।

(ग्रन्तरक)

 श्री बलदेव सिंह पुत्र श्री भ्रजन सिंह, गांव लदाल, सहसील सुनाम।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त तस्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे ।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों हा, जो उन्त अधिक नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्म होगा जो उस मध्याय में विया गथा है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 74 कनाल 18 मरले और जो गांव गोविन्द गढ़ जजीयां, तहसील सुनाम में स्थित है।

(जायदाद जैसाकि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, सुनाम के कार्यालय के विलेख संख्या 19, जनवरी, 1978 में दर्ज हैं)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) भर्जन रेंज, लुधियान

तारीख: 15 सितम्बर 1978

प्रकप माई • टी • एन • एस • ---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के घ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 111-272/म्रर्जन/78-79/--- म्रतः मुझे, एम० एन० तिवारी

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए में प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं० खात सं० 18, हो० सं० 3 एवं 4 तथा सर्किल सं० ए० है, तथा जो खासमहल, किला के ग्रन्बर, जिला मुंगेर में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-1-1978

को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्छह प्रतिशत प्रधिक है भीर अन्तरक (मन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बाह्तविक स्प से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) श्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के घधीम कर देने के शन्तरक के वायिस्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, खिपाने में मुखिधा के लिए;

मतः धव उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) निम्नलिखित व्यक्तियों, के अधीन प्रथति :--- (1) श्री राजा कमला रंजन, राय, 1/2 हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

 बिहार योग विद्यालय, लाल दरवाजा, जिला मुंगेर। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यजाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की मनिष्ठ या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की मनिष्ठ, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितसब किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जो सकेंगे।

शाब्दीकरणः--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिध-नियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बही भ्रथ होगा, जो उस प्रध्याय में विया गया है।

अनुसूची

जमीन का रकवा 7 बीघा 10 कट्ढा, 6 धुर मय मकान जो खासमहल किला के ग्रंबर, जिला मुंगेर में स्थित है, जिसका खाता सं० 90, होल्डींग सं० 3 ग्रौर 4 तथा सकिल सं० ए है जो पूर्ण रूप से दस्तावेज सं० 1 382 दिनांक 27 जनवरी 1978।

एम० एन० तिवारी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन परिक्षेत्र, पटना

तारीख: 7-9-1978।

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

थारा 269घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

भ्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार

पटना, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निदश सं० III-273/म्रर्जन/78-79/—म्रतः सुझे, एम० एन० तिवारी

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के घषीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूण्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी खाता सं० 16 हो ० सं० 3 एवं 4, एवं सिकल सं०-ए० है, तथा जो खास महल किला के अन्दर जिला मुंगेर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 22-1-78

पूर्वोक्त सम्प्रित के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसा भाग या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अभिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये।

भतः, प्रव, उनतं प्रधिनियमं की धारा 269गं के धनुसरणं में, में, उनतं प्रधिनियम, की घारा 269यं की उपधारा (1) के प्रजीन, निम्नसिधित व्यक्तियों सर्वात्:--- (1) श्री राजा कमला रंजन राय, 1/2, हरीश मुखर्जी रोड, कलकत्ता।

(ग्रन्तरक)

(2) बिहार योग विद्यालय, लाल दरवाजा, जिला मुंगेर।

(अन्तरिती)

को यह युवना जारो करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी मासीप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्थं बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पाळीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों मीर पर्दों का, जो उक्त भिविषम के भव्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्य होगा, जो उस भव्याय में दिया गंवा है।

ब्रनुसूची

जमीन का रकबा 7 बीघा, 13 कट्ढा, 6 धुर मय मकान जो खास महल किला के ग्रन्दर, जिला मुंगेर में स्थित है श्रीर जिसका खाता नं० 16, होल्डीग नं० 3 एवं 4 ग्रौर सर्किल नं० ए० है, जो दस्तावेज संख्या-I 351 दिनांक 25-1-1978 में पूर्ण रूप से वर्णित है।

> एम० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी सहायक घ्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना

तारीख: 7-9-78

प्रकृष माई० टी । एन । एस । ----

धायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना पटना, दिनांक 7 सितम्बर 1978

निर्देश सं०-III 274/श्रर्जन—श्रतः मुझे एम० एन० तिवारी भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूहण 25,000/- ६० से अधिक है

जिसकी खाता सं० 16 हो० सं० 5 एवं 6 एवं सिकल सं० ए० है, तथा जो खासमहल किला के श्रंदर मुंगेर में स्थित हैं (श्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत हैं), है जिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रशीन तारीख 30-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित न किया हों गया है :--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के ग्रायित्व में कमी करने या स्रससे बचने में सुविधा के लिए, भीर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिनी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, मैं, 'उक्त भिधिनयम' की धारा 269-ध की उपधारा (1) के अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों ग्रर्थात :—

- (1) श्री राजा कमला रंजन राय, 1/2, हरीण मुखर्जी रोड, कलकता।
 - (भ्रन्तरक)
- (2) बिहार योग विद्यालय लाल दरवाजा, जिला मुंगेर।

(म्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्मन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जास केंगे।

स्वव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त गन्दों घीर पर्दों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

जमीन का रक्षवा 7 बीघा, 8 कढां, 1 धुर मय मकान, जो खासमहल किला के ग्रन्दर जिला मुंगेर में स्थित है तथा जिसका खाता नं० 16, होल्डींग नं० 5 एवं 6 तथा सिकल नं० ए० हैं, जो पूर्ण रूप से दस्तावेज संख्या I 426 दिनांक 30-1-1978 में विणित है।

> एम० एन० तिवारी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण,) श्रर्जद परिक्षेत्र,बिहार,पटना

तारीख: 7-9-78

प्रकप भाई • टी • एन • एस • --

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर धायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन परिक्षेत्र, पटना

पटना, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 111-275/ग्रर्जन/78-79/583—-श्रतः मुझे, एम० एन० तिवारी आयकर मिश्रिमियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चास् 'उक्त मिश्रिमियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से मिश्रक है,

ग्रीर जिसकी सं० 237, हो० न० 262 (नया) 243 (पुराना) वार्ड नं० 5 है, तथा जो मौजे लखारी, जिला गिरीडीह में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कलकत्ता में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 27-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई
है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से किया नहीं किया गया
है।—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी घाम या किसी घन या घन्य प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय घायकर घिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिष्ठित्यम, या घन-कर घिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

गत, ग्रब, उक्त ग्रिश्वितयम की धारा 269 ग के भनुसरण में में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा, (1) के ग्रिधीन निम्नमिक्त व्यक्तियों, ग्रथित् :--

- (1) मसर्स जकारिया उस्मान एण्ड कम्पनी, 4, राजमोहन स्ट्रीट, कलकत्ता-1। श्रंतरक फर्म के भागीदार हैं:
 - (i) भन्दुल मजीज मयूब
 - (ii) श्री यूसुफ भयूब
 - (iii) सेवा श्रमीना बाई हाजी श्रहमद
 - (iv) नूर मोहम्मद।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुलेश्वरी देवी, जौजे श्री गोवर्धन लाल, श्रीमती ध्रहिल्या देवी, जौजे श्री शिवशंकर लाल, सा० बरगंडा जिला गिरीडीह।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धन्निया सा सत्सवंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धन्निय, जो भी धन्निय बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पत्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिम्नियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस भध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

अमीन का रक्तबा 3 बीघा मकान सहित है, जो मौजा लखारी, जिला गिरीडीह में स्थित है श्रीर जिसका प्लाट नं० 237, थाना नं० 101, होल्डींग नं० 262 (नया), 243, (पुराना), तौजी नं० 15/11 एवं वार्ड नं० 5 है श्रीर जो दस्तावेज संख्या I-399 विनांक 27-1-78 में विणित है।

> एम० एन० तियारी सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन परिक्षेत्र, बिहार, पटना।

तारीख: 18-9-78

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

यायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा

269 घ (1) के ग्रधीन सूचका

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 12 सितम्बर, 1978

निदेश सं० 137/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

आयकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से भिधिक है,

श्रौर जिसकी सं० मलगी नं० 12-एस० डी० है, जो सिकन्त्रावाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्रा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख जनवरी 78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिये भन्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रष्ट प्रतिशत से प्रधिक है और भन्तरिक (भन्तरिकों) भीर भन्तिरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त भन्तरण बिखित में वास्तिविक अप से कियत नहीं किया गया है।——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उकत ग्रधि-नियम के भ्रधीन कर हैने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (था) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रम, उक्त प्रश्निनियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के प्रश्नीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, सर्वात्:—

- (1) मैसर्स युनाइटिङ श्विलंडर्स, जिसका मैनेजिंगभागीदार श्री सुनहरमल श्रीर दूसरे घर नं० 21-2-772 पटेल मार्किट हैदराबाद (श्वन्तरक)
- (2) श्री ए ग्रारीफ बेग घर-1-7-69-एस०-डी० रास्ता सिकन्द्राबाद (ग्रन्तरिती)

को यह सूबता जारी करके पूर्वीक्त सस्पत्ति के बर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षपः⊸-

- (क) इस सूचना के राजपन्न म प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविधिया तासम्बन्धी अथिकतयों पर सूचना को तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त अथिकतयों में से किसी अपिनत द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उनत स्थावर सम्पत्ति में दितबढ़ किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोद्दस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्किरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीधिनियम, के ग्रड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा, जो उस ग्रड्याय में वियागया है।

अनुसूची

मलगी नं 12-जरीका का मुनिसीपल ने 1-7-27 ता 34, श्रीर 1-7-206 ता 228 महतसा मानदी रास्ता सिकन्द्रा- बाद, रिजस्ट्री दस्तावेज नं 175-78 उपरिजस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम ग्रिधकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-9-1978

मोहरः

प्रकर भाई० टी• एन० एस०--

ग्नायकर ग्रिविनयम, 1961 (1961 का 43) की आरा 269-व(1) के ग्रिवीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदारबाद

हैदराबाद, तारीख 12-9-1978

निदेश सं०-138/78-79---यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द∙ से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी सं शफ नं -9 एस । डी । रास्ता है, जो सिकन्द्राबाद में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबन्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, सिकन्दराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन जनवरी, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है भौर यह ग्रन्तरक (श्रन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्तर अन्तरण लिखित में बाश्तिक कप से कमित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी प्रायंकी बाबत उक्त प्रिष्ठितयम के प्रधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव उदत ग्रिविनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त ग्रिविनियम, की ग्रारा 269-च की उपद्यारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तिकों, ग्रयीत्:—

- मैसर्स युनाइटिड बिरलवर्स जिसका पार्टनर श्री सुनहरमल श्रीर दूसरे घर नं 21-2-7-72 पटेल मारकीट सिकन्दराबाद (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्री एस० बप्पा राव (2) एस० सुब्बा राव 7-2-157 श्रशोक नगर, सिकन्द्राबाद (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की सारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों क्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रम्नोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किये जा सकेंगे।

ह्पच्छीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो छक्त भिक्षितियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसू ची

मलगी नं० 9 घर ने 1-7-27 ता० 34 श्रौर 1-7-206 ता० 228, महतमारादी रास्ता सिकन्द्राबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 233/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

कें० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदरावाद

तारीख: 12-9-1978

प्ररूप आई० टी० एन∙ एस∙—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, तारीख 12-9-1978

निदेश सं० 139/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/— ६० से मधिक है

श्रौर जिसकी सं खुली जमीन 7-11-1079/7 है, जो मीरघी कम्पाउण्ड निजामाबाद में स्थित है, (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनु-सूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधि-कारी के कार्यालय, निजामाबाद, में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 3-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह्
प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण में लिखित
वास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रम्तरण से हुई किसी ग्राम की बासत उनत श्राष्ट्रिनियम के ग्रभीन कर देने के ग्रम्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के निए। और या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

बत: प्रव, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपवारा (1) के अवीन, विकासिकित व्यक्तियों, अर्थात् :--

- (1) श्री पैतर रमेश पिता की वारिश घर नं० 7-9-833/3 देवीरास्ता निजामाबाद (म्रन्तरक)
- (2) श्रीमती पद्मावती बाई पती-जैराम चाई घर नं०-6-20-52 मुरबा श्राबादी रास्ता नैजामाबाद (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की घविध या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी
 घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख स 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितखद्ध किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पट्टोकरण :--इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिवित्यम के श्रद्ध्याय 20क में यथा-परिभाषित है, बड़ी अर्थ होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुनुषी

कुली जमीन मु० ने-7-11-1079/7 लाल लखपति राय गनज के पीछे हैं (मिरखी कम्पाउण्ड) निजामाबाद-रिजस्ट्री दस्तावेज में 14/78 उप रिजस्ट्रार कार्यालय नैजामाबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 12-9-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन • एस० ——— आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

निर्देश सं० नं० 140/78-79---यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन वायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से ग्रधिक है भीर जिसकी सं० 4-5-303 भीर 3/2 है, जो सूलतान बाजार में स्थित है (श्रीर इससे उपावद्व श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदरा-बाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 6-1-1978 को पुर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त संपत्ति का उचित बाजार मुख्य, उसके बुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बुश्यमान प्रतिफल का पनद्रह प्रतिशत भिधक है और भन्तरक (मन्तरकों) भीर मन्तरिती (भन्तरि-तियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से क्रियत नहीं किया गया है।---

- (क) अन्तरण से हुई िकसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिख में कमी करने मा उससे बचने में सुविधा के लिए; और/मा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त अधिनियम की चारा 269-ग के मनुसरण में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-च की उपधारा(1) के अदिनिम्नलिखित व्यक्तियों, भर्यात्:— (1) श्री सँयद जलालीद्दीन सँयहमद घर नं० 4-5-303घ्रीर 3/2 सुलतानवजार—हैदराबाद।

(ग्रन्तरक)

- (2) (1) दी बालराम
- (2) श्री टी० प्रकाश घर नं० 6-1-277/9 वाकरटौन सीकीन्द्राबाद।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्तिके अर्जनके संबंध में कोई भी आक्षोप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीसर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
 किसी भ्रान्य व्यक्ति द्वारा भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखिल
 में किए जा सकेंगे।

स्वस्तीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रष्टयाय 20-क यथा परिभाषित हैं, वही मधं होगा जो उस भ्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसू ची

तीन मंजिल घर नं० 4-5-303 श्रीर 312 सुलतान बाजार हैक्राबाद में है रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3740/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैंदराबाद में ।

> के० एस० वेंकटनरामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 13-9-1978

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 13 सितम्बर 1978

आयकर ग्राधिनियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्राधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० प्लाटनं० 9 घर नं० 3-5-874 है, जो हैदरा-बाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 23-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृश्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिश्रंत प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित्ती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कचित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उनक अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायिस्त में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या धाय प्रास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रब, उनतं ग्रधिनियम, की धारा 269-ग के भन्-सरण में, में, उकतं ग्रिविनयम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के बाधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः-- (1) श्री महबीर परणाद घर नं० 8-2-626/6 रास्ता नं० 1 बनजारा हीलस हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री वी॰ नारायन रेड्डी पिता बी॰ मादम रेड्डी जमीनदार सैहाबाद हैदराबाद।

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के ग्रजंत के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 अवधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितंबद्ध
 किसी ग्रम्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्कीकरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त धिनिवम, के भव्याय 20क में परिभाषित हैं बही भवं होगा ओ उस धन्याय में विया गया है।

घनुसूची

खुली जमीन प्लाट नं० 9 जमीन नं० 3-5-874/ हैदरगुडा—हैदराबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 241/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन {सक्षम श्रधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

सारीख: 13-9-1978

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०-----

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

- श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 14 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 142/78-79—स्रतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

प्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्ब 25,000/रुरुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 5-4-454 है, जो नामपली हैदराबाद में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, 18-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत, से अधिक है और प्रन्तरक (ग्रन्तरकों) भौर ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाअत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रिधियनयम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्राचीत :—
10—286 GI/78

(1) श्रीमती सरवरी बेगम पत्नी स्वर्गीय डाकटर महमद मसी यदीन गलकपेट हैदराबाद।

(ग्रन्सरक)

(2) श्रीमती णहीत हाजीरा पुत्री शेख भ्रब्दुल्ला घर नं० 5-4-454 नामपली स्टेशन रास्ता हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रौर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-4-454 का भाग नामपली स्टेशन रोड हैदरा-बाद में रजीस्ट्री दस्तावेंज नं० 3518/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) धर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 14-9-1978

प्ररूप भाई ∘टी • एन • एस • ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961का 43) की प्रारा 269-घ (1) के शधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजेंन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 143/78-78—~यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- रूअ से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-4-435 है, जो नामपली हैदराबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्याक्षय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 10-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यबापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत भिष्टक है भीर झन्तरक (झन्तरकों) भीर प्रकारिती (अक्तरितियों) के बीच ऐसे झन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नसिखत उद्देश्य से उक्त झन्तरण लिखित में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आप की बाबत उक्त प्राधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को जिन्हें, भारतीय भ्रायंकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

भ्रतः भ्रम, उन्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त भ्रिष्ठिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रमीत्:—

- 1. (1) श्री किशनराउ कारवानकर
- (2) किशोरकारवान कर घर नं० 5-4-435 नामपत्ती स्टेशन रास्ता हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री सोपती बालािकशण पिता श्री रामलु 5-8-57/2 नामपली स्टेशन रास्ता हैदराबाद। (श्रन्तरिती)

को <mark>यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के प्रजैन के</mark> लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचमा के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी क्यंक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसब द किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्पब्टोकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उकत ग्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर नं० 5-4-435 जीवक शीट कमपौनड दीवार नामपत्नी स्टेशन रास्ता हैदराबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 42/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के०एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीखाः 15-9-1978

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एस०~

आयकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-प (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर ध्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 144/78-89—यतः मुझे, के०एस० वेंकट रामन

भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मिनियम माधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से मिनिक है

श्रौर जिसकी सं० 5-8-522 है, जो मुकरबजनगलेन में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 25-1-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दश्यमान प्रतिफल का पन्ध्रह प्रतिशत से भन्निक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाष की बाबत, उक्त अधिनियम, के भ्रष्टीत कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (खा) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रत्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिविनयम, या घन-कर ग्रिविनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्ण ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विद्या के लिए;

अतः ग्रब, उन्त अधिनियम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम, की घारा 269-व की उपघारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखिंड व्यक्तियों, अर्थात :-- (1) मेसर्स यूनीवरसल कनापर्रह है कनस्ट्रक्शन लिमिटेड अदीकारी गेरीराज घर नं० 5-8-521 मुकरबजंग लेन हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री जगदीशप्रसाद पुत्र स्वर्गीय श्री दीनगारसीदास 21-1-293 राजसीबाजार हैदराबाद। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्यांत के भर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की सामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब ब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो उक्त घिधिनियम, के घट्याय 20-क में परिभाषित है, वही घर्य होगा जो उस घट्याय में दिया गया है।

अनु सुची

खुली जमीन घरनं० 5-8-522 मुकरबजजंग लेन हैदराबाद वीस्टर्ट्न 303 गेंयार्ड रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 248/78 उप-रिजस्ट्री कार्यालय हदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

ग्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-य(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 145/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से श्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० मतगी नं० 48 है, जो 5-8-512 श्राबीय शापिंग सेन्टर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रीधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रीधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रीधान, जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्दह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण जिश्वित में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त भ्रिधिनयम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रवः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण म, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात् :—

- 1. (1) श्री भास्कर राजु घर नं० बी-31, एफ०-2 वीजयापुरी कास्रोनी हदराबाद।
 - (2) श्रीमती पी० भारती पती पी-बी, क्रिक्षणराजू हैदराबाद।
 - (3) श्रीमती पी० चेन्द्रावती पती आडीनारायण रोड हैदराबाद (ध्रन्तरक)
- (2) श्री एम० रामाराव पुत्र श्री एम० कीशणराव 68/ बी-शनतीशनगर हैवराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यबाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्विकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्त्रब्टोकरण:---इसम प्रयुक्त एव्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुची

गली नं० 48 घर नं० 5-8-512/ आबीदर्शापंग सेन्टर कहा जाता है धीरामली लेन हैवराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 320/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद में।

> के० एस० वेकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-9-1978

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) को धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निदेश सं० 146/78-79—-यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम. 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अपीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समात्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 7-8-769-मलरी है, जो देवीरास्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिविकारी के कार्यालय नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रिविनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 3-1-78 को

पूर्वोक्त सम्यक्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुग्यमान प्रतिफल के लिये, पत्तिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दुश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से स्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निवित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त अधि-नियम के श्रधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये और/या
- (ख) ऐसी किसी पाप या किसी धन या अन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आपकर श्रिधिनियम, 1922 (1922का 11), म उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957का 27) के प्रयोजन र्धं अन्तरिती औरा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 269-ध की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियो श्रयात्:---

- श्रीमती गोपी बाई पत्नी रामजेदर बेहती गौशाला मपौनड के ग्रन्दर गौशवा रास्ता नैजामाबाद। (श्रन्तरक)
- श्रीमती रतन कौर पत्नी पी० रामसीनग 5-7-623 कलीलवाडी नैजामाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त पम्पति के प्रर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धावधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भ्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रशाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

ह्फ ब्हीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रोर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रथं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

मेकमनजीला घर ग्रार० सी० सी० नं० 7-8-769 गोडैन रास्ता नैजामाबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 21/78 उप० रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-9-1978

प्रकप झाई० टी • एन • एस • ---

प्रावकर प्रक्रिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269थ (1) के प्रधीन भूजना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 147/78-79; –यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से अधिक है

भौर जिसकी सं० 2-8-770 मलरी है, जो देवीरास्ता नैजामा-बाद में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से वर्णित हैं), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ने जामाधाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन तारीख 3-1-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ग्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृहय, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत ग्रधिक है
गौर ग्रन्तरक (ग्रन्तरकों) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियों)
के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से बक्त ग्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है—

- (क) अन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के ब्रधीन कर देने के ब्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, याधन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रस्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: ग्रंब, उक्त मिश्रिनियम की धारा 269 ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 घ की उपधारा (1) के मधीन. निम्निसिखत व्यक्तियों, प्रभीत्:--- (1) श्रीमती गोपी बाई पत्नी श्री रामघेनछर बेहती गोशाला कमपौन्ड के श्रन्दर गोशाला रास्ता नैजामाबाद।

(ग्रन्तरक)

(2) श्री पी० राम सीनग पुत्र करम सोनग 5-7-623 भलीलवाडी नैजाबमाबाद।

(ग्रतरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के प्रजंन के जिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :~-

- (क) इस सूचना के राजपद्ध में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं श्रद्ये होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक हीं सताका घर घार० सी० सी० का मकान नं० 7-8-770 देवी रास्ता के पास नैजामाबाद में दस्तावेज नं० 20/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

तारीख: 15-9-1978

प्ररूप भाई०टो०एन०एस०----

भ्रायकर भश्विनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ख (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रजन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 15 सितम्बर 1978

निर्देश यं० 148/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारों को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार भूव्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मलगी नं० 7-6-577/1, है, जो साचदी गनज में स्थित है (श्रौर इससे उपायद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16-2-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गं है घीर मृशे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्र प्रतिशत से प्रधिक है घीर घन्तरक (धन्तरकों) और अन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है: ---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बायत, उक्त ग्रिश्चित्यम के ग्रिश्चीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आव या किएी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब, उन्त अधिनियम की घारा 269ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269व की उपसारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थितियों, प्रयात :--- (1) श्री बीडा बेनकटराम रेड्डी ईलोमास जमबुरडी पिता रनगा रेड्डी घर नं० 8-2-547/1 बंनजाराहील रास्ता नं० 7 हैवराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सेज बाई पित रामधीयाई घर नं० 7-6-552/4 के किणनगंज ग्रमकुतलाल श्रौर कमपनी किणनगंज नैजामाबाद।

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करना हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप : ---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ध्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रविध, जो भी ध्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हरव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रक्षितियम, के श्रव्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मलगी नं० 7-6-577/1 गन्दी गंज एक मलगी के साता कुमारगली की तरफ दूसरा मनजोला नैजामाबाद में दस्तावेज नं० 578/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में। के० एस० वेंकट रामन सक्षम श्रिधकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 15-9-1978

प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ए(1) के प्रधीन सूचना

भारत संस्कार

कार्यालय, सहायक प्रायकर <mark>प्रायुक्त (निरीक्षण)</mark> श्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 149/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन
ग्रायकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इपमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन मक्षाप ग्रिशिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रू० से ग्रिशिक है ग्रौर जिसकी सं० 5-7-637/21 है, जो नैजामाबाद में स्थित है (ग्रौर इससे उपायब ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-1-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए ग्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रस्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करते का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मूल्य, उसके दृश्यशान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह् प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) भौर प्रन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक का से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबन, उक्त प्राध-नियम के ग्राधीन कर रेने के अन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- .ख) ऐसी किती ग्राय या किसी घन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या भ्रनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रिविनयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त ग्रिविनयम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रिवीन; निम्निसिखित स्पवितमों अर्थात्।—

- (1) श्रीमती लगमी बाई
- (2) श्रीमती लीला बाई 15-1-1 उसमानगंज हैदराबाद (शन्तरक)
- (2) श्रीनती गीला शास्त्री पत्नी सुदरशन शास्त्री मैसर्स उदम हैपरैटीनग मलगी स्टेशन रास्ता नैजामाबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह पूत्रका तथो करह स्थानि नम्सलि हे प्रजैत के लिए कार्यवाहियां सुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ब्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना को उमिल से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इ। मूबना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्थ व्यक्ति इत्ता प्रश्रोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरणः—इसमें प्रयुक्त जब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही प्रयंहोगा, जो उस अध्याय में दिया गवा है।

अनुसूची

मलगी नं० 5-7-637/21 समनेका बाग दी कीटही " "जगदीश निकेतन का बाग है स्टेशन रास्ता नैजामाबाद दस्तावेज नं० 24/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में ।

के० एस० वेंकट रामन सक्षप प्राधिकारी सहायक आयकर स्रायुक्त (निरीक्षण) यर्जन रेंज, हैदराबाद

सा**रीख**: 16-9-1978

प्रस्प माई० टी० एन० ए४०------

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के अबीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 150/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन अ।यकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

अं। यकर श्रोधीनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधीनयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रीधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से ग्रीधक है,

ग्रौर जिसकी सं० 5-7-637/22 है, जब नैजामाबाद में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 5-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-कल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से ध्रिषक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्त्रविक अप से कथित नहीं किया गया

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी माथ की बाबत, उक्त मिधिनियम, के ग्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। ग्रीर/या
- (स) ऐसी किसी श्राय या किसी घन या श्रन्थ श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त श्रिधिनियम की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्निलिखित व्यक्तियों, प्रणीत्:---

- (1) श्रीमती लशमी बाई पत्नी मदनलाल श्रग्नवाल।
- (2) श्रीमती लीला बाई घर नं० 15-1-1 उस्मानगंज हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री रामशास्त्री पिता बापुशास्त्री मैसर्स उदय टेपरैटींग इंस्टीटयूट स्टेशन रास्ता नैजामाबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा:
- (क्ष) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी क्ष से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्ठोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्वक्तीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मन्दो भीर पवों का, जो उक्त श्रिधिनयम के श्रष्ट्याय 20क में परिभाषित है, वहीं श्रषं होगा जो उस भध्याय में विया गया है।

अनुसूची

मलगी ने० 5-7-637/22 सामनेका पलेटपास टी कोटीडी सामनेका घर जगदीश किशन का पार्ट स्टेशन रास्ता नैजामाबाद दस्तायेज नं० 5-1-78 उपरजिस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, हैराबाद

तारी**ख**ः 16-9-1978

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 151/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रिधिक है

श्रौर जिसकी सं० 3/26-ए है, जो प्रोदठूर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्राँर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, प्रोदटूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 18-1-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापुर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है श्रौर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबस, उमत ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के ग्रम्सरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी थ्राय या किसी धन या भन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः भ्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रषीत् :---

- 1. (1) श्री० बी० रेड्डी सूर्यंनारायण रेड्डी
 - (2) श्री बी० वेंकट रेड्डी
 - (3) श्री बी० बेनकट मोगा रेड्डी
 - (4) श्री बी० प्रसाद रेड्डी
 - (5) श्री बी० श्रीनिवास रेड्डी
 - (6) श्रीमती बी० मली सुरम्या प्रोदटूर।

(भ्रन्तरक)

- (2) श्री अवीसा मेरी पुत्र भवीसा भारेम कुवेत में है
- (2) श्री ईलुरू कुपम पत्नी रूबन वसनतापेट प्रोदटूर।

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हूं।

उक्त समात्ति के भ्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, बही ग्रर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

घर बाषा नं० 3/26-ए कवापरेड सेन्द्रल स्क्रीट रास्ता प्रोदस्टूर प्रोदटूर कार्यालय में ।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), म्रजेंग रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ष (1) के भघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्वेश सं० 252/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर संपत्ति जिसका चित्रत बाजार मूल्य 25,000/- द के से अधिक है

भ्रौर जिसकी सं० 5-1-911/4 है, जो पुतलीबौली में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद ध्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख जनवरी 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-फल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी धायकी बाबत उक्त प्रक्षिक नियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; ग्रीर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त ग्रह्मिनयम, की घारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रह्मिनयम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मर्थात् :—

- 1. (1) एन० सत्यानारायण 4-8-189 रौतीगुड्डा
 - (2) एन० नेनकटरतनम घर नं० 4-8-189 गौली गुड़ा हैदराबाद।

(अन्तरक)

- 2. (1) श्रीमती पी० मनमाद्या पत्नी श्री पी० मुरलीदर
 - (2) श्री के० बी० म्रानन्द पुत्न मनमता राज 4-8-685 गौलीगुड्डा हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पति के भ्रजीन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 बिन की भवधि या तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी मन्य ध्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पन्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्त श्रिष्ठित्यम के मध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्च होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

शेड श्रीर खुली जमीन नं० 5-1-911/4 पुतालीबीली हैवराबाद वीर्स्टेंहै 212-33 वर्ग यार्ड दस्तावेज नं० 79/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय हैवराबाद।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक म्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंबराबाद

तारीख: 16-9-1978

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

स्रायकर स्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 153/78-79---यतः मुझे, के० एस० वेंकट

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 6-3-852/3 है, जो श्रमीरपेट में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 16-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रीयक है श्रीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रब, उक्त श्रधिनियम की धारा 299-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम, की धारा 299 घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:— 1. श्रीमती वैदासबाल ए० पत्नी गनपती श्रय्यर 6-3-852/2 श्रमीरपेट हैदराबाद।

(श्रन्सरक)

(2) श्रीमती बी० सी० ललीता 6-3-852/3 श्रमीरपेट हैक्राबाव।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा:
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

प्रतुसूची

घर नं० 6-3-852/3 का बाग है अमीरपेट हैदराबाद में रिजस्ट्री वस्तावेज नं० 106/78 उप रिजस्ट्रीकार्यालय केरता- बाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-9-1978

प्रकृप भाई० टी० एन० एस०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) ही धारा 269म (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 154/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट

प्रायकर अधितियन, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके रश्यात् 'उन्त अधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अनीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है। के स्थातर सम्पत्ति, जिसका उधित माजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० णाप नं० 338 है, जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (ग्रौर इससे उपावद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 9-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के तिए प्रस्तिरत की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और प्रस्तरक (प्रस्तरकों) भोर भन्तरिती (भ्रयत-रितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक कप में कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के सन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी जिसी प्राय था किसी घन या अन्य आस्तियों को जिन्हें धारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1057 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारी पकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः प्रम, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की बारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्न निधित व्यक्तियों, प्रमीत्:— 1 मैंसर्स स्वातोक कनस्ट्रक्शन कम्पनी 111-एस० डी० रास्ता सिकिन्द्राबाद।

(अन्त रक)

- 2. (1) श्री एम० बद्रय्या
- (2) एम० रामधारी
- (3) श्री एम० श्रीनियास धारी
- (6) श्री एम० श्रनुयनतधारी
- (5) श्रीमती किशानेसी
- (6) श्रीमती किशणबेला हैदराबाद।

(भ्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी कर के पूर्वाक्त सन्पति के श्रर्जन के लिए एतद्वारी कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षीर : → -

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध जो भी अविध वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हिसबढ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वड्डीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, बही भयें होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

ग्रनुसूची

उपापीस घर नं० 338 तीसरी मंजिल घर चन्द्रालोककाम लेक्स IrI एस डी रास्ता सिकिन्द्राबाद दस्तावेज नं० 38/78 उपरजिस्दी कार्यालय सिकिन्द्राबाद में।

के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-9-1978

प्ररूप धाई० टी∙ एन० एस०-

भ्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

स्रर्जन रेंज, हैदराबाद हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्वेश सं० 155/78-79--यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

द्यायकर द्याधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- द० से प्रधिक है भ्रौर जिसकी सं० प्लाटनं०बी-4/एफ-1 है, जो 4.1th मनजीला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबज़ अनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से र्वाणत है), रजिस्ट्रीकर्ताग्रधिकारी के कार्यालय पुनमग्रापार्टमेनट हैंदराबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्राधीन 11-1-78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भौर मन्तर्क (मन्तरकों) भौर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त श्रन्तरण लिखित में बास्तविक इस्प से कथित नहीं किया गया है।----

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त प्रधिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रौर/ या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या घन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर श्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा श्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुतरण में, मैं, उन्त प्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अभीन, निम्निजिखत व्यक्तियों अर्थात्:—

 श्री श्रीचन्द पुत्र स्वर्गीय भगवान दास घर नं० 21-2-785 पटेलमारकीट हैदराबाद।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती श्रीकोनडा रादीका राउ पत्नी डाक्टर एस हनुमान बी-/एफ8 घर ने 5-8-512 श्रीचीरागली लेन हैंदराबाद।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पक्ति के अर्जन के लिए कार्येवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की धवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी ग्रम्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पवों का, जो 'उक्त ग्राध-नियम', के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं. वही ग्राथं होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० बी०/4/एफ०-8 चौथामंजला घर नं० 5-8-512 पुनमग्रापर्टमेन्ट चीरागली लेन हैदराबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 133/78 उपरजिस्ट्री कार्यालय हैदराबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-9-78

प्ररूप भाई० टी• एन० एस०-

श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर श्रायकत (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैंदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर 1978

निर्देश सं० 156/78-79---यतः मुझे, के० एस० बेंकट रामन

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ४० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० 1-9-832 है, जो मोहन टाकीज के पास स्थित है (धौर इसके उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, नैजामाबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 20-1-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मुख्य से कम के दूश्यमान प्रतिफल के लिए झन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्प्रह प्रतिशत प्रधिक है, भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित सहेश्य से स्वत्त भन्तरण में लिखित बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है ---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रधि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; भौर/ग्रा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या धन्य पास्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धनत्कर भिष्ठियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती क्षारा प्रकट नहीं किया क्या था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

नतः भव उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निस्मिलियत व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. (1) श्री टी० मीवचरन सिंह
 - (2) श्री टी० शीवदयाल सिंह
 - (3) श्री टी० सूर्यज्वय सिंह 3-6-771-बरकतपुरा हेदराबाद।

(म्रन्तरक)

2. श्री पष्टीनताराउ पवर पुत्र तुलजाराउ ग्रमक्षरपेट नैजामाबाद। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा को उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसुची

खुली जमीन नं० 1-9-832 मोहन टाकीज के पास नैजामाबाद रिजस्ट्री दस्तावेज नं० 155/78 उप रिजस्ट्री कार्यालय नैजामाबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-9-1978

मोहरः

प्ररुप आई० टी० एत० एस०-----

श्रायकर श्रधिनियम 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 16 सितम्बर, 1978 निर्देश सं० 157/78-79---यत: मुझे, के० एस० वेंकट

रामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 खं के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी सं० 11-3-825 है, जो मोजमपुरा में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, हैदराबाद केरताबाद में रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 19 जनवरी 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) स्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त श्रिधिनियम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या श्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर श्रिधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए ;

ग्रत: ग्रब, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथीत:---

- 1. (1) श्री हमीद मोइनीदीन पुत्र गुलामजलीनी
 - (2) श्री शाकीर मोहीनीदीन पुत्र गुलाम जलीनी
 - (3) श्रीमती तय्याबा मस० श्रालिवदीन महमद मोहीने-दीन के द्वारा ये 465 जामबाग रास्ता हैदराबाद।

(अन्तरक)

(2) श्री सैयद सुजाउद्दीन पुत्र मीर सर्व्हीन घर 11-3-825 शकवीला मलेपली हैंदराबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उद्गत स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तमाम घर का नं० 11-3-825 "शकुरवीला" का एस वीर्स्टन 315-55 वर्ग्यार्ड रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 399/77 उप रजिस्ट्री कार्यालय केरताबाद हैंदराबाद में।

> कें० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैदराबाद

तारीख: 16-9-1978

प्ररूप आई• टी• एन ० एस०--

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, हैंदराबाद

हैवराबाद, दिनांक 18 सितम्बर, 1978

निर्देश सं० 158/78-79—यतः मुझे, के० एस० वेंकट रामन,

न्नायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परकात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपयं से अधिक है

श्रौर जिसकी सं० 10-2-302, 303 है, जो मारेडपल्ली में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 22-1-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाय को बावन उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भ्रष्टतरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रम्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या यो किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अत: ग्रब, उनत ग्रिधिनियम की धारा 269-ग के **ग्रन्सरण** में मैं, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपत्:—— 12—286GI/78

- 1. (1) श्रीमती के० सुसीला बाई
 - (2) श्री के० किशणा प्रेम घर नं० 3-6-174 होली हौज हैदरगुडा, हैदराबाद ।

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती सुसीला म्नार० पताले पत्नी डाक्टर रमेश बी० पताले घर नं० 33 पडथर मरिडपली सिकन्त्राबाद।

(भन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षीप:---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्स व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदौं का, जो उकत प्रधिनियम, के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 10-2-302 म्रौर 303 मडमर मारेष्ठ पस्ली सिकन्द्राबाद रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 3/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुम्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, हैदराबाद

तारीखा: 18-9-1978

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, हैदराबाद

हैदराबाद, दिनांक 18 सितम्बर 1978

निर्देण सं० 159/78-79—यतः मुझे के० एस० वेंकट रामन

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269—खं के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है श्रीर

ग्नौर जिसकी सं० 1-7-255 व 263 श्रौर 275 व 280 है, जो एस० डी० रास्ता में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 11-1-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निन्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) म्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त म्रिधिनयम के म्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रत: श्रब, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, मैं, उक्त श्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के श्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रशीत:— (1) श्री मेहरनौश एच० चनाई पुत्र श्री हीशनग सीराब धनाई 112-सरीजीनी देवी रास्ता सिकन्द्राबास।

(ग्रन्तरक)

2. (1) श्री श्रीघेनद पुत्र तीलाराम

(2) श्रीमती मदुदेवी पुत्री श्रमरलाल टी० लुला

(3) श्रीमती रानी पुत्नी रामघेनद टी० लुला घर नं० 1-8-264/6 सिनदी कालोनी, सिकन्द्राबाद।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, बहीं श्रर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में विया गया हैं।

अनुसूची

तमाम जमीन भ्रौर वीस्ट्रीन 1328 73 वर्ग यार्ड नं० 1-7-225 व 263 भ्रौर 275 व 280 सरीजीनी देवी रास्ता सिकन्द्राबाद में रजिस्ट्री दस्तावेज नं० 60/78 उप रजिस्ट्री कार्यालय सिकन्द्राबाद में।

> के० एस० वेंकट रामन सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुवत (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, हैंदराबाट

तारीख: 18-9-1978

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi,-110011 the 6th September, 1978

No. A. 32013/1/77-Admn. I—The President is pleased to appoint the following officers in the office of the Union Public Service Commission to officiate as Under Secretaries en ed hoc basis in Grade 1 of the service for the periods shown against each or until further orders, whichever is earlier.

SI. No.	Name	Period	
ı	2		3
1.	S/Shri B. B. Mehra (Grade A of CSSS)		. 17-7-1978 to 31-8-1978
2.	B. S. Jagopota (Section Officer)		. 24-7-1978 to 16-9-1978

The 11th September 1978

No. A.32011/1/77-Admn.I.—The President has been pleased to allow Shri K. Sundaram, permanent Personal Assistant (Grade C of CSSS) cadre of Union Public Service Commission, who was appointed to officiate as Senior Personal Assistant upto 31-8-1978 on purely temporary and ad hoc basis vide orders of even number dated the 8th June 1978, to continue to officiate in the same capacity on a purely temporary and ad hoc basis for a further period of 2 months weef. 1st September 1978 to 31st October 1978 or until further orders, whichever is carlier.

P. N. MUKHERJEE Under Sccy.

Union Public Service Commission

ENFORCEMENT DIRECTORATE

FOREIGN EXCHANGE REGULATION ACT

New Delhi, the 19th August 1978

No. A-11/14/78.—Shri S. Sajiduddiu, Inspector of Central Excise Bangalore is appointed to officiate as Enforcement Officer on deputation in Hyderabad office of this Directorate w.e.f. 4th August 1978 and until further orders.

J. N. ARORA Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF HOME AFFAIRS DEPIT. OF PERSONNEL & A.R. CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 8th September 1978

F. No. S-164/67-Ad.V.—The Director, C.B.I. and 1.G.P./SPE hereby appoints Shri S. N. Tiwari, Public Prosecutor, Central Bureau of Investigation, GOW, Bombay on promotion as Senior Public Prosecutor on ad hoc basis with effect from the fore-noon of 28th August 1978 and until further orders.

No. PF/K-16/74-Ad.V.—Shri K. J. Joseph, IPS (Kerala) relinquished charge of the office of Supdt. of Police, C.B.I., S.P.E., Cochin, on the afternoon of 31st August 1978. His services have been placed back at the disposal of the State Government.

No. A-19036/18/76-Ad.V.—The services of Shri M. V. Pandya, Dy. Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, an officer of Gujarat State Police on deputation to Central Bureau of Investigation were placed back at the disposal of State Authorities with effect from afternoon of 6th September 1978.

The 20th September 1978

F. No. A-19036/13/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. and IG.P., S.P.E. hereby appoints Shri O. P Agarwal, an officer of the Rajasthan State Police, who is on deputation to C.B.I. as Inspector to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I., S.P.E., with effect from forenoon of 8th September 1978 and until further orders.

F. No. A-19036/23/78-Ad.V.—The Director, C.B.I. and I.G.P., S.P.E. is pleased to appoint Shri Abhay Shankar, Dy. Supdt. of Police, an officer of the U.P. Police, to officiate as Dy. Supdt. of Police in C.B.I. with effect from the Forenoon of 11th August 1978 until further orders.

The 22nd September 1978

F. No. A-19036/17/77-Ad.V.—The Services of Shri N. C. Rishi, Dy. Supdt. of Police, C.B.I. and an Officer of West Bengal Police are placed back at the disposal of the Govt. of West Bengal with effect from the afternoon of 31st August 1078

RIPDAMAN SINGH Administrative Officer (A) C.B.I.

New Delhi, the 23rd September 1978

No. A-19020/3/78-Ad.V.—The President is pleased to appoint Shri S. K. Seth, I.P.S. (Maharashtra-1960) on deputation as Dy. Inspector General of Police, C.B.L/S.P.E. with effect from the forenoon of 19th September 1978 and until further orders.

K. K. PURI Dy. Director (Admin.) C.B.I.

New Delhi, the 25h September 1978

No. A-31013/3/75-AD.I.—The President is pleased to appoint Shri O. P. Sharma Officiating Supdt. of Police on deputation in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment from Rajasthan State Police, as Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation/Special Police Establishment in a substantive capacity on permanent absorption with effect from 1st July 1978 (F.N.).

JARNAIL SINGH Administrative Officer (E) Central Bureau of Investigation

SARDAR VALLABHBHAI PATEL NATIONAL POLICE ACADEMY

Hyderabad-500252 (A.P.), the 16th September 1978

No. 41/13/75-Estt.—On completion of his tenure of deputation with the Central Government Shri Mahmood bin Muhammad, I.P.S. (A.P.-1953) relinquished charge of the post of Deputy Director (Trg.) in the Academy with effect from 24th August 1978 afternoon.

П

On transfer from the Indian Police Service Cadre of Meghalaya, Shri M.I.S. Iyer, I.P.S. (1956) assumed charge as Deputy Director (Trg.) in the Sardar Vallabhbhai Patel National Police Academy, Hyderabad, with effect from the afternoon of 24th August 1978.

R. D. SINGH Director

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 20th September 1978

No. O.II-184/69-Estt.—On his service having been replaced at the disposal of the CRPF by the I.T.B.P., Shri J. S. Negi, took over charge of the post of Commandant 53rd Bn., CRPF on the forenoon of 22nd August 1978.

The 21st September 1978

No. O.II-1142/78-Estt.—The President is pleased to appoint on deputation Shri B. N. Prasad, an IPS officer of Bihar Cadre, as DIG in the CRPF.

2. Shri Prasad took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF Srinagar on the forenoon of 31st August 1978.

The 25th September 1978

No. O.II-879/69-Estt.—Consequent on his retirement on attaining the age of superannuation, Shri Taunr Mal relinquished charge of the post of Joint Assistant Director (Accounts) in this Directorate General, CRPF on the alternoon of 31st August 1978.

No. O.II-206/70-Estt.—Consequent on his retirement from Government Service on superannuation pension Shri Washi Ullah Khan relinquished charge of the post of Assistant Commandant 21st Bn., CRPF on the afternoon of 31st August 1978.

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. (Mrs.) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 26-8-78 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 26th September 1978

No. O.II-1067/77-Estt.—The President is pleased to accept resignation tendered by Dr. Jagadesh Babu Jampala, Junior Medical Officer (GDO; Gd. II) of Base Hospital-II, CRPF, Hyderabad with effect from 31st July 1978 (AN).

A. K. BANDYOPADHYAY Assistant Director (Admn.)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 18th September 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri K. L. Luke to officiate as Assistant Commandant CISF Unit, Visakhapatnam Port Trust on adhoc basis and assumed the charge of the same post with effect from the afternoon of 26th May 1978.

This supersedes the notification of even number dated 5th July 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Sriharikotā Shri P. K. R. Nair assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit Cochin Shipyard, Cochin with effect from the forenoon of 21st August 1978 vice Shri V. H. Govindaswamy Asstt. Commandant who, on transfer to Madras relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Durgapur, Shri N. C. Das assumed the charge of the post of Assistant Commandant CISF Unit BCCL Jharia w.e.f. the forenoon of 16th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from New Delhi Shri R. K. Jolly assumed the charge of the post of Assistant Commandant, CISF Unit, NFL Bhatinda w.e.f. the afternoon of 24th August 1978 vice Shri K. S. Minhas who on transfer to Sindri relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Delhi, Shri S. C. Laul assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit NFL Panipat w.c.f. the forenoon of 17th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Delhi Shri N. D. Kaul relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the atternoon of 16th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Durgapur Shri N. N. D. Kaul assumed the charge of the post of Asst. Commandant CISF NW Zone New Delhi w.e.r. the afternoon of 24th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Baroda, Shri G. S. Nurpuri, assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit HEC Ranchi w.e.f. the forenoon of 21st August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Jharia, Shri S. K. Chadha assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit DSP Durgapur w.e.f. the forenoon of 14th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Rourkela Shri M. S. Bose assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit NPPC Ltd., Nagaland w.e.f. the forenoon of 24th August 1978.

No. E-32015(2)/9/76-Pers.—On termination of his reemployment in the CISF I.t. Col. Mukut Singh relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit BSL Bokaro with effect from the afternoon of 10th August 1978,

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer from Durgapur Shri A. T. Thiruvengadam assumed the charge of the post of AIG(S/Zone)/CISF Madras w.e.f. the forenoon of 26th August 1978.

No. E-16014(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri S. S. Kirpekar, Dy. Commandant BSF, assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit RCF Ltd. Bombay w.e.f. the forenoon of 23rd August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer to Rourkela Shri S. R. Nath relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit, MAPP Kalpakkam w.c.f. the afternoon of 5th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Baroda Shri H. C. Panwar assumed the charge of the post of Asstt. Commandant, CISF Unit, BSL Bokaro w.e.f. the forenoon of 21st August 1978.

No. E-38013(2)/1/78-Pers.—On transfer to Madras Shri A. T. Thiruvengadam relinquished the charge of the post of Commandant CISF Unit ASP Durgapur w.c.f. the afternoon of 23rd August 1978.

On transfer on deputation Shri M. B. Son, Dy. Comdt., BSF, assumed the charge of the post of Commandant CISF Unit ASP Durgapur w.e.f. the afternoon of 23rd August 1978

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer from Bokaro Shri K. K. Kaul assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda w.e.f. the afternoon of 11th August 1978.

On transfer to Ranchi Shri G. S. Nurpuri relinquished the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit IPCL Baroda w.e.f. the afternoon of 11th August 1978.

No. E-38013(3)/1/78-Pers.—On transfer Shri Chet Ram Singh assumed the charge of the post of Asstt. Commandant NW/Zone, CISF, New Delhi with effect from the afternoon of 22nd August 1978 vice Shri J. D. Sharma Asstt. Comdt. who on transfer to Bhilai relinquished the charge of the said post w.e.f. the same date.

The 19th September 1978

No. E-16014(2)/1/78-Pers.—On transfer on deputation Shri A. N. Bhalla, Dy. Commandant BSF, assumed the

charge of the post of Asstt. Inspector-General (Admn.) CISF HQrs. New Delhi with effect from the forenoon of 1st September 1978.

R. C. GOPAL Inspector-General/CISF

MINISTRY OF LABOUR LABOUR BUREAU

Simla-171004, the 7th October 1978

No. 23/3/78-CPI.—The All India Consumer Price Index Number for Industrial Workers on base: 1960—100 increased by one point to reach 331 (three hundred and thirty one) during the month of August, 1978. Converted to base: 1949—100 the index for the month of August, 1978 works out to 402 (four hundred and two).

A. S. BHARDWAJ, Jt. Director

MINISTRY OF FINANCE (DEPTT. OF ECONOMIC AFFAIRS)

BANK NOTE PRESS

Dewas, the 19th September 1978

No. BNP/C/5/78.—In continuation of this Department's Notification of even number dated 10-8-78, the *ad-hoc* appointment of Shri H. R. Sharma as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended upto 17-9-1978.

The 24th September 1978

F. No. BNP/C/5/78.—In continuation to this Department's Notifications of even number dated 1-6-1978, the following ad hoc appointments have been continued for a further period of three months with effect from 1-9-1978 on the same terms and conditions:—

SI. No.	Name		Post to which appointed on <i>ad hoc</i> basis,
1	2		3
	S/Shri		
1,	A. S. Vhatkar .	•	. Technical Officer (Printing & Platemal ing)
2.	M. Ponnuthurai .		. Do.
3,	D. R. Kondawar .		. Do.
4.	Y. Janardan Rao		Do.
5.	Rampalsingh .		. Do.
6.	N. R. Jayraman .		, Do.
7.	Samarendra Dass	i	. Do.
8.	M. Dutta		. Technical Officer (Designing & Engraving)
9.	Arun Kumar Ingle	•	. Technical Officer (Ink Factory Researd & Laboratory)
10.	J. N. Gupta		. Technical Officer (Ink Factory Produ- tion)

P. S. SHIVARAM General Manager

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL

Bombay-40020, the 10th September 1978

No. Admn. I/Genl/IAD/31-Vol. III/C-1(i)/8.—The Accountant General, Maharashtra-I, Bombay is pleased to appoint

the following members of the S.A.S. to officiate as Accounts Officers in this office with effect from the dates mentioned against each until further orders:

SI. No.	Name		Date
1	2		3
1.	Shri B. Raghupathi Rao		31-8-1978 (F.N.)
2.	Shri D. S. Pande	•	7-9-1978 (F.N.)
3.	Shri S. M. Prabhudesai .		7-9-1978 (F.N.)

SMT. R. KRISHNAN KUTTY, Sr. Dy. Accountant General/Admn.

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICE

DIRECTOR GENERAL, ORDNANCE FACTORIES

Calcutta, the 15th September 1978

No. 44/G/78—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. G. M., Gr. I/ADGOF.. Gr. I with effect from the date shown against them, until further orders:

- (1) Shri V. M. Bhandarkar, Pt. Dy. G. M .- 6th July, 1978
- (2) Shri N. Balakrishnan, Pt. G. M. Gr. II-6th July, 1978
- (3) Shri V. N. Bhide, Pt. G. M., Gr. II 6th July, 1978
- (4) Shri N. M. Patel, Pt. ADGOF, Gr. II 6th July, 1978
- (5) Shri B. B. Ghose, Pt. G. M., Gr. II 6th July, 1978
- (6) Shri P. K. Banerjee, Pt. G. M., Gr. 11 6th July, 1978
- (7) Shri R. S. Jaiswal, Pt. G. M., Gr. II 6th July, 1978

No. 45/G/78—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. Manager/Sr. DADGOF with effect from the date shown against them, until further orders:—

(1) Shri S. R. Das, Pt. D. M. . 16th June, 1978

(2) Shri B. S. Parmar, Pt. D. M. 16th June, 1978

(3) Shri J. K. Jain, Pt. DADG 1st July, 1978

(4) Shri G. R. Sundaram, Pt. DADG 1st July, 1978

(5) Shri I. S. Ahluwalia, Pt. D.M. 1st July, 1978

No. 46/G/68.—The President is pleased to appoint the undermentioned Officers as Offg. D. M./DADG with effect from the date shown against them, until further orders:—

(1) Shri B, N. Mukherjee, Pt, A. M. → 22nd April, 1978

(2) Shri R. K. Dhingra, Pt. A. M. - 22nd April, 1978

(3) Shri A. Subramanyam, Pt. A. M. — 22nd April, 1978

(4) Shri A. S. Pundle, A. M. (Prob.) - 16th June, 1978

(5) Shri A. K. Sarkar, A. M. (Prob.) - 16th June, 1978

V. K. MEHTA Asstt. Director General.

MINISTRY OF COMMERCE,

CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

(DEPARTMENT OF COMMERCE)

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS
AND EXPORTS

New Delhi, the 22nd September 1978

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

ESTABLISHMENT

No. 6/556/59-Admn(G)/6820.—On attaining the age of superannuation, Shri Chandra Gupta an officiating Grade I officer of the CSS relinquished charge of the post of the

Deputy Chief Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st August, 1978.

> K. V. SESHADRI Chief Controller of Imports and Exports

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 21st September 1978

No. EST.I.2(512)/3264-69.—Shri S. K. Dasgupta, Assistant Director Gr. I (NT) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, has retired from service from the afternoon of 31st August, 1978 on attaining the age of superannuation.

M. C. SUBARNA Textile Commissioner

CORRIGENDUM

Bombay-20, the 25th September 1978

No. CFR/3/78.—In the Ministry of Industry, Department of Industrial Development, Office of the Textile Commissioner, Bombay Notification No. CER/3/78 dated 3rd August, 1978 published at P. 4900 of the Gazette of India, Part III, Section I dated the 26th August, 1978 (Bhadra 4, 1900):—The word 'Wood' appeared in the third line under the 'Note' may be read as 'Wool'.

G. S. BHARGAVA

Joint Textile Commissioner

OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMALL SCALE INDUSTRIES New Delhi, the 6th September 1978

No. 12/242/68-Admn.(G).—The President regrets to announce the death of Shri T. S. Balasubramaniam, Deputy Director (Industrial Management & Training), Small Industries Service Institute, Bombay on the 2nd August, 1978.

No. A-19018/344/78-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Subhash Kankan as Deputy Director (Food) in the Small Industry Development Organisation with effect from the afternoon of 31st July, 1978, until further orders.

2. Consequent upon his appointment, Shri Subhash Kankan assumed charge of the post of Deputy Director (Food) in Small Industries Service Institute, Calcutta with effect from the afternoon of 31st July, 1978.

M. P. GUPTA Deputy Director (Admn.)

DEPARTMENT OF SUPPLY DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(Admn. Section A-6)

New Delhi, the 11th September 1978

No. A/17011/5/71-A6.—Shri N. G. S. Iyer, a permanent sexaminer of Stores and officiating Asstt. Inspecting Officer (Engg.) in the Hdqrs. office of this Directorate General expired on 24-7-1978.

The 22nd September 1978

No. A-1/1(448).—The President is pleased to appoint Shri D. R. Bagchi, Assistant Director (Grade I) in the office of the Director of Supplies and Disposals, Calcutta under the Directorate General of Supplies & Disposals, to the grade of Deputy Director of Supplies on ad-hoc basis in the same office with effect from the forenoon of the 30th August, 1978 and until further orders.

No. A-1/1(835).—The President is pleased to appoint Shri A. K. Saxena, an officer of Grade III of the Indian supply

Service, Group 'A' in the Directorate General of Supplies and Disposals, New Delhi to officiate as Deputy Director of Supplies (Grade 11 of the Indian Supply Service, Group 'A') on ad-hoc basis in the same Dte. General at New Delhi from the forenoon of the 31st August, 1978 and until further orders.

No. A-1/1(859).—Shri T. C. Das Roy, Dock Inspector and officiating Assistant Director (Grade II) in the office of the Director of Supplies & Disposals, Calcutta retired from Government service with effect from the afternoon of 31st August, 1978 on attaining the age of superannuation (58 years).

SURYA PRAKASH
Deputy Director (Administration)
for Director General of Supplies & Disposals.

New Delhi, the 13th September 1978

No. A-6/247(399)/62-III.—The President has been pleased to appoint Shri S. C. Dutt AIO (Met.) to officiate on purely temporary ad-hoc basis as Asstt. Director of Inspection (Met.) in the Metallurgical Branch of Grade III of IIS (Class I) w.e.f. the forenoon of the 8th August, 1978.

Shri Dutt relinquished charge of the post of Asstt. Inspecting Officer (Met.) in the Burnpur Inspectorate on 31-7-78 (A.N.) and assumed charge of the post of Asstt. Director of Inspection (Met.) in the office of the Director of Inspection (Met.) Tatanagar on the forenoon of the 8th August, 1978.

SURYA PRAKASH Dy. Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF MINES)

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 18th September 1978

No. A19011(26)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri H. Anantharamiah, Regional Mining Geologist, in this department on ad-hoc basis with effect from the forenoon of 2nd August, 1978, until further orders.

No. A19011(28)/70-Estt.A.—The President is pleased to appoint Shri N. N. Subramanian Supdtg. Orc Dressing Officer, Indian Bureau of Mines as Chief Ore Dressing Officer in this Department on Ad-hoc basis with effect from the afternoon of 9th August, 1978 until further orders.

No. A-19011(204)/78-Estt.A.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri A. D. Burman officiating Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines with effect from the afternoon of 31st May, 1978. His name is struck off the strength of the Indian Bureau of Mines with effect from the aforesaid date.

S. BALAGOPAL Head of Office

ANTHROPOLOGICAL SURVEY OF INDIA INDIAN MUSEUM

Calcutta-16, the 26th July 1978

No. 4-152/78/Estt.—The Director, Anthropological Survey of India, is pleased to appoint Shri Radhey Shyam to a post of Statistician at Southern Region of this Survey at Mysore, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of 3rd July, 1978, until further orders.

C. T. THOMAS Senior Administrative Officer

SURVEY OF INDIA

SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 18th September 1978

No. E1-5418/594-Managers.—Shri S. P. Dhaundiyal, Surveyor, in Group 'C' (Class III Div. I Service) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G.C.S. Group 'B') in the Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40 — 1200 with effect from the forenoon of 1st August, 1978.

No. E1-5419/594-Managers.—Shri Peter James Kullu, Technical Assistant (Selection Grade) in Group 'C' (Class III Div. I Service) is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G.C.S. Group 'B') in the Pilot Map Production Plant, Survey of India, Hyderabad in the revised scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 28th July, 1978.

The 19th September 1978

No. C-5420/707—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the date as shown against each purely on ad hoc provisional basis—

Sl. No.	Name and Designation	Unit/Office	with effect from
1.	Shri Mohanjit Singh . Surveyor Sel. Gde.	No. 79 (Photo) Party (NWC), Dehra Dun.	2-3-1978 (F.N.)
2.	Shri H. R. Aich Surveyor Scl. Gde.	South Eastern Circle Office, Bhubaneswar	8-8-1978 (F.N.)
3.	Shri Sachidanand Jugran, Surveyor Sel. Gdc.	Central Circle Office, Jabalpur,	24-7-1978 (F.N.)

K. L. KHOSLA, Major General Surveyor General of India

ZOOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-12, the 23rd September 1978

No. F.92-138/78-Estt./16768.—Dr. E. V. Muley. Senior Zoological Assistant, Zoological Survey of India, Western Regional Station, Poona, is hereby appointed to the post of Assistant Zoologist (Group 'B') in the scale of Rs. 650—1200 in the same Department at the Desert Regional Station, Jodhpur, in a temporary capacity with effect from 31st August, 1978 (forenoon), until further orders.

DR. T. N. ANANTHAKRISHNAN,

Director

Zoological Survey of India

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO (AUDIENCE RESEARCH UNIT)

New Delhi, the

1978

No. A-12026/2/76-SV.—In continuation of this Directorate's Notification of even number dated 2nd September. 1976. the Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri P. L. Sharma, Senior Investigator, Central Statistical Organisation, Department of Statistics, Ministry of Planning, New Delhi to the post of Statistical Officer in the Directorate General, All India Radio, New Delhi in the scale of

Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200, on deputation, on ad-hoc basis for a further period from 1-1-1977 to 31-12-78, vice Shri N. P. Varia, Statistical Officer sent on deputation as Economist in the Department of Coal, Ministry of Energy, New Delhi.

The 19th September 1978

No. 29/6/77-SII.—Consequent on his appointment as Publicity Officer in the Cardamom Board, Ministry of Commerce, Cochin, Shri K. R. Kurup, Farm Radio Officer, All India Radio, Trichur has relinquished the charge his post on 31-7-78 (afternoon).

S. V. SESHADRI, Deputy Director of Administration for Director General

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION

(DEPARTMENT OF AGRICULTURE) DIRECTORATE OF EXTENSION

New Delhi, the 15th September 1978

No. F.2-10/78-Estt.(1).—The ad-hoc appointments of S/Shri S. L. Dhir and G. D. Gulati in the posts of Superintendents (Grade I) are further extended beyond 31st August, 1978 and upto 16th October, 1978.

DARSHAN SINGH, Director of Administration

(DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT) DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION

Faridabad, the 21st September 1978

No. A.19023/11/78-A.III.—Consequent on his appointment to the post of Asstt. Director (Livestock Products) in this Directorate, Shri S. Vanchinathan handed over charge of the post of Marketing Officer in this Directorate at New Delhi, in the forenoon of 18-8-1978.

No. A.19025/75/78-A.III.—The short term appointment of Shri S. T. Raza to the post of Assistant Marketing Officer (Group I) sanctioned for three months with effect from 12-6-78 (F.N.) vide this Directorate's Notification of even No. dated 4-7-78, has been extended upto 31-10-78 or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

The 22nd September 1978

No. A.19023/72/78-A.III.—On the recommendations of the U.P.S.C., Shri R. M. Karpate, Assistant Marketing Officer, is appointed to officiate as Marketing Officer (Group I) in this Directorate at Guntur with effect from 31-8-78 (F.N.), until further orders.

2. On his appointment as Marketing Officer, Shri Karpate relinquished charge of the post of Assistant Marketing Officer (Group I) at Guntur in the forenoon of 31-8-78.

B. L. MANIHAR,
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 16th September 1978

No. DPS/A/32011/3/76/Est./22842.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated July 4/5. 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Karuvathil Raveendran, a temporary Assistant of this Directorate to officiate as an Assistant Personnel Officer on an ad-hoc basis for a further period upto August 24, 1978, vice Shri K. P. Joseph, Assistant Personnel Officer appointed as Administrative Officer.

The 18th September 1978

No. DPS/41(1)/77-Adm./22942.—In continuation to this Directorate Notification of even number dated June 16, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri G. V. Vartak, a temporary Purchase Assistant of this Directorate as an Assistant Purchase Officer on an ad-hoc basis for a further period upto September 30, 1978.

B. G. KULKARNI, Asstt. Personnel Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500016, the 18th September 1978

No. AMD-1/11/76-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division, of the Department of Atomic Energy hereby appoints Shri I. S. Mokha, Permanent Storekeeper Officiating Accountant as Assistant Accounts Officer in the Atomic Minerals Division on an ad-hoc basis with effect from the afternoon of 17-8-1978, until further orders.

S. RANGANATHAN, Sr. Administrative & Accounts Officer

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 20th September 1978

No. HWPs/Estt./1/S111/4174.—Officer-on-special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Keshav Janardan Sohoni, a permanent Upper Division Clerk in Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk in Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Assistant Personnel Officer, in the same office, from May 16, 1978 (FN) to June 29, 1978 (AN) vice Shri Y. P. Gharpure, Assistant Personnel Officer, granted leave.

The 26th September 1978

No. HWPs/Estt./I/M-/4276.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Angarai Natesa Iyer Muthuswamy, a permanent Accountant in Rajasthan Atomic Power Project and officiating Assistant Accounts Officer in Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Accounts Officer, in the same office, in a temporary capacity, on an ad hoc basis, from April 15, 1978 (FN) to May 20, 1978 (AN) vice Shri K. K. Gopalkrishnan, Accounts Officer, Heavy Water Project (Tuticorin), granted leave.

No. 050000/P-164/4277.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Gopulakrishna Ruo Padmanabhan, a permanent Selection Grade Clerk and officiating Assistant Personnel Officer of Heavy Water Project (Tuticorin), to officiate as Administrative Officer, in the same office, in a temporary capacity, on an ad hoc basis, from April 10, 1978 (FN) to May 20, 1978 (AN) vice Shri S. Padmanabhan, Administrative Officer, HWP (Tuticorin), granted leave.

K. SANKARANARAYANAN, Senior Administrative Officer

DEPARTMENT OF SPACE INDIAN SPACE RESEARCH ORGANISATION

SPACE APPLICATIONS CENTRE

Ahmedabad-380053, the 14th September 1978

No. EST/TESC/57.—The Director is pleased to appoint Shri Prakash Jamnashanker Mehta as Engineer SB in a temporary capacity in the Space Applications Centre/Indian Space Research Organisation/Department of Space, with effect from the forenoon of August 4, 1978 for a period upto August 31, 1979.

S. G. NAIR, Head, Personnel & General Admn,

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE Trivandrum-695022, the 15th September 1978

No. VSSC/Est./NTF/78.—The Director, VSSC hereby appoints the undermentioned persons in Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum of the Department of Space as Scientist/Engineer SB in an officiating capacity in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-EB-40-960 with effect from the forenoon of the dates shown against each and until further orders:

Sl. No.	Name	Designa- tion	Divn./ Proj.	Date of appointment
1	2	3	4	5
	S/Shri			
1.	•	Sci/Engr. SB	RES	6-1-1977
2.	K. Suryanarayanan .	Do.	PED	1-7-1977
3,	L. Ramaswamy.	Do.	RFF	9-8-1977
4.	Kum. P. Vilasini	Do.	ARD	16-8-1977
5.	P. R. Balakrishna Pillai	Do.	EMD	1-10-1977
6.	K. Natarajan	Do.	SLV	1-10-1977
7.	V. Devaraj	Do. Do.	RSR PSN	1-10-1977 1-11-1977
8. 9.	A. Wilson	Do.	RSR	3-3-1978
10.	M. V. Gopalakrishnan	Do.	PSN	13-3-1978
11.	Smt. K. R. Sathee Devi	Do.	EFF	1-4-1978
12.	K. Krishnan Nair	Do.	EFF	1-4-1978
13.	Smt. S. Velammal .	Do.	EFF	1-4-1978
14.	P. R Vasudevan	130.	DCI	1-4 1//0
17.	Pillai .	Do.	CMG	1-4-1978
15.	R. Chandrasenan Pillai	Do,	ANL	1-4-1978
16.	V. Diwakar	Do.	MAC	10-4-1978
17.	George Joseph	Do.	PSN	1-4-1978
18.	P. P. George	Do.	PSN	1-4-1978
19.	C. Sundaram .	Do.	PCS	1-4-1978
20.	P. V. Oonnikrishnan Nai	τ D o.	PCS	1-4-1978
21.	S. Krishnamoorthi .	Do.	FRP	1-4-1978
22.	KM. Kuriakose .	Do.	RPP	1-4-1978
23.	V. Haridasan	Do.	EMD	1-4-1978
24.	N. Lokadasan .	Do.	EMD	1-4-1978
25.	M. Tajudeen	Do.	RFF	1-4-1978
26.	M. Unnikrishnan Nair	Do.	QAD	1-4-1978
27.	M. Kassim Pillai .	Do.	RSR	1-4-1978
28.	A. Chandrasckharan	Do.	REN	1-4-1978
29.	M. P. Prathapachandran Pillai	Do.	PSN	1-6-1978

RAJAN V. GEORGE Admn. Officer-II (Est.) for Director, VSSC

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 22nd September 1978

No. A.19014/99/72-E.L—Shri K. R. K. S. R. Anjaneyulu, Director, Radio Construction & Development Units, Civil Aviation Department, New Delhi, expired on the 11th September, 1978.

P. C. JAIN,

Assistant Director of Administration,

VANA ANUSANDHAN SANSTHAN EVAM ΜΑΗΑΥΙΟΥΛΙΛΎΑ

Dehra Dun, the 16th September 1978

No. 16/264/77-Ests-1.—The President, Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun, is pleased to replace the services of Shri H. R. Dhar, Research Officer "setting of Seed Bank and Seed Improvement and Tree Breeding Centre", Burnihat at the disposal of the Govt. of Tripura, on the expiry of his term of deputation with the Govt. of India on the afternoon of 10-7-78.

GURDIAL MOHAN,

Kul Sachiv

Vana Anusandhan Sansthan Evam Mahavidyalaya

DIRECTORATE OF INSPECTION & AUDIT CUSTOMS AND CENTRAL EXCISE

New Delhi, the 22nd September 1978

No. 15/78.—Shri R. N. Johri, lately posted as Asstt. Collector of Central Excise, Kanpur and on transfer to the Directorate of Inspection & Audit, Customs & Central Excise vide Govt. of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue) order No. 148/78 (F. No. A 22012/13/78) dated 4-9-78 assumed charge of the post of Inspecting Officer (Customs and Central Excise) Group 'A' in the Head-quarters office of the Directorate of Inspection & Audit, Customs and Central Excise at New Delhi on 12-9-78 (Forenoon).

M. V. N. RAO, Director of Inspection

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-110022, the September 1978

No. A-19012/738/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri B. K. Ghosh, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water Commission, New Delhi in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 26-8-1978 upto 28-2-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 18th September 1978

No. A-19012/739/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion, Shri M. L. Nath, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Chemistry) in the Central Water and Power Research Statlon, Pune, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 31-8-1978 upto 28-2-1979 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/741/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri N. M. Arora, Research Assistant, to the grade of Assistant Research Officer (Physics) in the Central Water Commission, New Delhi in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on, a purely temporary and ad-hoc basis with effect from the forenoon of 7-9-1978 upto 6-12-1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

The 21st September 1978

No. A-19012/742/78-Adm. V.—The Chairman, Central Water Commission, hereby appoints on promotion Shri V. S. Rao, Supervisor, to the grade of Assistant Engineer in the Central Water Commission, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 on a purely temporary and ad-hac basis with effect from the forenoon of 1st June, 1978 upto the 30th November, 1978 or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

J. K. SAHA. Under Secy. Central Water Commission

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF WORKS CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

New Delhi, the 21st September 1978

No. 27/3/75-ECIX.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri Abhijit Ray from the post of Deputy Architect, CPWD, New Delhi with effect from 20-9-78 (FN).

KRISHNA KANT, Dy. Director of Administration

NORTHERN RAILWAY HEADQUARTERS OFFICE

New Delhi, the September 1978

No. 30.—Dr. Jagmohan Singh Officiating PA/CMO of this Railway has expired on 31-8-78 A.N.

R. SRINIWASAN, General Manager

MINISTRY OF LAW, JUSTICE & COMPANY AFFAIRS

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS

COMPANY LAW BOARD OFFICE OF REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apollo Metalware (Pvt.) Ltd.

(Pursuant to sec. 445(2) of the Companies, 1956)

Hyderabad-500001, the 13th September 1978

No. 1491/Liq/78.—By an order dated the twenty eighth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in Company Petition No. 8 of 1976 of the High Court of Judicature at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to wound up Apollo Metalware Private Limited.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Apollo Wire Products Private Limited.

(Pursuant to sec. 445(2) of the Companies, 1956)

Hyderabad-500001, the 13th September 1978

No. 1492/Liq/78.—By an order dated the twenty eighth day of January, one thousand, nine hundred and seventy seven in Company Petition No. 6 of 1976 of the High Court of Justical are at Andhra Pradesh, Hyderabad, it has been ordered to yound up Apollo Wire Products Private Limited.

V. S. RAJU, Registrar of Companies Andhra Pradesh, Hyderabad

In the matter of the Companies Act. 1956 and of M/s Indian Chemical & Paper Industries Private Limited

Cuttack, the 16th September 1978

No. 2 (2/633/2244(2)).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956, that most expiration of three months from the date hereof the mass of the M/s. Indian Chemical & Paper Industries Private 1 (2.6), unless cause is shown to the contrary, will be struct of the Register and the said Company will be dissolved.

D. K. PAUL,

Registrar of Companies, Orissa

Notice under Section 445(2)

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gujarat Herald Pyt, Ltd.

Ahmedabad, the 19th September 1978

No. 1481/Liquidation.—By an order dated 13-10-1977 of the High Court of Gujarat at Ahmedabad in Company Petition No. 31 of 1977 it has been ordered to wind-up M/s. Gujarat Herald Pvt., Ltd.

J. G. GATHA, Registrar of Companies, Gujarat

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Uttarakhand Tourist Roadways Limited

Kanpur, the 16th September 1978

No. 9448/2877 L.C.—Notice is hereby given pursuan to subsection (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Uttarakhand Tourist Roadways Limited unless cause is known to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. NARAYANAN, Registrar of Companies, U.P. Kanpur

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Devabant Production Private Limited

Calcutta, the 20th September 1978

No. 26045/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Devabani Production Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

N. C. NATH, Asstt. Registrar of Companies West Bengal In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Munvas Benefit (Chit Fund) Financial Private Limited

Gwalior, the 22nd September 1978

No. 1182/A/560(3)/5087.—Notice is, hereby, given pursuant to sub-section (3) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Munvas Benefit (Chit Fund) Financial Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. K. SAXENA, Registrar of Companies Muchya Pradesh, Gwalior

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. C. M. W. Private Limited

Bangalore, the 23rd September 1978

No. 2170/560/77.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. C. M. W. Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Gayathri Roller Floor Mills Private Limited

Bangalore, the 23rd September 1978

No. 3048/560/78.—Notice is hereby given pursuant to subsection (3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of M/s. Gayathri Roller Floor Mills Private Limited unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. N. GUHA, Registrar of Companies Karnataka, Bangalore

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-III/1-78/839.--Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. 7 Bighas 8 Biswas Agricultural situated at land, Khasra No. 820 and 821 situated in Village Chhattarpur, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi in January 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Shrimati Visheshwari Devi W/o Late Shri Dina Nath s/o Shri Nand Ram R/o B-5/5, Faridabad (Haryana).

(Transferor)

(2) Shri Damodar Prashad Singhal S/o Shri Bishan Gopal Singhal and Shrimati Devahuti W/o Shri Damodar Prashad Singhal C/o G/5, N.D.S.E.-II, New Delhi-49.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 7 bighas and 8 biswas part of Khasra Nos. 820 (3-2½) and 821 (4-5½) situated in the area of village Chhattarpur, Delhi State, Delhi.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi.

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 28th September 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SR-II/2-78/1642.—Whereas, I, D. P. GOYAL,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot No. 39, Block 'B' situated at Shankar Garden, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 8-2-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Bakshi Dhan Raj So Bakshi Brij Lal R/o FA/131, Inder Puri, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shrimati Santosh Chopra W/o Shri V. R. Chopra R/o C-4B/13/77, Janakpuri, New Delhi-58.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B-39 (Block 'B' Plot No. 39) measuring 333.1/3 sq. yds. part of Rectangle No. 9, Killa No. 7, situated in the colony known as Shankar Garden, area of Village Posangipur, Delhi State, Delhi, on Delhi Najafgarh Road, within the limits of Delhi Municipal Corporation and bounded as under:—

North: Road 36' wide. South: Plot No. 38. East: Passage 20'. West: Road 45'.

D. P. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Delhi/New Delhl.

Date: 28-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III, 4/14A, ASAF ALI ROAD

New Delhi-110001, the 27th September 1978

Ref. No. IAC/Acq-III/SH-II/1-78/1628.—Whereas, J. P. GOYAL.

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. D-54, situated at New Multan Nagar New Delhi.

Plot No. D-54, situated at New Multan Nagar New Delhi. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act. 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Delhi on 17th January 1978,

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or:
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shrimati Kamla Sud Widow of Shri P. L. Sud R/o House No. 29, P.O. Street Doraha Mandi, Distt. Ludhiana (Punjab).

(Transferor)

(2) Shri Prem Singh S/o Shri Phool Singh R/o Chuna Bhati, Jawala Heri, Paschimpuri New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free hold plot No. 54 measuring 200 sq. yds. in Block No, 'D' out of Khasra No. 4/18, situated in the area of Village Jawala Heri an approved colony known as New Multan Nagar, Colony at Miles Stone 6-7 to 7-2 towards the north of main Rohtek Road Delhi and bounded as under:—

North: Plot No. D/55 South: Plo No. D/53

East: Lane. West: Road.

> D. P. GOYAL, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-III, Delhi/New Delhi

Date: 27-9-1978

(1) Shri I. K. Radhakrishaa Reddiar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) V. Ramachandra Reddiar.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-JII,

Cochin-682016, the 12th July 1978

Ref. No. L.C. 203/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Sald Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Alleppey village,—
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act
1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at
Alleppey on 16-1-1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14.696 cents of land with buildings in Sy. Nos. 573/34C/3, 573/34F/3, 573/34/F/2, 573/34D/1, 573/34C/3 and 573/36/3 of Alleppey Municipality.

P. O. GEORGE.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 12-7-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 27th July 1978

Ref. No. L.C. 211/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market

value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Ernakulam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 20-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Ast, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s Mathur & Co. (P) Ltd.

(Transferor)

- (2) Dr. K. K. Pathma and Brother Ray Pathvox. (Transferee)
- (3) Iyyattil Gomathi Sunna.

(Persons to whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6 cents of land in Ernakulam Village survey No. 2589/5 vide Schedule to Document No. 132/78.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernekulane

Date: 27-7-1978

Scal:

(1) Nevil J. Fernandez.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) K. Hemachandran.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

Cochin-682016, the 3rd August 1978

Ref. No. L.C. 220/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Quilos.

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Quilos on 30-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

may be made in writing to the undersigned:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

251 cents of land in Quilos Village Survey No. 9197 B.

P. O. GEORGE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1978

(1) Mrs. K. M. G. Menon and others.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Vellakutty Guptan. (ii) Ramachandran.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 1st August 1978

Ref. No. L.C. 221/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Palghat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Palghat on 2-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
14—286GI/78

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested în the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

41 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 5/78 of S.R.O. Palghat.

P. O. GEORGE, Competent Authority. Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 3-8-1978

(1) Shri I P. N. Krishnankutty Achan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri Chathappan & other.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 1st August 1978

Ref. No. L.C. 222/78-79.—Whereas, I P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing as per schedule situated at Palghat, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Palghat on 28-1-1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in

the said instrument of transfer with the object of:-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aroresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

55 cents of land with buildings as per schedule attached to doc. No. 150/78 of S.R.O. Palghat.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 3-8-1978

Scal ;

(1) Sri Narasimha Iyer and other.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (2) Sethu Udayar and others.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 1st August 1978

Ref. No. L.C. 223/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000- and bearing No.

as per schedule situated at Palghat,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Palghat on 4-3-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

16 cents of land with buildings as per schedule attached to document No. 812/78 of S.R.O. Palghat.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulum.

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Date: 3-8-1978

(1) Eupen, Chethackal, Ranni.

(Transferor)

(2) Josept, Manthanath, Chethackal, Ranni.

may be made in writing to the undersigned :-

whichever period expires later;

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 5th September 1978

Ref. No. L.C. 236/78-79.—Whereas, I P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Chethackal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Ranni on 31-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

(a) by any of the aforesaid person within a period of
45 days from the date of publication of this notice

in the Official Gazette or a period of 30 days from

the service of notice on the respective persons,

Objections, if any, to the acquisition of the said property

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

5 acres 32 cents of land with buildings vide schedule to Document No. 234/1978.

P. O. GEORGE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 5-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 5th September 1978

Ref. No. L.C. 235/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Chethackal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranni on 31-1-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market have of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) George Eapen, Kurunthothickal Chethackal, Ranni.
 (Transferor)
- (2) Idicula, Manthanath, Chethackal, Ranni.
 (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of thirty days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

 $3~{\rm acres}~53~{\rm cents}~{\rm of}~{\rm land}~{\rm vide}~{\rm Schedule}~{\rm to}~{\rm Document}$ No. 233/78.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 5th September 1978

Ref. No. L.C. 234/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. as per schedule situated at Chethackal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the

Registering Officer at Ranni on 31-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Eapen Philip, Kurunthothickal, Chethackal, Ranni.
 (Transferor)
- (2) Jinarani, Manthanath, Chethackal Ranni.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 acres 75 cents of land-vide Schedule to Document No. 232/78.

P. O. GEORGE, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernekulam.

Date: 5-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Eapen, Chethackal, Ranni.

(Transferor)

(2) Thomas, Chethackal, Ranni.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX. ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 5th September 1978

Ref. No. L.C. 233/78-79.—Whereas, I, P. O. GEORGE, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per schedule situated at Chethackal,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ranni on 31-1-1978,

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-sax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

68 cents of land in Chethackal—vide Schedule to Document No. 231/78.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam.

Date: 5-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 22nd August 1978

Ref. No. L.C. 232/78-79.—Whereas, I P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Secion 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at Malapuram,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Malapuram on 25-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesald exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been of which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Pulpadan Abu P.O. Koothilangadi, Malapuram District.

(Transferor)

- (2) (i) Shri Chenath Mohammadkutty, P.O. Valavannur Tirur.
 - (ii) Shri C. C. Koyamu, Cholakkara Cheppala House, P.O. Cheriyamundam, Tirur. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

6‡ cents with Building as per schedule attached to Document No. 63/78 of S.R.O. Malapuram.

P. O. GEORGE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernskulam.

Date: 22-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 22nd August 1978

Ref. No. L.C. 231/78-79.—Whereas, I P. O. GEORGE, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Sy. No. as per schedule situated at Ernakulam,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ernakulam on 30-1-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) façilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) Dr. Sivaprasad Kurup, Medical College Professor, Ponthil, Karithala Dasom.

(Transferor)

 (2) 1. V. K. Sreenivasan.
 2. Smt. Vinayashobhini 35/74, Kalathiparambu Road, Ernakulam.

(Transferce)

(3) Official Liquidator Palai Central Branch.

(Persons in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/3rd right over 35 cents of land and building No. 35/74 of Cochin Corporation.

P. O. GEORGE
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulum

Date: 22-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 21st August 1978

Ref. No. L.C. 229178-79.—Whereas, I P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Sy. No. as per schedule situated at Bhadayamangalam, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Navaikulam on 19-1-1978, for an apparent consideration which is less

than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of he transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) I. S/Srl Mathan.
 - 2. C. M. Mathai.
 - 3. C. M. George by power holder C. M. Mathai.
 - 4. John Raniam by power holder C. M. Mathal Chelamil Kunnathil, Mulakunzha P.O.

(Transferor)

- (2) S/Sri A. Muhammed Kassiun.
 - (2) M. Mehrunnisa
 - (3) M. Baiys
 - (4) M. Bynnial(5) M. Sheejumal

Sl. Nos. 3, 4 and 5 Guardian A. Muhmmed Kassim.

A.M.K. Manzil, Pallickal P.O.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

As per schedule to Document No. 141 of 1978.

P. O. GEORGE
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Date: 21-8-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE

Cochin-682016, the 9th August 1978

Ref. No. L.C. 224/78-79.—Whereas, I P. O. GEORGE, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hercinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Calicut, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chalapuram in January 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) K. B. Govinda Rao, Advocate, Gandhi Road, Calicut.

(Transferor)

- (2) Moosa Haji Kolavalloor Amsom Desom, Tellicherry.
 (Transferee)
- (3) Central Bank of India.

(person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

14.71 cents of land with buildings in R. Sy. No. 11-2-75/2 of Nagaram amsom desom—vide schedule to document No. 91/78 of S.R.O. Chalapuram.

P. O. GEORGE Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ernakulam

Date: 9-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

Poona-411004, the 30th June 1978

No. CA5/Jalgaon/April'78/362.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

Jalgaon on 3-4-1978

being the Competent Authority under Section 269B of the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S. No. 2678-A/14 situated at Jalgaon (and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- Shri Prabhakar Purushottam Chaudhari
 Ramesh Purshottam Chaudhari
 At Dombivli, Dist. Thene.
 Shri Ashok Purshottam Chaudhari.
 On behalf of (1) to (3) above Shri Purushottam
 Totaram Chaudhri,
 At Siroda, Tal. Raver, Dist. Jalgaon.

 (Transferor)
- (2) Shri Ravindra Digambar Chaudhari, 212, Navi Peth, Jalgaon.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot C.S. No. 2678-A/14 at Jalgaon. Area: 473.4 sq. mts. (Property as described in the sale deed registered under No. 839 dated 3-4-78 in the office of the Sub-Registrar, Jalgaon).

> SMT. P. LALWANI, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date 30-6-1978. Seal:

(1) Shri Prabhakar Murlidhar Paranjpe, Shivaji Nagar, Sangli.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIGNER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/SR.Miraj II/May 78/364/78-79.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land at R.S. No. 233/1,233/2 situated at Kupwad, Tal. Miraj

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1906 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Miraj on 16-5-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the ransferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Prabhakar Damodar Vaidya,

2. Mrs. Sushasani Prabhakar Vaidya,

3. Ravindra Prabhakar Vaidya, 4. Rajendra Prabhakar Vaidya, 5. Milind Prabhakar Vaidya,

All at Radhakrishna Vasahat, Sangli.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land at R.S. No. 233/1,233/2 at Village Kupwad, Tal. Miraj.

(Property as described in the sale deed registered under No. 723 dated 16-5-78 in the office of the Sub-Registrar, Miraj-II, Mriaj).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Poons.

Date: 19-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/SR.Miraj-II/May'78/365/78-79.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Agricultural land at 712/4 situated at Mirai Dist Sangli

Agricultural land at 712/4 situated at Miraj, Dist, Sangli (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Miraj-II on 25-7-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating to concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Krishna B. Yesumali of Miraj, Vakharbhag, Sangli.

(Transferor)

 2. Chri Vasantrao Ramchandra Kokatnur Miraj, Distt. Sangli.
 2. Dr. Mrs. N. V. Kokatnur, Miraj.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at 712/4 at Miraj, Dist. Sangli.

(Property as described in the sale deed registered under No. 782 dated 25-5-78 in the office of the Sub-Registrar, Miraj-II).

SMT. P. LALWANI, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Poona.

Date: 19-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61 ERANDAWA, KARVE ROAD, POONA

Poona-411004, the 19th August 1978

Ref. No. CA5/Haveli-II/April'78/363/78-79.—Whereas, I, Smt. P. LALWANI,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

F.P. No. 401/A, situated at Shivajinagar, Pune,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Pune on 17-4-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Shivkumar Potdar, Partner of Mittal Service Corporation, 30 Ashok Nagar, Pune-7.

(Transferors)

(2) New Ajay Co-operative Housing Society Ltd. 401/A, Senapati Bapat Road, Punc-16.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property; within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing final plot No. 401/A, Shivaji-nagar, Pune-16.

(Property as described in the sale deed registered under No. 658 dated 17-4-1978 in the office of the Sub-Registrar, Haveli- Π , Pune).

SMT. P. LALWANI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date: 19-8-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 16th August 1978

C.R. No. 62/15063/78-79/ACQ/B.--Whereas, I, J. S. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Vacant Site bearing No. 131 situated at Binnamangala Layout, Bangalore.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bangalore, Doc. No. 2751/77-78 on 11-1-1978 for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Brig. D. Viegas, S/o Mr. B. V. Viegas, No. 11/14, McNichols Chetpet, Madras-600031.

(Transferor)

 Mr. Oscar Vaz, S/o Mr. D. Vaz,
 Mrs. Cynthia Stella Vaz. W/o. Mr. Oscar Vaz, Both residing at Bahrein and represent by duly constituted power of attorney holder George Da Costa, 31/1, M. G. Road, Bangalore-560001.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2751/77-78 dated 11-1-78] Vacant site bearing No. 131, Binnamangala Layout, Bangalore.

Boundarles :--

East: Open land, West: Site No. 132, North: Site No. 123 South: 3' Road.

J. S. RAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 16-8-1978,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, No. 25/1, SHANKARAYANARAYANA BUILDING, M.G. ROAD, BANGALORE

Bangalore-56 001, the 7th September 1978

C.R. No. 62/15073/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, 1. S. RAO.

total the Competent Authority under Section 269B of the Immonstate Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Vacant site bearing bearing No. 41-A, situated at IInd Main Road, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-560011,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jayanagar, Bangalore, Document No. 2438/77-78 on 6-1-1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair

market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the afercentil property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely;---

(1) 1. Shri C. Honnaiah, S/o Sri Kal ase Gowda, 2. Sri H. Jaganath, S/o Sri C. Honnaiah, Both R/o No. 118, Rajamahalvilas Extension, Bangalore-560 006.

(Transferor)

(2) Shrimati Davindra Kaur Bindra, W/o Sri G. S. Bindra, No. 617, VII Block, Jayanagar, Bangalore-560 011.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the res pective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2438/77-78

Dated 6-1-78]

Vacant site bearing No. 41-A, II Main Road, VIII Block, Jayanagar, Bangalore-560011.

Boundaries :-North=Site No.41, South=Site No. 54/A East=Site No. 42 and West=Road.

> J. S. RAO. Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-9-78

Seal:

16-286GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-560 001, the 7th September 1978

C.R. No. 62/15493/78-78/ACQ/B.--Whereas, I, J. S. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Premises bearing New Nos. 80, 81, 82, 83 & 84 and Nos. 5& 6 situated at Binny Mill Road, Cottonpet, Bangalore-53, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Gandhinagar, B'lore, Doc. No. 3129/77-78 on 23-1-78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely:-

(1) Shri G. Lakshmaiah Naidu, S/o Late Guruppa Naidu, R/o 52, Hakim Abdul Rahman Street, Ranasinghpet, Bengalore-2.

(Transferor)

(2) 1. Shri Madanlal Jain S/o Sri P. Mangilal Gotawat,
2. Smt. Pista Bai,
W/o Shri M. Madanlal Jain,
Both R/o No. 209, Gavipuarmi Guttahalli
Main Road, Bangalore-560019.

(Transferee)

(3) 1. Shri Venkataraman Udupa

2. Shri R. Pukaraj

3. Shri D. Champalal. [Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -- The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Doc. No. 3129/78-79.

Date 23-1-78]

Premises bearing old Nos. 21, 22, 23, 24 & 25 and at & resent Nos. 80, 81, 82, 83, & 84 and Nos. 5 & 6, Blnny Mill Road, Cottonpet, Bangalore-53, with upstain portions and Ground Floor composed of dwelling houses, shops etc.

Boundaries ;-

East: Pillappa's property. West: Lane.

North: Manjilal's house and South: Road.

J. S. RAO. Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, No. 25/1, SHANKARAYANARAYANA BUILDING, BANGALORE-27

Bangalore-560 001, the 7th September 1978

C.R. No. 62/15851/78-70/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.I.T.B. Site No. 37, and present Municipal No. 37/79, situated at 20th Main, II Block, Rajajinagar,

Bangalore-560010

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Rajajinagar B'lore, Doc. No. 4089/77-78 on 6-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:-

(1) Shri K. Krishna Iyengar, S/o Shri Ramaswamy Iyengar, No. 1521/A, II Main, Rajajinagar, Bangalore-560 010.

(Transferor)

(2) Shrimati Vijayalakshmi, W/o Sri B. V. Umakantha Rao, No. 43/4, (III Stage, Rajajinagar), Prakashnagar, 4th Cross, III Main, Bangalore-560 010.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (b) by any other person interested in the said immovdays from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 4089/77-78

Dated 6-2-78]

C.I.T.B. Site No. 37 and present Municipal No. 37/79, 20th Main, 2nd Block, Rajajinagar, Bangalore-560010.

Boundaries:-

East=Site No. 46, West=Road, North=Site No. 38 and South=Site No. 36.

J. S. RAO.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-9-78

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269 D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, No. 25/1, SHANKARAYANARAYANA BUILDING, BANGALORE-27

Bangalore-560 001, the 7th September 1978

C.R. No. 62/16145/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO.

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No.

Premises bearing old No. 45, New No. 162/20 situated at Sudhamanagar IInd Stage, Bangalore-27 (Division No. 38) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Basavanagudi, Bangalore, Document No. 2980/77-78 on 24-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Shri A. Venugopal Naidu,
 S/o A. Changama Naidu,
 No. 17, Sudhamanagar, Bangalore-27.

(Transferor)

(2) Shri A. Arumugam, S/o Sri Sarappuswanry, No. 162/20, Sudhamanagar, IInd Stage, Bangalore-27.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2980/77-78 Dated 24-2-78]
Premises bearing old No. 45, New No. 162/20, Südhämänagar, Hnd Stage, Bangalore-560027.

Boundarles:

East=House No. 66, West=Road, North=Site No. 46 and

South=Private property (Munivenkatappa Gorden)

J. S. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore.

Date: 7-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE-27

Bangalore-27, the 15th September 1978

C.R. No. 62/15199/78-79/ACQ/B.--Whereas, I, J. S. RAQ.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

property Corporation No. 52/1, situated at Church Street Bangalore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, B'lore, Doc. No. 2852/77-78 on 21-1-1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have remon to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

 Shri A. K. Anantha Narain, S/o Sri A. S. Krishnamurthy, R/o 31, Cubbon Road, Civil Station, Bangalore-1.

(Transferor)

(2) Shri M. P. Rawar, S/o Shri V. P. Rawar, R/o No. 11, Changamaraju Layout, 8th Block, Jayanagar, Bangalore-11.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immoveable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2852/77-78

Date 2-1-781

All that piece & parcel of land together with the shed thereon bearing Corpn. No. 52/1, Church Street, Divn. No. 60, Bangalore

Boundarles :-

East: Blue moon Theatre,

West: Plaza Theatre,

North: Building belonging to the Vendor, Comprising premises No. 70/1, M.G. Road, and

South: Premises No. 52/2, Church Street & also Church Street.

J. S. RAO.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore.

Date: 15-9-78.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. CHD/90/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 659, Sector 8-B, Constructed on plot No. 184, Street K, Sector 8-B, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Parkash Chander Khunger (Advocate) R/o 659/8-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Dr. Raj Kumar Gupta & Dr. Meenakshi Gupta, R/o 659, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 659, Sector 8-B, Constructed on Plot No. 184, Street No. K, Sector 8-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1134, of January, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-9-1978

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING
ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BLDG.
LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. CHD/95/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot measuring 1000.08 Sq. Yds. bearing No. 6P Street, K, Sector 19-D situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the foresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Harbans Kaur
 r/o 126, Sector 16Λ, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Vishnu Kumar Gupta r/o 3002, Sector 28-D, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1000.08 Sq. Yds, situated in Street K, Sector 19-D, Chandigath.

(The property as mentioned in the registered Deed No. 1167 of January, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhlana.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. CHD/88/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 348, Sector 20-A, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not

been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sohan Singh s/o Late Gurdial Singh, r/o H. No. 348, Sector 20-A, Chandigarh.

(Transferor)

 Shri Ashok Kumar Sethi s/o Shri Thakur Dass Sethi Sector 17-B, Punjab Financial Corporation, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter;

THE SCHEDULE

House property No. 348, Sector 20-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1096 of January, 1978 of the Registering Officer Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Rcf. No. CHD/93/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

H. No. 1101/21-B, Chandigarh situated at Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, Chandigarh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

17--286GI/78

 Sh. Babu Singh s/o Sh. Chuhar Singh r/o Village Pakki Rurki, Teh. Kharar, Ropar & at present r/o H. No. 1101/21-B, Chandigarh & Booth No. 37-22-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Shri Dwarka Dass Vashist s/o Sh. Hussain Chand Vashist, r/o V & P.O. Nurpur Bedi, Distt. Ropar & Shri Mohinder Lal Puri s/o Tara Chand Puri, r/o Una, Distt, Una.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 1101 Sector 21-B, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1149, of January, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiasai.

Date: 15-9-1978

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE. CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. CHD/122/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

House No. 153, Sector 16- Λ , Chandigarh, situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in January, 1978/February 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Labhu Ram s/o Shrl Beli Ram, r/o 153, Sector 16-A, Chandigarb.

(Transferor)

(2) S/Shri Aajit Kumar Sharma and Ashwani Kumar Sharma, r/o House No. 153, Sector 16-Λ, Chandigarh

(Transferee)

(3) Shri Ved Parkash Dhall,
r/o H. No. 153, Sector 16-A, Chandigarh—
a tenant.

[Person in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 153, Sector 16-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 1170 of January/February, 1978 of the Registering Officer Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhima.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. CHD/92/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

H. No. 548, Sector 18-B, Chandigarh (Plot No. 51, Street F, Sector 18-B, Chandigarh situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

 S. Ujagar Singh s/o S. Hukam Singh, r/o Vinnay Mushroom Farm House, Kasauli.

(Transferor)

(2) S/Shri Bal Krishan, Ruld Kishore, Megh Raj Ss/o Shri Kali Ram, 548/18-B, Chandigarh.

(Transferees)

(3) The Life Insurance Corpn. of India, Chandigarh

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 548, Sector 18-B, Chandigarh (Plot No. 51, Street F, Sector 18-B, Chandigarh).
(The Property as mentioned in the Registered Deed No. 1142 dated 25-1-1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Mohan Singh s/o Shri Bakhtawar Singh, r/o Village Hira, Tehsil & Distt. Ludhiana.

Transferor

(2) Sh. Pal Oswal s/o Sh. Rattan Chand Oswal, r/o College Road, B-XIX-534, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. Ldh./102/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 28 Kanal 11 marlas situated at Village Hira, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have he same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanal 11 marlas situated in village Hira, Tehsil Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5818 of Jan., 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-9-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) (1) Shri Ranjit Singh s/o Shri Dalip Singh, r/o Village Hiran, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Avtar Singh, Gurmeet Singh, & Kuldip Singh Ss/o Shri Mohan Singh, r/o Village Hiran, Teh. Ludhiana.

(Transferec)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. LDH/161/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 30 Kanods 12 marlas situated at Village Hiran, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
 - (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

New, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agril. Land measuring 30 kanals 12 marlas situated at villago Hiran, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6701 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. Ldh/R/145/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 30 kanals 12 marlas situated at village Hiran, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

(1) Shri Ranjit Singh s/o Shri Dalip Singh, r/o Villagt Hiran, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) S/Shri Avtar Singh, Gurmeet Singh and Kuldip Singh sons of Shri Mohan Singh r/o Village Hiran, Distt. Ludhiana,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons. whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 30 kanals 12 marlas situated in

village Hiran, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 6582 of March, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

FORM ITNS____

(1) Sh. Amar Singh s/o Sh. Bhajan Singh r/o Hiran, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/shri Avtar Singh, Gurmit Singh & Kuldip Singh ss/o Mohan Singh r/o Hiran, Teh. & District Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. LDH/101/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 28 kanals 16 marlas situated at Village Hiran, Teh, & Distt. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property for the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanals 16 marlas situated in Village Hiran, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5817, January, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. NBA/38/77-78.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 11 bighas situated at V. Ram Singh Nan, Bhadson, Nabha Road, Bhadson,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:-

 S/Shri Chanan Singh, Chhaju Singh, Charan Singh, Sher Singh, Chand Singh & Tara Singh ss/o Sh. Joginder Singh r/o Vill. Bhadson, Teh. Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Dashmesh Rice Mills, Bhadson, Teh. Nabha through its partners, S/Shri Megh Singh, Jagmal Singh ss/o Sh. Pritam Singh, Smt. Surjit Kaur w/o Sh. Kartar Singh, Sh. Tarsem Singh, Jit Singh, Amrik Singh sons of Sh. Bachan Singh Vill. Tarkheri Kalan and Sh. Dalip Singh, Mohinder Singh s/o Sh. Chhaju Singh r/o village Jhambeli, Teh. Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 11 bighas situated at village Ram Singh Bhadson, Teh. Nabha. Nan

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1825 of January, 1978 of the Registering Officer, Nabha).

NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. NB $\Lambda/41/77-78$.—Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Two shops—total area of plot 72.2/3 sq. yds. situated at Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
18—286GI/78

(1) Shri Jagraj Singh s/o Sh. Jasmer Singh s/o Ram Singh, r/o Mohalla Purani Nabhi, Nabha, Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) Sh. Ran Singh s/o Darbarn Singh s/o Mihan Singh, Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops—total area of plot 72.2/3 sq. yds. situated at Nabha.

(The property mentioned in the Registered Deed No. 1867 of January, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM

Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Ranjit Singh s/o Darbara Singh s/o Mihan Singh, Village Dandrala Dhindsa, Teh. Nabha.

(1) Sh. Jagraj Singh s/o Jasmer Singh s/o Ram Singh, R/o Mohalla Purani Nabhi, Nabha, Distt. Patiala.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. NBA/40/77-78.--Whereas, I, NATHU RAM Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Three shops 8'×24\frac{1}{2}' total area 102.1/3 sq. yds. situated at Nabha

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nabha in January, 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely the

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Three shops—8: $\times 24\frac{1}{3}$ total area 102.1/3 sq. yds, situated at Nabha,

(The property mentioned in the Registered Deed No. 1866 of January, 1978 of the Registering Officer, Nabha.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax.
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

(1) Shri Gurbax Singh s/o Shri Chanan Singh, r/o Raikot.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s. Aggarwal Rice and General Mills, Raikot, Distt. Ludhiana,

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

(Transferee)

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

Ludhiana, the 15th September 1978

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Ref. No. RKT/14/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

> (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Rs. 25,000/- and bearing No. Land measuring 16 kanals situated at Raikot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in February, 1978

> EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals situated at Raikot.

The property as mentioned in the Registered Deed No. 1616 of February, 1978 of the Registering Officer, Raikot).

> NATHU RAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Date: 15 Sep. 1978

 Shri Teja Singh s/o Shri Chanan Singh, r/o Raikot.

(Transferor)

(2) M/s. Aggarwal Rice and General Mills, Raikot, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. RKT/12/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 16 kanals situated at Raikot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Raikot in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons, to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesald persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazetta.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 16 kanals situated at Raikot.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1564 of January, 1978 of the Registering Officer, Rajkot).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. BWN/19/77-78.—Whereas, 1, Nathu Ram being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Agricultural land measuring 35 Bighas 18 Biswas situated at

Village Kapyal, Tch. Bhawanigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhawanigarh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesald property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Sh. Subhash Kumar s/o Faqir Chand r/o Bhawanigarh, Distt. Sangrur.

(Transferor)

(2) S/Shri Surjit Singh, Daljit Singh & Ajmer Singh ss/o Sh. Amar Singh, Village Kapya, Teh. Bhawanigarh, Distt. Sangrur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 35 Bighas 18 Biswas situated in Village Kapyal, Teh. Bhawanigarh, Distt. Sangrur.

(The property mentioned in the Registered Deed No. 39 of January, 1978 of the Registering Officer, Bhawanigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. AMI-/22/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 15 kanals situated in village Galwadi Teh. Amloh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Amloh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Joginder Kaur d/o Sher Amir Singh, r/o Vill. Galwadi, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala. (near Khanna).

(Transferor)

(2) M/s. Gupta Rice Mills, Galwadi through Shri Ram Chander s/o Sh. Baru Ram, r/o Khanna c/o M/s. Sham Lal, Bardana Merchants, Bus Stand, G.T. Road, Khanna, Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (b) by any of the aforesnid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 15 kanals situated in Village Galwadi, Sub-Teh. Amloh, Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1272 of January, 1978 of the Registering Officer, Amloh.).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1962)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Rcf. No. AML/23/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land measuring 13 kanal 18 marlas situated at Village Galwadi, sub Tehsil Amloh, Distt. Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of Registering Officer at Amloh in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Incometax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shrimati Joginder Kaur d/o Sher Amir Singh, r/o Village Galwadi, near Khanna, Teh. Amloh. Distt. Patiala.

(Transferor)

(2) M/s. Gupta Rice Mills, Galwadi c/o M/s. Sham Lal, Bardana Merchants, Bus Stand, G.T. Road, Khanna.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 13 kanal 18 marlas situated in village Galwadi, sub-Tch. Amloh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 1307 of January, 1978 of the Registering Officer, Amloh.).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978

Senl:

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. LDH/306/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Land measuring 47 kanal 7 marlas situated at Mangat H.B. 64, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

 Smt. Harnam Kaur wd/o Shri Kartar Singh, r/o Mangat, Teh. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Gian Singh s/o Shri Banta Singh, r/o Village Moranwali, Teh. Shankar, Distt. Hoshiarpur, C/o Amar Singh Dhaliwal, Mangat (Ludhiana).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning of given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 47 kanals 7 marlas situated at Mangat H.B. 64. Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 3402 of January, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. SML/43/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

House property known as Emm Villa, Circular Road, Near Sectt. Chhota Simla situated at Chhota Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in March, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
19—286GI/78

(1) Smt. Indrajvati Gupta wd/o Late Shri Ram Sarup R/o 235, Central Road, Meerut Cantt.

(Transferor)

(2) Sh. Om Parkash Lakhanpal s/o Sh. Jagat Ram, Sh. Surinder Kumar Lakhanpal s/o Sh. Om Parkash. Dr. Sudesh w/o Sh. Surinder Kumar Lakhanpal & Sh. Naresh Kumar Lakhanpal s/o Sh. Om Parkash R/o 102, Lower Bazar, Simla.

(Transferee)

S/Shri 1. Bhagwant Singh. 2. P. C. Gupta,
 Gautam, 4. Menon, 5. Subhash Mahajan, 6.
 Chauhan, 7. Sant Ram-I, 3. Romesh, 9. Sant Ram-II, 10. Santokh Singh, 11. Om Parkash, 12. Dev Raj, 13. Bhagat Singh, 14. Ram Lok & 15. Sharma,
 R/o Emm Villa, Circular Rond, Near Sectt., Chhota Simla.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property known as Emm Villa, Circular Road, Near Sectt., Chhota Simla.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 119 of March 1978 of the Registering Officer, Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978.

Seal

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. SML/44/77-78.—Whereas I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Basement Floor of Swdhya Ashram Talbot House Simla-I situated at Simla-I

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla, in March, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Swami Pragyama Nand Sarswati Swadhaya Ashram, Resident of Talbot House, Simla Estate-I.

(Transferor)

(2) Smt. Nandni Chander w/o Shri Sheel Chander resident of D-102 Defence Colony, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Basement Floor of Swadhya Ashram Talbot House, Simla-I. (Property as mentioned in the Registered Deed No. 123 of March, 1978 of the Registering Authority at Simla).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978,

PART III—SEC. 1]

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 19th September 1978

Ref. No. Ldh/R/176/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Land measuring 19 kanals 13 marlas situated at Village Hiran, Tehsil, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at

Ludhiana in January 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :-

- (1) Shri Mohan Singh s/o Shri Bakhtawar Singh, r/o Village Hiran, Teh. Ludhiana.
- (2) Shri Siri Pal s/o Shri Rattan Chand, 534-B, 19 College Road, Civil Lines, Ludhiana.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 19 kanal 13 marlas situated at village Hiran, Teh. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5686 of January, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 Sep. 1978

FORM ITNS---- -

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 19th September 1978

Ref. No. Ldh/R/177/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 28 kanal 10 marlas situated at Village Hiran, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1972) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Mohan Singh s/o Shri Bakhtawar Singh, r/o Village Hiran, Teh. & Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Siri Pal s/o Sh. Rattan Chand, 534, B-19, College Riad, Civil Lines, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 28 kanal 10 marlas situated at village

Hiran, Teh. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 5748 of January, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 19 Sep. 1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) Sh. Hazoora Singh s/o Sh. Megal Singh r/o Village Gobindgarh Jajian, Teh. Sunam.

(Transferor)

(2) Sh. Baldev Singh s/o Sh. Arjan Singh r/o Village Ladal, Teh. Sunam.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 15th September 1978

Ref. No. SNM/47/77-78.—Whereas, I, Nathu Ram Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 74 kanals 18 marlas situated in Village Gobindgarh Jajian, Teh. Sunam situated at Village Gobindgarh, Teh. Sunam

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sunam in January, 1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent, consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforcsaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 74 kanals 18 Marlas situated in Village Gobindgarh Jajian, Teh. Sunam.
(The property as mentioned in the Registered deed No. 19 of January, 1978 of the Registering Officer, Sunam).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana.

Date: 15 Sep. 1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA.

Patna, the 7th September 1978

Ref. No. 111-272/Acq/78-79.—Whereas, I, M. N. Tiwary, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Khata No. 10 Holding No. 3 & 4, Circle-A situated at Khasmahal under Kila, Dt. Monghyr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Kamala Ranjan Roy, 1/2, Harish Mukherjee Road, Calcutta.

(Transferor)

(2) Bihar School of Yogas, Lal Darwaza, P.S. &Dist.Monghyr.

(Transferee)

(3) Bihar School of Yogas, Monghyr.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 7 Bighas, 10 Kathas and 6 dhurs with a house thereon situated under Kila Dt. Monghyr bearing Circle-A, Khata No. 10, Holding No. 3 & 4 described more fully in deed No. I-382 dt. 27-1-1978.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA.

Patna, the 7th September 1978

Ref. No. III-273/Acq/78-79,—Whereas, I, M. N. Tiwary, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act) have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/ and bearing No.

Khata No. 16, Holding No. 3 & 4, Circle No.-A situated at Khasmahal under Kila, Dt. Monghyr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 25-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Raja Kamala Ranjan Roy, 1/2 Harish Mukherjee Road, Calcutta. (Transferor)
 - (Ilansteror
- (2) Bihar School of Yogas, Lal Darwaza, P.S. & Dt. Monghyr.

(Transferee)

(3) Bihar School of Yogas, Monghyr.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 7 Bighas, 13 Kathas and 6 dhurs with a building thereon situated under Kila dt. Monghyr bearing Circle No. A Khata No. 16, Municipal Holding No. 3 & 4 described morefully in deed No. I-351 dt. 25-1-1978.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Rappe, Bihar, Patna

Date: 7-9-1978,

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA.

Patna, the 7th September 1978

Ref. No. III-274/Acq/78-79.—Whereas, I, M. N. Tiwary, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Khata No. 16, Holding Nos. 5 &6, Circle No. A situated at Khasmahal under Kila Dt. Monghyr

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 30-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, as the following persons namely:—

(1) Shri Kamala Ranjan Roy, 1/2, Harish Mukherjee Road, Calcutta.

('Transferor)

(2) Bihar School of Yogas, Lal Darwaza, P.S. & Dt. Monghyr.

(Transferee)

(3) Bihar School of Yogas, Monghyr.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land area 7 Bighas, 8 Kathas and 1 dhur with two dilapidated houses thereon situated under Kila dt. Monghyr bearing Circle No. A, Khata No. 16, Holding Nos. 5 & 6 Touzi No. 1333 described morefully in deed No. I-426 dt. 30-1-1978.

M. N. TIWARY

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 7-9-1978.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BIHAR BORING CANAL ROAD, PATNA.

Patna, the 18th September 1978

Ref. No. III-275/Acq/78-79/583.—Whereas, I, M. N. Tiwary, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bihar, Patna

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Plot No. 237, Holding No. 262 (new), 243 (old), Ward No. 5 situated at Mauza Lakhari in Giridih town

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Calcutta on 27-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Zakaria Usman & Co., 4, Rajmohan Street, Calcutta-1. represented by partners* *1. Abdul Aziz Ayoob

2. Yusuf Ayoob

3. Mrs. Amna Bai Hazi Ahmed

 Noor Mohammad Illias All of 4, Rajmohan Street, Calcutta-1.

(Transferor)

(2) (1) Smt. Muleshwari Devi W/o Shri Gobardhanlal.

(2) Smt. Ahilya Devi W/o Shri Shiv Shankarlal both resident of Barganda, Giridih town.

(Transferee)

(3) Transferees

(Person in occupation of the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of homestead land measuring 3 bighas together with structures thereon situated at Mauza LAKHARI bearing plot No. 237, Thana No. 101, Holding No. 262 (new), 243 (old), Tauzi No. 15/11; Ward No. 5 in Giridih town described morefully in deed No. 1-399 dated 27-1-1978, registered by Registrar of Assurances, Calcutta.

M. N. TIWARY
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bihar, Patna.

Date: 18-9-1978

Seal:

20-286GI/78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1978

Ref. No. RAC. No. 137/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shope No. 12 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the appa-

rent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of

transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, of the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. United Builders, Represented by its Managing Partner Sri Sundermal & others H. No. 21-2-772 at Patel Market, Hyderabad.

(Transferor)

 Sri A. Ariff Baig, H. No. 1-7-69 at S. D. Road, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 12 in the premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 175/78 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 11th September 1978

Ref. No. RAC. No. 138/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

object of :-

have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop No. 9 in situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 M/s. United Builders, Represented by its Managing Partner Sri Sundermal & others H. No. 21-2-772 at Patel Market, Hyderabad.

(Transferor)

(2) 1. Sri S. Bappa Rao,2. S. Subba Rao,H. No. 7-2-157 Ashoknagar,Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersgined—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 9 in the premises No. 1-7-27 to 34 and 1-7-206 to 228 at Mahatma Gandhi Road, Secunderabad, registered vide document No. 233/78 in the Office of the Sub-Registrar Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-lax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 11-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 12th September 1978

Ref. No. RAC. No. 139/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Open plot in situated at 7-10-1079/7 Mirchi Compound, Nizamabad

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 3-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Sri Paither Ramesh
 P. Veeresham,
 H. No. 7-9-833/3 at Devi Road,
 Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Padma Bao,
 W/o Jairam Bhai,
 H. No. 6-20-52 at Gurba Abadi Road,
 Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land bearing M. No. 7-11-1079/7 situated behind Lala Lajpathrai Gunj, (Mirchi Compound) Nizamabad, registered vide Document No. 14/78 with the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-1ax,

Acquisition Range,
Hyderabad.

Dated: 20-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1978

Ref. No. RAC. No. 140/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

4-5-303 and 312 situated at Sultan Bazar, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 6-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect or any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri Syed Jalaluddin Ahmed, H. No. 4-5-303 and 312, Sultan Bazar, Hyderabad.

(Transferor)

Sri T. Balaram,
 T. Prakash,
 Both residing at H. No. 6-1-277/9, Walker Town,
 Secunderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that three storeyed building M. No. 4-5-303 and 312 situated at Sultan Bazar, Hyderabad, registered vide Document No. 3640/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 13-9-1978

FORM ITNS .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 13th September 1978

Ref. No. RAC. No. 141/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Plot No. 9 in situated at M. No. 3-5-874 Hyderguda, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), bas been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 23-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer is agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

Sri Mahabir Pershad,
 H. No. 8-2-626/6 at Road No. 1,
 Banjara Hills, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri V. Narayan Reddy, S/o V. Madhav Reddy, Land Lord, Saidabad, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land No. 9 in the premises No. 3:5-874 situated at Hyderguda, Hyderabad, registered vide Doc. No. 241/78 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 13-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 14th September 1978

Ref. No. RAC. No. 142/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority, under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-4-454 situated at Nampally, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office

of the Registering Officer at

Hyderabad on 18-1-1978

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act,
 in respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Sarwari Begum, W/o late Dr. Mohd. Masiuddin, R/o Malakpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shaheen Hajira D/o Shaik Abdullah, H. No. 5-4-454 at Nampally Station Road, Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property, may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house No. 5-4-454 at Nampally Station Road, Hyderabad, registered vide Document No. 3518/77 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad,

Date: 14-9-1978

Scal;

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1978

Ref. No. RAC. No. 143/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 5-4-435 situated at Napally, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 10-1-1978

for an apparent consideration which

Is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely;—

Sri Kishenn Rao Karwankar,
 Sri Kishore Karwankar,
 Both residing at H. No. 5-4-435
 At Nampally Station Road,
 Hyderabad.

(Transferor)

Sri Gopathi Balakrishna,
 S/O G. Sreeramuloo,
 5-8-57/2 at Nampally Station Road,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period or 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building No. 5-4-435 with Zinc Sheet Store shed along with Compound wall situated at Nampally Station Road, Hyderabad, registered vide Document No. 42/78 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1978

Ref. No. RAC. No. 144/78-79.—Whereas, I. K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

5-8-522 situated at Mukarabjung Lane, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transfrred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 25-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth-tax Aca, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
21—286GI/78

 The Universal Co-operative House Construction Society Ltd., Secretary, Sri Giri Raj, H. No. 5-8-521 at Mukarab Jung Lune, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Jagdish Pershad
 S/o late Dongarsidas,
 H. No. 21-1-293 at Ghansi Bazar.
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land M. No. 5-8-522 situated at Mukkarab Jung lane Hyderabad, admeasuring 303 Sq. Yds. registered vide Document No. 248/78 with the Office of the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1978

Ref. No. RAC. No. 145/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Shop No. 48 in situated at 5-8-512 at Abid Shopping Centre, Hyderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sri P. Bhaskara Raju, H. No. B-31-F-2 Vigyanpuri Colony, Hyderabad.
 Smt. P. Bharathi W/o P. V. Krishnan Raju, R/o Nallakunta, Hyderabad.
 Smt. P. Chandravathi W/o P. Adi Narayana Raju, R/o Nallakunta, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri M. Rama Rao,S/o Kishan Rao,H. No. 68-/B, Santhosh Nagar,Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop No. 48 in the premises M. No. 5-8-512 known as "ABID'S SHOPPING CENRE" at Chirag Ali lane, Hyderabad, registered vide Document No. 320/78 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Hyderabad,

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1978

Rcf. No. RAC. No. 146/78-79.—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) hereinafter referred to as the 'said Act'), have reasons to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7-8-769 Mulgs situated at Devi Road, Nizaruabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Nizarnabad on 3-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

 Smt. Gopi Bai W/o Sri Ramchander Bahethi, R/o inside Goshala Compound, Goshala Road, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Smt. Ratan Kaur W/o P. Ram Singh, H. No. 5-7-623 at Khalilwadi, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed premises three R.C.C. Shops bearing M. No 7-8-769 situated at Godown Road, Nizamabad, registered vide Doc. No. 21/78 in the Office of the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range,

Hyderabad.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1978

Ref. No. RAC. No. 147/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

7-8-770 Shop situated at Devi Road, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 3-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Gopi Bai W/o Sri Ramchander Bahethi, residing inside Goshala compound, Goshala Road, Nizamabad.

(Transferor)

(2) Sri P. Ram Singh S/o Sri Karam Singh H. No. 5-7-623 at Khalilwadi, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Single storeyed two R.C.C. shops bearing M. No. 7-8-770 situated at Devi Road, Nizamabad, registered vide Document No. 20/78 with the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

HYDERABAD

Hyderabad, the 15th September 1978

Ref. No. RAC. No. 148/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop 7-6-577/1 situated at Gandhi Gunj, Nizamabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 16-2-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Sri Boda Venkat Rama Reddy, alias Jambu Reddy, S/o Ranga Reddy,
 H. No. 8-2-547/1 Banjara Hills, Road No. 7.
 Hyderabad.
 (Presently residing at Gandhi Gunj, Nizamabad.)

 (Transferor)
- (2) Smt. Sej Bai W/o Ramji Bhai, H. No. 7-6-552/4/K, Kishan Gunj, Nizamabad. C/o M/s. Amruthlal & Co., Kishen Gunj, Nizamabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One Malgi M. No. 7-6-577/1 at Gandhi Gunj and having rear Malgi and opening in the Kumargalli, with double storey, Nizamabad, registered vide Doc. No. 578/78 in the Office of the Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 15-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 149/78-79--Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-7-637/21 situated at Station Road, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 5-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wenlth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sussection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Laxmi Bai
 W/o Madanlal Agarwal,
 Smt. Leela Bai
 W/o Shankerlal Agarwal,
 Both residing at 15-1-1 at Osmangunj,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Shecla Shastry W/o Sundershan Shastry, C/o M/s. Uday Typewriting Institute, Station Road, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shop M. No. 5-7-637/21 along with front platform and two rooms with Balcony on the front floor part of "Jagdesh Niketan" situated at Station Road, Nizamabad, registered vide Doct. No. 24/78 with the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

FORM TINS----

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 150/78-79-Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Shop No. 5-7-637/22, Station Road, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nizamabad on 5-1-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the sald instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Smt. Laxmi Bai
 W/o Madanlal Agarwal,
 Smt. Leela Bai
 W/o Shankerlal Agarwal,
 Both residing at H. No. 15-1-1 at Osmangunj,
 Hyderabad.

(Transferor)

(2) Sri Rama Shastry S/o Bapu Shasty, C/o M/s. Uday Typewriting Institute, situated at Station Road, Nizamabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of thics notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATIONS:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shops M. No. 5-7-637/22 along with front plat-forms and two rooms with Balcony on the first floor of R.C.C. house, part of 'Jagadish Niketan' situated at Station Road, Nizamabad, registered vide Doc. No. 26/78-79 dated 5-1-78 in the office of the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 151/78-79-Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

3/26-A situated at Proddatur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Proddatur on 18-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in persuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) S/Sri 1. Bireddy Suryanarayanareddy,

2. B. Venkata Reddy,
3. B. Venkata Sheshareddy,

B. Prasada Reddy, 5. B. Srinivasa Reddy

Smt. B. Malli Suramma

W/o Sivaramireddy,

S. Nos. 3 and 6 GPA holder Sri B. Suryanarayanareddy,

All residing at Co-operative Central Stores Road, Proddatur.

(Transferor)

Avisa Marry D/o Avia Adam, At present working at Kuwait.
 Illuru Kripamma W/o Ruban R/o Vasantapet, Proddatur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Door No. 3/26A, situated at Co-operative Central Stores Road, Proddatur, registered in the office of the Proddatur.

> K. S. VENKATARAMAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 152/78-79-Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

5-1-911/4 situated at Putlibowli

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at

Hyderabad on January, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as

aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Sri N. Satyanarayana,
 H. No 4-8-189. Gowliguda, Hyderabad.
 2. Sri N. Venkat Ratnam,
 H. No. 4-8-189 at Gowliguda,
 Hyderabad.

(Transferor)

1. Smt. P. Mannadha W/o P. Murlidhar,
 2. K. V. Anand S/o K. Hanumantharao,
 H. No. 4-8-685 Gowliguda,
 Hyderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, with in 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Shed and open site M. No. 5-1-911/4 at Putli Bouli, Hyderabad, admeasuring 212.33 sq. yds. registered vide Doc No. 79/78 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

FORM ITNS----

 Smt. Λ. Vedambal W/o Ganapathy Iyer, H. No. 6-3-852/2 at Ameerpet, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. P. C. Lalitha, H. No. 6-3-852/3 at Amerpet, Hyderabad.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 153/78-79--Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

6-3-852/3 situated at Amerpet,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hyderabad on 16-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of H. No. 6-3-852/3 situated at Amerpet, Hyderabad, registered vide Document No. 106/78 in the Office of the Sub-Registrar, Khairtabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Rcf. No. RAC. No. 154/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Shop No. 338 situated at S. D. Road, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Secunderabad on 9-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the sald Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Swastik Construction Co., At 111-S.D. Road, Secunderabad.

(Transferor)

- (2) 1. Sri M. Bhadraiah,
 - 2. M. Ramachari,
 - 3. M. Srinivasachary,
 - 4. M. Hanumantha Chary,
 - 5. Smt. Krishnaveni,
 - 6. Krishnaveni,

All residing at 17-6-211 at Outside Dabirpura, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Office premises No. 338 on IIIrd floor of Chandra Lock complex at 111-S.D. Road, Secunderabad, registered vide Document No. 38/78 with the sub-registrar of Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 155/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARMAN.

being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Flat B4/F1 situated at 4th floor, Poonam Apartment (and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Hyderabad on 11-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infecen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

 Srichand S/o late Bhagwandass, H. No. 21-2-785, Patel Market, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Sarikonda Radhika Rao, W/o Dr. S. Hanumantha Rao, Flat No. B4/F-8, at 5-8-512, 4th floor of Poonam Apartments, Chiragali lane, Hyderabad.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. B4/F8 on the fourth floor part of premises No. 5-8-512 known as "POONAM APARTMENTS" at Chiragali lane Hyderabad, registered vide Document No. 133/78 with the Joint Sub-Registrar, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 156/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1-9-832 situated at Mohan Talkies, Nizamabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Nizamabad on 20-1-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

- Sri T. Shiv Charan Singh,
 T. Shiv Dayal Singh,
 T. Surya Uday Singh,
 All residing at H. No. 3-4-771 at Barakatpura, Hyderabad.
- (2) Sri Pandit Tao Pawar S/o Tuljaram, R/o Amberpet, Nizamabad.

(Transferee)

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot M. No. 1-9-832 at Mohan Talkies, Nizamabad registered vide Document No. 155/78 in the Office of the Joint Sub-Registrar, Nizamabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Dated: 16-9-78

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 16th September 1978

Ref. No. RAC. No. 157/78-79—Whereas, 1, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

11-3-825 situated at Moazampura, Hyderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khairatabad (Hyderabad) on January, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) (i) Hamid Moinuddin s/o late Gulam Jeelani,
 - (ii) Shakir Moiduddin s/o late Gulam Jeelani,
 (iii) Smt. Tayyaba S. Allauddin
 - w/o S. Allauddin,
 Represented by Shri Mohammed Moinuddin

cpresented by Shri Mohammed Moinuddir s/o late Mohammed Sharifuddin, R/o 465, Jambagh Road, Hydcrabad, G.P.A.

(Transferor)

 (2) Sri Syed Shujauddin s/o Meer Sayeeduddin,
 H. No. 11-3-825, "Shakur Villa",
 Moazampura, Mallepalli, Hyderabad.

(Transferee)

(3) Sri Syed Syed Shujauddin
 s/o Mccr Sayeeduddin,
 H. No. 11-3-825, "Shakur Villa",
 Maozampura, Mallepalli, Hyderabad.
 (Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion of house bearing Municipal No. 11-3-825 "Shakur Villa" comprising of an area of 315.55 sq. yds. registered through document No. P. No. 399/77 by the Sub-Registrar, Khairtabad, Hyderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 16-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hyderabad, the 18th September 1978

Ref. No. RAC. No. 158/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

10-2-302, 303 situated at Maredpally, Secunderabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer, at Secunderabad on 22-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Smt. K. Susheela Bai
 2. Sri K. Krishna Prem,
 Both residing at H. No. 3-6-174 at Holy House,
 Hyderguda, Hyderabad.

(Transferor)

(2) Smt. Susheela R. Patalay W/o Dr. Ramesh B. Pataley, H. No. 33 at West Maredpally, Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the sald immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building M. No. 10-2-302 and 303 situated at West Maredpally Secunderabad, registered vide Document No. 3/78 in the office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad

Date: 18-9-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, HYDERABAD

Hydcrabad, the 18th September 1978

Ref. No. RAC. No. 159/78-79—Whereas, I, K. S. VEN-KATARAMAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

1-7-255 to 263 and 275 to 280 situated at S. D. Road, Secunderabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Secunderabad on 11-1-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:

Mehernosh H. Chenoy
 S/o Hoshang Sorab Chenoy,
 112 at Sarojini Devi Road,
 Secunderabad.

(Transferor)

Srichand S/o Tolaram,
 Smt. Madhu Devi W/o Sri Amarlal T. Lulla,
 Smt. Rani W/o Ramchand T. Lulla,
 All three residing at 1-8-264/6 at Sindhi Colony,
 Secunderabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of parcel of land admeasuring 1328.73 Sq. yds. New M. No. 1-7-255 to 263 and 275 to 280 situated at Sarojini Devi Road, Secunderabad, registered vide Document No. 60/78 in the Office of the Sub-Registrar, Secunderabad.

K. S. VENKATARAMAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Hyderabad.

Date: 18-9-1978